@Qpatrika
@qaumipatrikahindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 21 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 140 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

खरगे ने पीएम मोदी की विदेश नीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 20 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। इस बार उन्होंने प्रधानमंत्री की विदेश नीति को लेकर सवाल उठाए हैं। खरगे ने कहा कि 11 साल, 151 अंतरराष्ट्रीय यात्राएं, 72 देश, मगर भारत को क्या मिला? इसमें 10 बार अमेरिका की यात्रा शामिल है, लेकिन वैश्विक मंच पर भारत अलग-थलग दिख रहा है। एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा

कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से लगातार विदेश यात्राएं कर रहे हैं, लेकिन जब भारत को पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन की जरूरत थी, तो कोई भी देश हमारा साथ देने के लिए आगे नहीं आया। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने 151 विदेश यात्राएं की हैं और 72 देशों का दौरा किया है। इनमें से उन्होंने 10 बार अमेरिका का दौरा किया है। फिर भी, मोदी सरकार की विदेश नीति के तहत हमारा देश अकेला खड़ा है। क्या प्रधानमंत्री का काम सिर्फ विदेश जाकर फोटो खिंचवाना है? अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से पाकिस्तान को लोन दिए जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1.4 बिलियन डॉलर का लोन दिया है। लेकिन किसी ने भी भारत के रुख का समर्थन नहीं किया। जब हमारी बहादुर सेना आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन कर रही थी, तब अचानक युद्ध विराम की घोषणा कर दी गई। संघर्ष विराम में मध्यस्थता के ट्रंप के दावे पर खरगे ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह कहकर हमारे देश का अपमान किया है कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया और यह बात कम से कम 7 बार दोहराई। पूरा देश आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई में एकजुट था, लेकिन मोदी जी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयानों के बारे में देश की जनता को स्पष्टता न देकर इस मुद्दे को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

वक्फ कानून: अंतरिम राहत के लिए मजबूत मामला पेश करने की जरूरत: सुप्रीम कोर्ट

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 20 मई। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की सांविधानिक वैधता को चुनौती वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कानून को लेकर अंतरिम आदेश पारित करने को लेकर तीन घंटे तक सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस जॉर्ज ऑगस्टीन मसीह की पीठ ने कहा कि प्रत्येक कानून के पक्ष में संवैधानिकता की अवधारणा' होती है। अंतरिम राहत के लिए आपको बहुत मजबूत और स्पष्ट मामला बनाना होगा, अन्यथा संवैधानिकता की अवधारणा बनी रहेगी। याचिकाकर्ता के वकीलों की दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार का पक्ष सुनने के लिए बुधवार को सुनवाई तय की है। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम आदेश पारित करने के लिए पहचाने गए तीन मुद्दों पर सुनवाई को सीमित करने का अनुरोध किया। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि तीन मुद्दों में अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और वक्फ कानून का विरोध करने वाले अन्य लोगों ने कहा कि कोई भी सुनवाई टुकड़ों में नहीं हो सकती। सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि लोग अभी भी खजुराहो मंदिर में जाकर प्रार्थना करते हैं, हालांकि इसे एक प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया है। मेहता की दलील का वक्फ कानून के खिलाफ याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में टुकड़ों में सुनवाई नहीं हो सकती। यह वक्फ संपत्तियों पर व्यवस्थित कब्जे का मामला है। सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन से मुद्दे उठाए जाएं।'' सिब्बल ने कहा कि संशोधित कानून न्यायिक प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए कार्यकारी के माध्यम से वक्फ संपत्तियों के व्यवस्थित अधिग्रहण को सक्षम बनाता है। वक्फ संपत्तियां गैर-वक्फ बन सकती हैं। उन्होंने दलील दी कि वक्फ वाकिफ द्वारा अल्लाह को संपत्ति समर्पित करना है और यह अवधारणा कि एक बार वक्फ,

हमेशा वक्फ रहता है, 2025 के कानून से यह खतरे में पड़ गया है। सिब्बल ने कहा कि पहले के कानून संपत्तियों की सुरक्षा के लिए थे और वर्तमान कानून का उद्देश्य उन्हें छीनना है। उन्होंने कहा कि यह कानून ऐतिहासिक कानूनी और संवैधानिक सिद्धांतों से पूरी तरह से अलग है। यह कानून वक्फ संपत्तियों के धीरे-धीरे अधिग्रहण' का प्रावधान करता है और वक्फ की अवधारणा को कमजोर करता है, जो इस्लामी कानून के तहत धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए एक स्थायी बंदोबस्ती है। उन्होंने अधिनियम की धारा- तीन(सी) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक नामित अधिकारी को जांच करने का अधिकार देता है कि कोई संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं। सिब्बल ने कहा कि जांच के लंबित रहने के दौरान संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा और इससे अधिकारियों को न्यायिक समीक्षा के बिना ही नियंत्रण लेने की अनुमति मिल जाती है। उन्होंने धारा नौ और 14 का उल्लेख करते हुए कहा कि ये केंद्रीय और राज्य वक्फ बोर्ड की संरचना में परिवर्तन करने का प्रावधान करते हैं और बहुसंख्यक गैर-मुस्लिमों को इसका हिस्सा बनने की अनुमति देते हैं। यह समुदाय के नियंत्रण को कमजोर करने का एक प्रयास है।

जस्टिस के सोमशेखर बने मणिपुर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

कौमी पत्रिका
कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 20 मई। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति केम्पैया सोमशेखर को मंगलवार को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 15 मई को जस्टिस सोमशेखर की पदोन्नति की सिफारिश की थी। उनकी नियुक्ति मणिपुर उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार के 62 वर्ष की आयु होने पर 21 मई को पद छोड़ने से कुछ दिन पहले हुई है। केंद्रीय विधि मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर न्यायमूर्ति सोमशेखर को मणिपुर उच्च न्यायालय का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की घोषणा की। पुडुचेरी के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवा विभाग के एक शीर्ष

अधिकारी ने कहा कि पुडुचेरी में 12 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाओं के निदेशक वी रविचंद्रन ने कहा कि विभाग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशानुसार खांसी और जुकाम के लक्षणों वाले व्यक्तियों की जांच कर रहा है। रविचंद्रन ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकारी जनरल अस्पताल, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, कादिरकमम और राजीव गांधी सरकारी बाल अस्पताल में कोविड-19 रोगियों के लिए चार बेड तय किए गए हैं। वहीं गोरीमेदु स्थित सरकारी चेस्ट रोग अस्पताल में वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ छह बेड का वार्ड भी बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) और नई दिल्ली स्थित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ समन्वय करके स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। हिंदुत्व कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के मुख्य आरोपी नौशाद पर सोमवार को मंगलुरु जेल में हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि सुहास शेट्टी की हत्या के मुख्य आरोपी नौशाद पर सोमवार शाम मंगलुरु जिला जेल के क्वारंटीन सेल सेक्शन में लड़ाई के दौरान हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि लड़ाई तब शुरू हुई जब कार्यालय क्षेत्र के पास खड़े कुछ विचाराधीन कैदियों ने कथित तौर पर अन्य कैदियों को घूरना शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि इस वजह से दोनों समूहों के बीच गाली-गलौज और तीखी बहस हुई। इसके बाद उन्होंने सीमेंट के ब्लॉक तोड़कर एक-दूसरे पर फेंके। इस घटना में नौशाद के पैर में चोट आई है। पुलिस ने बताया कि दूसरे बैरक से कुछ कैदी भी कार्यालय कक्ष में घुस आए और अपने हाथों से कांच के दरवाजे को तोड़ दिया। सिक्किम पुलिस ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) की गैर-शिक्षकीय भर्ती परीक्षा में 19 उम्मीदवारों को नकल करते पकड़ा गया।

भुजबल ने फडणवीस कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली

मुंबई, 20 मई। राष्ट्वादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल की एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार के मंत्रिमंडल में वापसी हो गई है। उन्होंने मंगलवार सुबह 10 बजे राजभवन में शपथ ग्रहण की। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले भुजबल ने सोमवार रात इस बात की पुष्टि की थी कि उन्हें मंत्री पद की शपथ लेने की जानकारी दी गई है। 77 वर्षीय यह नेता महाराष्ट्र की राजनीति में ओबीसी समुदाय का प्रमुख चेहरा माने जाते हैं और पूर्व कैबिनेट मंत्री और उपमुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, छगन भुजबल जी पहले भी मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने कई विभागों को लीड किया है और वो एक अनुभवी नेता हैं... मैं उनको बहुत बधाई देता हूं...उनके अनुभव का निश्चित रूप से सरकार को फायदा होगा... दिसंबर 2024 में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा की गई मंत्रिमंडल विस्तार में उन्हें जगह नहीं मिलने पर उन्होंने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताई थी। अब उनकी वापसी धनंजय मुंडे के इस्तीफे के बाद हो रही है। बता दें कि मुंडे ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर मार्च में खाद्य व आपूर्ति मंत्री पद से इस्तीफा दिया था, हालांकि उनके सहयोगी वल्मिक कराड का नाम बीड सरपंच देशमुख हत्या मामले में सामने आने के बाद यह इस्तीफा आया। भुजबल वर्तमान में नासिक जिले के येवला से विधायक हैं। हालांकि अभी उन्हें कौन सा विभाग मिलेगा, इसका फैसला मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा शपथ के बाद किया जाएगा। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में भाजपा, शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं।

शिवसेना (यूबीटी) ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को दिया समर्थन

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 20 मई। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के बहिष्कार की अपील करने के कुछ दिन बाद शिवसेना (यूबीटी) ने मंगलवार को कहा कि पार्टी राष्ट्रीय हित में भारत की वैश्विक आतंकवाद विरोधी पहल का समर्थन करेगी। रुख में बदलाव केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा उद्धव ठाकरे से रविवार को फोन पर की गई बात के बाद आया है। शिवसेना (यूबीटी ने यह भी कहा कि केंद्र को 'अव्यवस्था और कुप्रबंधन' से बचने के लिए इन प्रतिनिधिमंडलों के बारे में पार्टियों को सूचित करने के प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को उद्धव ठाकरे से टेलीफोन पर बात की और विभिन्न देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में उनकी पार्टी की भागीदारी पर चर्चा की थी। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि उसे पूरी तरह से आश्वस्त किया गया है कि प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को स्पष्ट करने के लिए है, राजनीति के लिए नहीं। शिवसेना (उबाठा) ने कहा, 'पूरी तरह से आश्वस्त किये जाने पर, हमने सरकार को यह आश्वासन भी दिया है कि हम इस प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से वही करेंगे जो सही है और जो हमारे देश

के लिए जरूरी है। उसने कहा कि पार्टी की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी देशभर के अन्य सांसदों के साथ प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगी। बता दें कि प्रवक्ता संजय राउत ने रविवार को कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों को विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के केंद्र सरकार के कदम का बहिष्कार करना चाहिए था। उन्होंने दावा किया था कि प्रतिनिधिमंडल सरकार द्वारा किए गए पापों और अपराधों का बचाव करेगा। शिवसेना (यूटीबी) ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने आतंकवाद, विशेष रूप से पाकिस्तान से संचालित आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री का समर्थन किया है, ताकि उनके बुनियादी ढांचे और ठिकानों को नष्ट किया जा सके। पार्टी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ सशस्त्र बलों की कार्रवाई में हम सभी एकजुट हैं, इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए। शिवसेना (उबाठा) ने कहा कि हालांकि पार्टी पहलगाम आतंकी हमले में खुफिया विफलता के बारे में स्पष्टीकरण मांगना जारी रखेगी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, लेकिन इस बात पर भी जोर दिया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर किया जाना चाहिए। उसने कहा, पहलगाम पर कूटनीतिक स्थिति और विफल खुफिया और सुरक्षा तंत्र के बारे में हमारी अपनी राय है और हम अपने देश के सर्वोत्तम हित में, अपने देश के भीतर सवाल पूछते रहेंगे।

हरियाणा को शून्य अपराध वाला राज्य बनाना हमारा लक्ष्य: मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 20 मई: हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुलिस और सिविल प्रशासन को निर्देश दिए कि वे जमीनी स्तर पर एक टीम के रूप में कार्य करें ताकि अपराध और अपराधियों का प्रभावी तरीके से खात्मा किया जा सके। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य हरियाणा को एक 'शून्य अपराध राज्य' बनाना है। मुख्यमंत्री आज सिविल सचिवालय में अपराध और कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर, जेल महानिदेशक श्री मोहम्मद अकील, हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक श्री ओ.पी. सिंह, एडीजीपी सीआईडी श्री सौरभ सिंह सहित पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा में अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है, लेकिन इसे पूरी तरह खत्म करने के लिए निरंतर और लक्षित प्रयास जारी रखने होंगे। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि थाने में आने वाले हर व्यक्ति की बात ध्यान से सुनी जाएं, शिकायतों की तुरंत एफआईआर दर्ज की जाएं

और उस पर त्वरित कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि इससे पीड़ितों को समय पर न्याय मिलेगा और पुलिस के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी शिकायतकर्ता को एफआईआर दर्ज करवाने के लिए बार-बार थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि किसी कारणवश एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती, तो पुलिस को उसे स्पष्ट कारणों की जानकारी देनी होगी ताकि शिकायतकर्ता संतुष्ट हो सके। मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा चलाए गए अभियानों जैसे 'साइक्लोथॉन' और जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए बताया कि इन पहलों से युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर सकारात्मक जागरूकता फैली है। उन्होंने कहा कि सिर्फ युवां ही नहीं, समाज के सभी वर्गों ने इन अभियानों में उत्साहपूर्वक भाग लिया है, जिससे नई पीढ़ी को नशे से दूर रखने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के दौरान पुलिस को निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर सरपंचों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित कर नशे के खिलाफ अभियान को और मजबूत किया जाएं। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें तुरंत नशा मुक्ति केंद्रों में उपचार की सुविधा मिलनी चाहिए। राज्य के सभी नशा मुक्ति केंद्रों की नियमित जांच की जाए ताकि दवाइयों और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता बनी रहे। इसके साथ ही, सीमावर्ती जिलों और संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाकर नशे की सप्लाई और मांग के नेटवर्क को तोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट रहें

नई दिल्ली, 20 मई। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार का जर्मनी के नए चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से बात की। पीएम मोदी ने मर्ज को पदभार ग्रहण करने की बधाई दी। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ से बात की और उन्हें पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं। इस महीने की शुरुआत में कंजर्वेटिव नेता फ्रेडरिक मर्ज जर्मनी के नए चांसलर बने हैं। मर्ज को पहले वोट में हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन दूसरे मौके के वोट में मर्ज ने 325 वोट हासिल किए, जबकि 289 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिया। तब भी पीएम मोदी ने उनको बधाई दी थी। फ्रेडरिक मर्ज का जन्म 11 नवंबर 1955 को जर्मनी के ब्रिलॉन शहर में हुआ था। वे 1972 से क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) के सदस्य हैं।

सबूतों के साथ रवाना होंगे भारतीय सांसद

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 20 मई। भारतीय नेताओं का सात दल अगले एक से दो दिनों के बीच दुनिया के लगभग 35 देशों की यात्रा के लिए रवाना होगा। इस यात्रा के दौरान ये नेता ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले की जानकारी दुनिया को देंगे और पाकिस्तान के हर झूठ का पर्दाफाश करेंगे। सांसदों-नेताओं को उनकी यात्रा में शामिल देशों को देखते हुए विशेष जानकारी उपलब्ध कराई गई है जिससे वे वहां पहुंचकर उन देशों से अपने संबंधों को ध्यान में रखते हुए अपनी बात रख सकें। जानकारी के अनुसार, भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सात दलों में से तीन को ब्रीफ किया है। उन्होंने नेताओं को हमले के बारे में आधिकारिक भारतीय पक्ष की विस्तृत जानकारी दी है। नेताओं को भारत पर पहले भी हुए हमलों की एक विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई है जो पाकिस्तान स्थित आतंकियों ने अंजाम दिया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय पक्ष को यह भी बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच समझौता कराने की बात पाकिस्तान की पहल के बाद ही सामने आई थी। भारत ने मजबूती के साथ इस बात का खंडन किया है कि यह सीजफायर दोनों देशों के बीच का आंतरिक मामला था और इसके बीच में किसी तीसरे देश के द्वारा मध्यस्थता नहीं की गई है। भारत ने इस बात का भी खंडन किया है कि व्यापार बंद करने की धमकी देकर इस सीजफायर को अंजाम दिया गया है। जानकारी के अनुसार,

भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात को मजबूती से रखेगा कि उसका हमला आतंकियों के विरुद्ध था, और इसमें किसी सामान्य नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा है। भारतीय हमले में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के बेस कैंप को भी निशाना नहीं बनाया गया है। कुछ विदेशी मीडिया में इस बात की अटकलें लगाई जा रही थीं कि भारतीय हमलों के दौरान पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन भारत और पाकिस्तान दोनों ने ही इन अटकलों को खारिज किया है। भारत का आरोप रहा है कि पाकिस्तान वैश्विक समुदाय से मिली मानवीय आर्थिक मदद का आतंक को पालने-पोसने में इस्तेमाल करता रहा है। आईएमएफ के द्वारा पाकिस्तान को भारी भरकम मदद दिए जाने पर भी भारत ने कड़ा विरोध जताया था। भारत के विरोध के बाद आईएमएफ ने पाकिस्तान पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इस यात्रा के दौरान भारतीय नेताओं का दल अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस समस्या से भी अवगत कराएगा। देश में विदेश जाने वाले सात दलों में नेताओं को शामिल करने पर विवाद जारी है। कांग्रेस के बाद तृणमूल कांग्रेस ने भी मूल पार्टी से बातचीत किए बिना नेताओं का नाम फाइनल करने पर आपत्ति जताई थी। लेकिन आज हुई ब्रीफिंग में तृणमूल कांग्रेस नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी शामिल थे। इसके अलावा कांग्रेस नेता आनंद शर्मा, सलमान खर्शीद, एनसीपी नेता सुप्रिया सुले, आप नेता विक्रमजीत सिंह, कनिमोझी, एमजे अकबर जैसे बड़े नेता शामिल हैं। शशी थरूर इन दलों का नेतृत्व कर रहे हैं।

हिंसा का फायदा उठाते हैं राजनेता, लोग पीड़ित होते हैं: ममता बनर्जी

कोलकाता, 20 मई। मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हिंसा की घटनाएं लोगों को कष्ट पहुंचाती हैं लेकिन राजनेता इस स्थिति का फायदा उठाते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तमाम पोस्ट का उद्देश्य गलत सूचना

फैलाकर लोगों को बांटना और हिंसा भड़काना था। पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों तथा सिलीगुड़ी उपमंडल में कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग हिंसा में भाग लेते हैं, वे नहीं चाहते कि आम लोगों के लिए कुछ अच्छा हो। अगर दंगा होगा, तो तोड़फोड़ होगी, घर नष्ट हो जाएंगे और लोग मारे जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि कोई दंगा होता है, तो राजनेताओं को स्थिति का फायदा उठाने का मौका मिल जाता है। मैं कोई दंगा नहीं चाहती, मैं शांति और राहत चाहती हूं। मैं ताकत चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि लोग किसी भी तरह के डर से मुक्त हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर अधिकतर पोस्ट फर्जी होती हैं। जो लोग इन्हें पोस्ट करते हैं, वे केवल पैसा कमाने के लिए जहरीली मानसिकता के साथ ऐसा करते हैं। मैं उन लोगों का समर्थन करती हूं जो लोगों के लिए अच्छा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन लोगों का नहीं जो झूठ बोलकर और अफवाह फैलाकर मतभेद पैदा करने की दुर्भावनापूर्ण मंशा रखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मतभेदों की नहीं बल्कि एकता की पक्षधर हूं। उन्होंने लोगों से देश, समाज और शांति के लिए काम करने का आग्रह किया। पिछले महीने मुर्शिदाबाद जिले के कुछ हिस्सों में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। इसमें तीन लोग मारे गए थे। मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज, सुती, धुलियान और जंगीपुर जैसे इलाकों में दंगे हुए। कई लोग अपने घर छोड़कर पड़ोसी मालदा जिले के शिविरों में शरण ले चुके हैं। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गृह मंत्रालय को दंगों पर एक रिपोर्ट सौंपी। इसमें कहा गया कि कट्टरपंथ और उग्रवाद की दोहरी समस्या राज्य के लिए गंभीर चुनौती बन गई है।

रूसी कोरियोग्राफर यूरी ग्रिगोरोविच का निधन

एजेंसी
मॉस्को। रूसी कोरियोग्राफर यूरी ग्रिगोरोविच का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके सहायक अलेक्जेंडर कोलेसनिकोव ने रूसी संवाद एजेंसी स्पूतनिक को यह जानकारी दी। श्री कोलेसनिकोव ने कहा, डेढ़ घंटे पहले उत्कृष्ट सोवियत और रूसी कोरियोग्राफर यूरी ग्रिगोरोविच का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया। श्री कोलेसनिकोव ने कहा कि उनके अंतिम संस्कार और अंतिम विदाई की तारीख और जगह की घोषणा अलग से की जाएगी।

उड़ानों की बहाल करने के लिये कई देशों से बात हो रही है : रूस

मॉस्को। रूस की संघीय वायु परिवहन एजेंसी (रोसावियात्सिया) उड़ानों को बहाल करने के संबंध में कई देशों के विमानन अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। एजेंसी के प्रमुख दिमित्री याद्रोव ने हेलीरूसिया 2025 फोरम के दौरान संवाददाताओं को यह जानकारी दी। रूसी परिवहन मंत्रालय ने 14 मई को ब्रिक्स के परिवहन मंत्रियों की बैठक के बाद कहा कि रूस ब्रिक्स देशों के साथ हवाई यातायात का विस्तार करने और नये उड़ान मार्ग खोलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात के विकास पर विदेश मंत्रालय, परिवहन मंत्रालय और आर्थिक विकास मंत्रालय के साथ संयुक्त कार्य जारी है। हम कई देशों के विमानन अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। कई देश जिन्होंने उड़ानें निलंबित कर दी हैं, वे उन्हें फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई ऐसे देश हैं, जहां रूसी एयरलाइंस उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका के साथ परमाणु समझौता संभव है : ईरान

तेहरान। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका उसे भयभीत करने की प्रवृत्ति छोड़ दे तो दोनों देशों के बीच परमाणु समझौता संभव हो सकता है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी के साथ बैठक के दौरान कहा कि अगर अमेरिका ईरान को 'डराना' बंद कर दे तो ईरान अमेरिका के साथ समझौता कर सकता है। उन्होंने कहा, अमेरिका के साथ ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता संभव है, लेकिन इसके लिए एक बुनियादी शर्त आवश्यक है। अमेरिकी पक्ष को अपनी शर्तें थोपना और ईरान को डराना बंद करना चाहिए। हम किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग के आगे नहीं झुकेंगे।

राजा के पक्षधर नेताओं की प्रधानमंत्री को चेतावनी- हेलीकॉप्टर से भागने की तैयारी कर लें

काठमांडू। नेपाल में राजसंस्था की पुनर्बहाली को लेकर 29 मई से शुरू होने जा रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन से गणतंत्र को समाप्त करने का दावा करते हुए आरपीपी के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को हेलीकॉप्टर से भागने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस बार का अनिश्चितकालीन आंदोलन देश में राजसंस्था की पुनर्बहाली के बिना नहीं रुकने वाला है। राजशाही पक्षधर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि जब जनता सड़कों पर आएगी तो सत्ता पर बैठे लोगों को भागने का भी मौका नहीं मिलेगा। बांग्लादेश में शासन पर बैठे लोगों को जनता ने कैसे भगाया, इस बात की याद दिलाते हुए लिंगदेन ने कहा कि हालांकि, हम उस तरह का कुछ भी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ओली के स्वास्थ्य और उनकी उम्र को देखते हुए उन्हें हेलीकॉप्टर से भागने का मौका दिया जाएगा। लिंगदेन का कहना है कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण होगा, लेकिन अगर सरकार ने बल प्रयोग किया तो जनता के आक्रोश को वो संभाल नहीं पाएगी। आरपीपी के नेतृत्व में 29 मई से 40 से अधिक संगठनों ने अनिश्चितकालीन आंदोलन की घोषणा की है। नेपाल में 29 मई को ही गणतंत्र दिवस मनाया जाता है और आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने दावा किया है कि गणतंत्र दिवस के दिन से ही गणतंत्र को खत्म कर राजसंस्था पुनर्बहाली के लिए संघर्ष की शुरुआत की जा रही है।

नेपाल में वामपंथी दलों के बीच एकता कराने को चीन सक्रिय, पूर्व राष्ट्रपति को मिला बीजिंग दौरे का न्यौता

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में एक बार फिर से प्रमुख वामपंथी दलों के बीच एकता की चर्चा और बहस शुरू हुई है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और प्रमुख विपक्षी नेता माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड की पार्टी के बीच एकता कराने की मध्यस्थता के लिए चीन सक्रिय हो गया है। इसी बीच बीजिंग ने देश की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी को बीजिंग भ्रमण का न्यौता दिया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी यूएमएल से सक्रिय राजनीति में आने के लिए तैयार पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी को 24 मई से एक सप्ताह के चीन भ्रमण पर बीजिंग का न्यौता मिला है जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यूएमएल पार्टी के कुछ बड़े नेताओं के साथ बीजिंग जा रही विद्या भंडारी की वहां कई खास राजनीतिक मुलाकात होना तय है। चीन में नेपाल के राजदूत कृष्ण प्रसाद ओली ने पूर्व राष्ट्रपति भंडारी के चीन भ्रमण की पुष्टि की है। काठमांडू आए राजदूत ओली ने बताया कि कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के अंतरराष्ट्रीय विभाग की तरफ से निमंत्रण दिया गया है। उन्होंने कहा कि बीजिंग दौरे के समय चीन के विदेश मंत्री वांग यी से भी मुलाकात तय है।चीन की पहल पर और पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के प्रयास से पिछली बार हुई कम्युनिस्ट एकता को सुप्रीम कोर्ट ने अवैधानिक करार देते हुए खत्म कर दिया था। बाद में ओली और प्रचंड की व्यक्तिगत टकराव की वजह से वह नहीं हो पाया। चीन एक बार फिर से नेपाल के प्रमुख वामपंथी दलों खास कर ओली और प्रचंड की पार्टी के बीच एकता कराने के लिए सक्रिय हो गया है। इसी वजह से ओली की पार्टी से सक्रिय राजनीति में कदम रखने के लिए तैयार पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी को चीन बुलाकर एक बार फिर से दोनों प्रमुख वामपंथी दलों के बीच एकता कराने के अपने प्रयास में चीन ने भंडारी को बीजिंग बुलाया है।

जापानी कैबिनेट की स्वीकृति दर गिरकर 22 प्रतिशत पर पहुंची

एजेंसी
टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा की कैबिनेट की स्वीकृति रेटिंग 22 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। जापानी अखबार मेनिची ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इशिबा की कैबिनेट की स्वीकृति रेटिंग में अप्रैल से 02 प्रतिशत की गिरावट आई है। अप्रैल में स्वीकृति दर 22 प्रतिशत थी। वहीं मार्च में यह 23 प्रतिशत थी। अखबार के अनुसार 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सरकार में अविश्वास व्यक्त किया है। सैंतालीस प्रतिशत ने 'सरकारी उपायों के लिए आशा की कमी' का हवाला दिया, जबकि 34 प्रतिशत ने श्री इशिबा के 'नेतृत्व कौशल की कमी' को उनके संदेह के कारणों के रूप में इंगित किया। श्री इशिबा के समर्थकों में भी 49 प्रतिशत ने सरकार का समर्थन केवल इसलिए किया, क्योंकि उन्हें 'अन्य उम्मीदवारों या पार्टियों की कमी' दिखाई दी। मेनिची की रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में 46 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग के साथ श्री इशिबा के पदभार संभालने के बाद से जनता का समर्थन लगातार कम होता गया है। यह सर्वेक्षण 17-18 मई को 2,045 प्रतिभागियों के बीच फोन पर किया गया था। क्योडो न्यूज एजेंसी के सर्वेक्षण में शिगेरु इशिबा की सरकार की अनुमोदन रेटिंग 27.4 प्रतिशत के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई, जो अप्रैल से 5.2 अंक कम और मार्च के 27.6 फीसदी से कम है। अविश्वास 55.1 प्रतिशत रहा। योमिउरी अखबार ने 14 अप्रैल को बताया कि उसके अपने सर्वेक्षणों से पता चला है कि सरकार की रेटिंग लगातार तीसरे महीने रिकॉर्ड-निम्न 31 प्रतिशत पर अटकी हुई है। जापान में गर्मियों में उच्च सदन के चुनाव होंगे। सरकार के लिए समर्थन का निम्न स्तर इशिबा की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के परिणामों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन से छह लोगों की मौत, 14 घायल

एजेंसी
जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी पापुआ प्रांत में पांच और लोगों के शव बरामद होने के बाद अचानक आयी बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या छह हो गयी है, जबकि 14 लोग अभी भी लापता हैं। प्रांतीय तलाश एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख येफ्री सबरुद्दीन ने बताया कि कुछ शव सतह पर पाए गए, जबकि अन्य गुनुंग अरफाक रीजेंसी के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में लकड़ी और शाखाओं के ढेर के नीचे दबे हुए थे। उन्होंने कहा आज पांच शव मिले हैं। उन्हें एक अस्थायी चौकी पर ले जाया गया है। हमारा ध्यान अब 14 लापता लोगों की तलाश पर है। हम उन्हें खोजने की कोशिश करेंगे।÷ उन्होंने कहा कि शवों की बरामदगी के बाद तलाश और बचाव अभियान का अगला चरण आपदा स्थल से बहने वाली नदियों के निचले इलाकों में स्थानांतरित हो जाएगा। संभावना है कि पीड़ित नीचे की ओर बह गए होंगे। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण भूभाग के कारण यह अभियान मैन्युअल रूप से चलाया जा रहा है, जिससे भारी मशीनरी का उपयोग नहीं किया जा सकता। हालांकि, क्षेत्र में हो रही भारी बारिश के कारण खोज को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी अचानक बाढ़ या भूस्खलन का खतरा है, जिससे बचावकर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।मंगलवार को अभियान फिर से शुरू होने की उम्मीद है, लेकिन अगर मौसम की स्थिति में सुधार नहीं होता है तो इसमें फिर से देरी हो सकती है।

गौरतलब है कि गुरुवार रात भारी बारिश के बाद गुनुंग अरफाक रीजेंसी में अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ। क्षेत्र में खराब संचार पहुंच के कारण बचाव दलों को आपदा की सूचना देने में देरी हुई।

ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ के पानी में फंसे आठ लोगों को बचाया

एजेंसी
सिडनी। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स प्रांत में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में फंसे आठ लोगों को बचा लिया गया है।ऑस्ट्रेलिया के मौसम विभाग (बीओएम) ने सुबह सिडनी से 100 किलोमीटर दूर प्रांत के पांच क्षेत्रों में तेज बारिश और बाढ़ की चेतावनी जारी की। अगले 24 घंटों में 180 मिलीमीटर (मिमी) तक बारिश होने के आसार हैं, जिससे अचानक बाढ़ आने का खतरा बढ़ सकता है। सिडनी से 80 किलोमीटर उत्तर में स्थित छोटे से शहर वाइ में पिछले 24 घंटों में आज सुबह तक 120 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गयी है।राज्य आपातकालीन सेवा (एसईएस) ने रविवार को पूरे प्रांत में सहायता के लिए 346 कॉल सुनी गयी और उनका जवाब दिया। इनमें से 272 राज्य के उत्तर के क्षेत्र से आयी थीं। उन्होंने बताया कि आठ लोगों को बाढ़ के पानी में फंसे वाहनों से बचाया गया। उन्होंने बातया कि सभी आठ बचाव घटनाएं प्रांत में हुईं, जिनमें से एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीओएम ने बताया कि सिडनी में आज करीब 20 मिमी बारिश हो सकती है, जबकि मंगलवार से शुक्रवार के बीच कुल 100 मिमी तक बारिश होने का अनुमान है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक एंगस हाइन्स ने कहा कि लगातार तीन-चार दिन बारिश होने से उत्तर-पूर्वी प्रांत में बाढ़, सड़क बंद होने और घरों या व्यावसायिक स्थानों में पानी भरने के आसार हैं। वहीं, सिडनी सहित पूर्वी प्रांत के समुद्र तट के 500 किलोमीटर क्षेत्र से लोगों को दूर रहने की सलाह दी गई है।

यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता संरक्षणवाद के खिलाफ उदाहरण स्थापित करेगा : ऑस्ट्रेलियाई मंत्री

एजेंसी
कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता अन्य देशों के लिए संरक्षणवाद को अस्वीकार करने के लिए 'एक उदाहरण स्थापित करेगा।' एक वरिष्ठ ऑस्ट्रेलियाई मंत्री ने यह बात कही। ऑस्ट्रेलिया के व्यापार और पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल ने 'नाइन एंटरटेनमेंट' अखबार के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वह मंगलवार को अपने यूरोपीय संघ के समकक्ष, व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक से बात करेंगे और उन्हें मुक्त व्यापार वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए जल्द से जल्द ऑस्ट्रेलिया आमंत्रित करेंगे। श्री फैरेल ने कहा, 'यूरोप और ऑस्ट्रेलिया अन्य देशों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने की स्थिति में हैं, इसलिए यह संदेश जाता है कि संरक्षणवाद आगे बढ़ने का रास्ता नहीं है।' ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ ने 2018 में एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की, इससे पहले कि 2023 में वार्ता टूट जाए, जब दोनों पक्ष ऑस्ट्रेलियाई कृषि निर्यात के लिए यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच पर एक समझौते पर नहीं पहुंच सके।

यदि इजराइल ने ताजा आक्रमण जारी रखा तो उस पर प्रतिबंध लगा दिए जाएंगे -ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा

एजेंसी
लंदन। ब्रिटेन , फ्रांस और कनाडा ने धमकी दी है कि यदि इजरायल गाजा में अपने सैन्य अभियान जारी रखता है और मानवीय सहायता के प्रवेश को रोकता है तो उन पर लक्षित प्रतिबंध लगाए जाएंगे। सीएनएन के अनुसार तीनों देशों के नेताओं के एक संयुक्त बयान में कहा गया है, यदि इजरायल ने नए सिरे से सैन्य आक्रमण बंद नहीं किया और मानवीय सहायता पर अपने प्रतिबंधों को नहीं हटाया, तो हम जवाब में और ठोस कार्रवाई करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि उन कार्रवाइयों में लक्षित प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं। नेतन्याहू ने जवाब में नेताओं पर 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने वाले हमास के लड़ाकों को बहुत बड़ा इनाम देने और इस तरह के और अत्याचारों को आमंत्रित करने का आरोप लगाया। एक अलग संयुक्त बयान में, फ्रांस, जर्मनी, इटली और ब्रिटेन सहित 23 देशों के विदेश मंत्रियों और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने इजरायल से तुरंत गाजा में सहायता की ÷पूरी तरह से बहाली की अनुमति देने का आह्वान किया। उन्होंने इजरायल से संयुक्त राष्ट्र और मानवीय संगठनों को जीवन बचाने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करने में सक्षम बनाने की भी अपील की। जारी बयान में कहा गया, हालांकि हम सीमित सहायता के फिर से शुरू होने के संकेतों को स्वीकार करते हैं, लेकिन इजरायल ने दो महीने से अधिक समय तक गाजा में मानवीय सहायता को जाने से रोक दिया है। भोजन, दवाइयां और आवश्यक आपूर्ति समाप्त हो गई है। आबादी भुखमरी का सामना कर रही है। गाजा के लोगों को वह सहायता मिलनी चाहिए जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है।

नेतन्याहू ने जवाब में नेताओं पर 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने वाले हमास के लड़ाकों को बहुत बड़ा इनाम देने और इस तरह के और अत्याचारों को आमंत्रित करने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश की अभिनेत्री नुसरत फारिया के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ, हत्या के प्रयास के केस में ढाका अदालत ने दी जमानत

एजेंसी
ढाका।बांग्लादेश की मशहूर अभिनेत्री नुसरत फारिया के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया। उन्होंने जेल जाने के 24 घंटे बाद ढाका की अदालत ने आज सुबह जमानत प्रदान कर दी। 31 वर्षीय फारिया को हत्या के प्रयास के एक केस में हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, फारिया के वकील मोहम्मद इफ्तिखार हुसैन ने कहा है कि ढाका की एक अदालत ने आज सुबह अभिनेत्री को जुलाई विद्रोह से जुड़े हत्या के प्रयास के एक मामले में जमानत दे दी। वकील हुसैन ने बताया कि ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद मुस्तफिजुर रहमान ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। कल उन्हें इस मामले के सिलसिले में जेल भेज दिया गया। अदालत ने कल जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 22 मई की तारीख तय की थी, क्योंकि उनके वकील इफ्तिखार ने उनके यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत किए और कहा कि वह नौ जुलाई से 13 अगस्त के बीच कनाडा में थीं, जब ढाका के भटारा इलाके में अपराध हुआ था। अभिनेत्री की गिरफ्तारी की कलाकारों और सांस्कृतिक हस्तियों, खासकर जुलाई के विद्रोह के दौरान मुखर रहे लोगों ने व्यापक आलोचना की थी। अभिनेत्री को कल सुबह करीब 10:00 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच ढाका में मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में ले जाया गया, इससे एक दिन पहले उन्हें हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान में चढ़ने से पहले गिरफ्तार किया गया था। वह थाईलैंड जा रही थीं। पिछले साल 19 जुलाई को भटारा में विरोध प्रदर्शन के दौरान गोली लगने से घायल इनामुल हक ने इस साल 27 मार्च को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, 17 अभिनेता-अभिनेत्री और 265 अन्य के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया था। 29 अप्रैल को भटारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी ने अदालत के निर्देशानुसार इस पर प्राथमिकी दर्ज की थी। उल्लेखनीय है नुसरत फारिया का पूरा नाम नुसरत फारिया मजहर है। वह मॉडलिंग, गायन, टेलीविजन प्रस्तोता और रेडियो जॉकी के रूप में भी काम कर चुकी हैं। सोशल मीडिया पर नुसरत फारिया अकसर अपने लुक और पोस्ट की वजह से चर्चा में रहती हैं। दिलचस्प यह है कि नुसरत को 2023 की फिल्म 'मुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशन' में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भूमिका निभाने के बाद प्रसिद्धि मिली। यह फिल्म बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन पर आधारित थी।

कान्स रेड कार्पेट पर शर्मिला टैगोर की सादगी ने जीता दिल

एजेंसी
कान्स। कुछ दिन पहले फ्रांस में प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल का भव्य आगाज़ हुआ, जिसमें दुनियाभर से कई नामी हस्तियों ने शिरकत की। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर भी नजर आईं। रेड कार्पेट पर उनकी सादगी और गरिमा ने सभी का ध्यान खींचा। शर्मिला टैगोर ने ट्रेडिशनल रेशमी साड़ी पहनकर शुद्ध भारतीय अंदाज़ में शिरकत की, जिसे देख दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए। फैन्स खासतौर पर इस बात से प्रभावित हुए कि उन्होंने वेस्टर्न ड्रेस की बजाय एक साधारण और खूबसूरत साड़ी को प्राथमिकता दी। उनकी यह उपस्थिति भारतीय संस्कृति की खूबसूरती को ग्लोबल मंच पर बखूबी दर्शा रही थी। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 के रेड कार्पेट पर भारतीय सिनेमा की दो दिग्गज अभिनेत्रियों, शर्मिला टैगोर और सिमी गरेवाल ने अपनी अद्भुत उपस्थिति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। वे सत्यजीत रे की प्रतिष्ठित फिल्म अरण्येर दिन रात्रि की स्क्रीनिंग के अवसर पर वहां मौजूद थीं। यह फिल्म जाने-माने निर्देशक वेस एंडरसन द्वारा प्रस्तुत की गई, जो स्वयं सत्यजीत रे के प्रशंसक हैं। शर्मिला टैगोर ने पारंपरिक हरे रंग की साड़ी पहनी थी, उन्होंने अपने लुक को एक सुनहरे क्लच और नाजुक बालियों के साथ पूरा किया। उनकी सादगी और शाही अंदाज़ ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, सिमी गरेवाल सफेद रंग की एक आकर्षक पोशाक में नजर आईं। उन्होंने गुलाबी गाउन के ऊपर एक लंबा कोट पहना हुआ था और एक खूबसूरत हार से अपने लुक को सजाया। रेड कार्पेट पर इन दोनों अभिनेत्रियों की गरिमामयी उपस्थिति को देख कर प्रशंसकों और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने उनकी खूबसूरती, शालीनता और भारतीय सिनेमा की गरिमा की खूब सराहना की। शर्मिला टैगोर की बेटी सबा पटौदी ने फ्रेंच रिवेरा से अपनी मां के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने इन पलों को यादगार बताते हुए कैप्शन में लिखा, कान्स 2025, माँ और मैं... अविस्मरणीय क्षण।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने वेनेजुएला के प्रवासियों की संरक्षित स्थिति को रद्द करने की दी अनुमति

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन को हजारों वेनेजुएला प्रवासियों के लिए संरक्षित स्थिति को रद्द करने की अनुमति दी है। जिससे कई लोगों को निर्वासित किया जा सकता है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन के एक आपातकालीन अनुरोध को मंजूरी दे दी, जिससे अधिकारियों को पिछले बाईडेन प्रशासन के एक फैसले को पलटने की अनुमति मिल गई, जिसने लगभग 3लाख 50 हजार वेनेजुएला के लोगों को अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) सुरक्षा प्रदान की थी। टीपीएस अमेरिकी सरकार द्वारा एक पदनाम है

अल साल्वाडोर में राष्ट्रपति बुकेले की आलोचक वकील लोपेज गिरफ्तार

एजेंसी
सैन सैल्वाडोर। अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले की मुखर आलोचक और प्रमुख वकील रूथ एलोनोरा लोपेज को गिरफ्तार कर लिया गया। राष्ट्रपति नायब बुकेले के इशारे पर की गई गिरफ्तारी की अधिकार समूहों ने तीखी आलोचना की है। समूहों का कहना है कि यह देश में अधिनायकवाद की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने लोपेज पर राज्य के खजाने से धन की चोरी में सहयोग करने का आरोप जड़ा है। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, अल साल्वाडोर में अधिकारियों ने राष्ट्रपति नायब बुकेले की आलोचना करने वाली प्रमुख वकील रूथ एलोनोरा लोपेज गिरफ्तार किया है। अल साल्वाडोर के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने कहा कि अधिकार संगठन क्रिस्टोसल की भ्रष्टाचार विरोधी और न्याय इकाई की प्रमुख रूथ एलोनोरा लोपेज पर राज्य के खजाने से धन की चोरी में सहयोग करने का आरोप है। उनकी गिरफ्तारी छापेमारी के दौरान की गई जांच और एकत्रित जानकारी के आधार पर की गई। पीड़ित लोपेज की मां और उनके पति ने क्रिस्टोसल के नेताओं के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उसे कहां रखा गया है कि यह तक नहीं बताया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी उसके घर पर झूठे बहाने से आए और उसे बाहर निकालने के लिए एक यातायात दुर्घटना का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद उसे हिरासत में लिया गया और वारंट देखने की अनुमति तक नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि वह अभी भी अटॉर्नी जनरल कार्यालय के एक्स पर पोस्ट किए गए औपचारिक आरोपों के अलावा कुछ नहीं जानते हैं। क्रिस्टोसल में रणनीतिक मुकदमेबाजी के निदेशक अब्राहम एब्रेगो ने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि सरकार दमन करने और मानवाधिकारों का उल्लंघन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह तक नहीं बताया जा रहा कि वकील और विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लोपेज को कहां रखा गया है। लोपेज ने बुकेले सरकार की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की है। अपराध पर नकेल कसने के लिए चल रही आपातकालीन स्थिति के दौरान दमन की निंदा की है। लोपेज को 2024 में बीबीसी ने 100 प्रभावशाली और प्रेरक महिलाओं की सूची में शामिल किया था। वो 2009 और 2014 के बीच सुप्रीम इलेक्टोरल ट्रिब्यूनल के पूर्व अध्यक्ष यूजेनियो चिकास की सलाहकार थीं। चिकास को पिछले फरवरी में गिरफ्तार किए जाने के बाद मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2019 में पदभार ग्रहण करने के बाद से बुकेले ने देश में वर्षों से व्याप्त अपराध और गिरोह हिंसा को रोकने के लिए विवादास्पद उपाय लागू किए हैं। 2022 में सांसदों के समर्थन से उन्होंने आपातकाल घोषित किया था। यह उपाय 30 दिन तक चलने वाला था, लेकिन इसे दर्जनों बार बढ़ाया गया और आज भी जारी है। अधिकारियों के अनुसार, आपातकाल घोषित किए जाने के बाद से अब तक सुरक्षा बलों ने देश भर में लगभग 87,000 लोगों को गिरफ्तार किया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल सहित अंतरराष्ट्रीय समूहों ने संयुक्त बयान में लोपेज की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि अल साल्वाडोर में आपातकाल का इस्तेमाल न केवल गिरोह से संबंधित हिंसा को समाप्त करने के लिए किया गया है, बल्कि आलोचनात्मक आवाजों को चुप कराने के लिए भी किया गया है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'देश की जीत पर कुछ लोगों को दुर्भावना के गीत गाना पसंद', भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी का तृणमूल पर तंज

एजेंसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को विश्व स्तर पर बेनकाब करने के इरादे से गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से तृणमूल कांग्रेस सांसद यूसुफ पठान का नाम वापस लेने पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कुछ लोगों को देश की जीत पर दुर्भावना के गीत गाने की आदत हो गई है। मुख्तार अब्बास नकवी ने समाचार एजेंसी से कहा कि तृणमूल देश की जीत पर भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रही है। आज कश्मीर से कन्याकुमारी तक देशवासी सेना के पराक्रम को सलाम कर रहे हैं। भारत के लोगों को सेना और पीएम मोदी पर विश्वास है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। आज देश का यही मूड है। पाकिस्तान ऐसा देश है जहां आतंकवाद को बढ़ावा देने का काम किया जाता है। हमारी सेना ने आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर पाकिस्तान को जवाब दिया। पूरी दुनिया ने भारतीय सेना के पराक्रम को देखा है। हमारे यहां से सांसदों का प्रतिनिधिमंडल विदेश जाकर पाकिस्तान के आतंकवाद को बेनकाब करेगा। लेकिन, तृणमूल को इसमें भी राजनीति ही नजर आ रही है।

प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी पर मल्लिकार्जुन खड़गे बोले, 'भाजपा उन लोगों से डरती है, जो उन्हें पसंद नहीं'

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर टिप्पणी करने को लेकर गिरफ्तार किए गए अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के मामले में अब सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा से सवाल किया है। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी दिखाती है कि भाजपा किसी भी ऐसी राय से कितना डरती है, जो उन्हें पसंद नहीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों, नौकरशाहों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है। मैं किसी भी व्यक्ति के खिलाफ चरित्र हनन, बदनामी, ट्रोलिंग, उत्पीड़न, गैरकानूनी गिरफ्तारी और किसी भी व्यावसायिक संस्थान के खिलाफ तोड़फोड़ की निंदा करता हूं, चाहे यह कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हो या सरकारी मशीनरी के माध्यम से। अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी दिखाती है कि भाजपा किसी भी ऐसी राय से कितना डरती है, जो उन्हें पसंद नहीं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- भारत धर्मशाला नहीं : श्रीलंकाई तमिल की शरण याचिका खारिज, कहा- हर किसी को शरण नहीं दे सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में श्रीलंकाई तमिल नागरिक की शरण याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है जहां दुनियाभर से आए लोगों को शरण दी जाए। हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी के साथ संघर्ष कर रहे हैं, हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण देना संभव नहीं। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी याचिकाकर्ता की अपील खारिज करते हुए की। दरअसल, याचिकाकर्ता को 2015 में तमिलनाडु पुलिस की क्यू ब्रांच ने दो अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया था। आरोप था कि वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन लिट्टे से जुड़ा हुआ है। 2018 में निचली अदालत ने उसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम यानी क्क के तहत 10 साल की सजा सुनाई थी। 2022 में मद्रास हाईकोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर 7 साल कर दिया और आदेश दिया कि सजा पूरी होते ही उसे भारत छोड़ना होगा। साथ ही, निर्वासन तक उसे शरणार्थी शिविर में रखा जाएगा।

धानमंत्री 22 मई को बिजनौर के रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण का करेंगे उद्घाटन

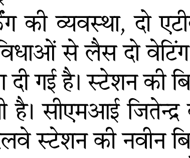

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को बिजनौर रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण का उद्घाटन वीडियो कांफ्रेंस के जरिए करेंगे। रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। भारत योजना के तहत स्टेशन बिजनौर का 22 मई को शुभारंभ किया जाएगा। स्टेशन पर पार्किंग की व्यवस्था, दो एटीवीएम मशीन, कैटरिंग स्टॉल की व्यवस्था, एसी सुविधाओं से लैस दो वेटिंग रूम, फुट ओवर ब्रिज व फ्लाइट लाइटों की सुविधा दी गई है। स्टेशन की बिल्डिंग भी शाम को रंग बिरंगी लाइटों से रोशन होती है। सीएमआई जितेन्द्र कुमार ने बताया कि 22 मई को पीएम नरेन्द्र मोदी रेलवे स्टेशन की नवीन बिल्डिंग का उदघाटन करेंगे। प्रधानमंत्री बिजनौर समेत 103 अमृत भारत स्टेशनों का ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे।

नया ओसीआई पोर्टल नागरिक-अनुकूल डिजिटल शासन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बेहतर कार्यक्षमता वाला नया ओसीआई पोर्टल नागरिक-अनुकूल डिजिटल शासन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह के एक पोस्ट को साझा करते हुए लिखा, 'उन्नत सुविधाओं और बेहतर कार्यक्षमता के साथ नया ओसीआई पोर्टल नागरिक अनुकूल डिजिटल शासन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।÷ अमित शाह ने भारतीय मूल के लोगों के पंजीकरण को सुगम बनाने के लिए यूजर इंटरफेस के साथ ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) के नए पोर्टल का शुभारंभ किया। यह शुभारंभ भारतीय प्रवासियों के लिए नागरिक सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है।

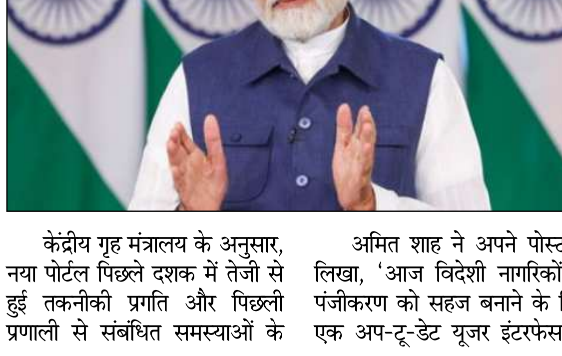

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, नया पोर्टल पिछले दशक में तेजी से हुई तकनीकी प्रगति और पिछली प्रणाली से संबंधित समस्याओं के संबंध में मौजूदा ओसीआई कार्डधारकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया है।

अमित शाह ने अपने पोस्ट में लिखा, 'आज विदेशी नागरिकों के पंजीकरण को सहज बनाने के लिए एक अप-टू-डेट यूजर इंटरफेस के साथ संशोधित ओसीआई पोर्टल लॉन्च किया गया। नई सुविधाओं में बेहतर कार्यक्षमता, बढ़ी हुई सुरक्षा और उपयोगकर्ता के अनुकूल अनुभव शामिल होंगे।'

ओसीआई योजना 2005 में शुरू की गई थी। इसमें भारतीय मूल के सभी व्यक्तियों (पीआईओ) को ओसीआई के रूप में पंजीकरण करने का प्रावधान है, जो 26 जनवरी 1950 या उसके बाद देश के नागरिक थे या 26 जनवरी 1950 को नागरिक बनने के योग्य थे या उनके वंशज थे। कोई भी व्यक्ति जिसके माता-पिता या दादा-दादी या परदादा-परदादी पाकिस्तान, बांग्लादेश या ऐसे किसी अन्य देश के नागरिक हैं या रहे हैं, वह ओसीआई कार्डधारक के रूप में पंजीकरण के लिए पात्र नहीं होगा।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से यूसुफ पठान का नाम वापस लेना दुर्भाग्यपूर्ण : केसी त्यागी

एजेंसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के इरादे से भारत की ओर से विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से तृणमूल सांसद यूसुफ पठान के नाम वापस लेने पर जेडीयू नेता के.सी. त्यागी ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। के.सी. त्यागी ने समाचार एजेंसी से कहा कि सांसदों का यह प्रतिनिधिमंडल पूरी दुनिया में पाकिस्तान की आतंकवादी सोच को एक्सपोज करेगा। इसमें राजनीति करना बिल्कुल गलत है। गृह मंत्रालय की ओर से देश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों की पहचान के लिए एक महीने की समयसीमा तय करने पर जेडीयू नेता ने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर यह बिल्कुल सही फैसला है। वर्तमान में इसकी जरूरत भी है। इसका उद्देश्य अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले लोगों को रोकना है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस की ओर से दिए नामों को स्वीकृति नहीं मिलने पर कांग्रेस के आरोपों पर उन्होंने कहा कि

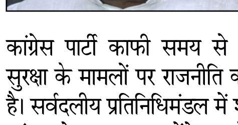

कांग्रेस पार्टी काफी समय से राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर राजनीति कर रही है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद देश का पक्ष रखेंगे। इसमें नाम नहीं, बल्कि विषय महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई की ओर से एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के सभी आयोजनों से हटने के फैसले की आशंकाओं के बीच के.सी. त्यागी ने कहा, बीसीसीआई को बिल्कुल ऐसे फैसले लेने चाहिए, मैं इसका स्वागत करूंगा। जब युद्ध, नफरत और बदले की भावना हो, तो खेल नहीं चल सकता।

सिंधु जल संधि रद्द कर पीएम मोदी ने ऐतिहासिक अन्याय समाप्त किया : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली के पूसा परिसर में आयोजित एक संवाद कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान और सिंधु जल संधि को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को रद्द कर एक ऐतिहासिक अन्याय समाप्त कर दिया है।शिवराज सिंह ने कहा कि पाकिस्तान यह सोच रहा था कि तुर्की और चीन के ड्रोन तथा मिसाइलों से भारत डर जाएगा, लेकिन भारतीय सेना ने उन्हें 'खिलौनों की तरह' मार गिराया। उन्होंने कहा, 'आज हमारे बच्चे पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन के मलबे से खेल रहे हैं।' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि सिर्फ तीन दिन में पाकिस्तान घुटनों पर आ गया। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि जब 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को

सौंप दिया और साथ में 83 करोड़ रुपए भी दिए थे, जो वर्तमान में करीब 5,500 करोड़ रुपए के बराबर है। उन्होंने कहा कि उस समय भारत के जल विशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं ने इस संधि का विरोध किया था। यहां तक कि अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संसद में इसका विरोध किया था, लेकिन नेहरू ने विशेषज्ञों की बातों को दरकिनार कर देश के हितों के खिलाफ फैसला लिया था। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने इस अन्याय को समाप्त किया है। अब यह पानी पाकिस्तान नहीं जाएगा, बल्कि हमारे देश के किसानों के लिए उपयोग में लाया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने किसानों से सीधे संवाद कर उन्हें भरोसा दिलाया कि अब भारत का पानी भारत के काम आएगा।

स्कूली बच्चों को इसी वर्ष से एआई शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करेंगे: धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से अपनी जगह बना रहा है। ऐसे में हम इसी वर्ष से देशभर के स्कूली बच्चों को एआई शिक्षा से जोड़ने का प्रयास शुरू करेंगे। उन्होंने देश के शिक्षाविदों से आग्रह किया कि वे? आयु-उपयुक्त, एआई-एम्बेडेड पाठ्य-पुस्तकें तैयार करें। उन्होंने कहा, हमें वृद्धिशील सुधार नहीं, बड़ी छलांग चाहिए। इसके लिए एआई/एमएल जैसी तकनीक को भारतीय भाषाओं से जोड़ना अनिवार्य है ताकि यह बल गुणक बने।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन के रंग भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 13 भारतीय भाषाओं में विकसित नई प्राइमर पुस्तक एवं विशेष मॉड्यूल्स का भी विमोचन किया। इन 13 भाषाओं में कश्मीरी (फारसी-अरबी लिपि), सिंधी (देवनागरी), सिंधी (फारसी-अरबी लिपि), कश्मीरी

(देवनागरी), बाल्टी, संथाली, ज़ेमे, उर्दू, संगतम, लाई (पावी), गोंडी-तेलुगु, भीली (वागड़ी) और चोक्रि शामिल हैं। इसके साथ कुल प्राइमर की संख्या अब 117 हो गई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज के कार्यक्रम को तमिलनाडु में पली-बढ़ी बिहार की जिया?कुमारी?को समर्पित किया। जिया ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा में तमिल भाषा में 93 अंक लाकर उन लोगों की आंखें खोल दीं, जो देश में भाषा के आधार पर विभाजन बोने का प्रयास करते है। ऐसे समय में जब भारत अपनी विरासत के साथ चहुंमुखी विकास की ओर बढ़ रहा है, यह आयोजन और भी प्रासंगिक हो जाता है।

भारत को विकसित राष्ट्र तथा दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कम-से-कम कक्षा 8 तक की शिक्षा मातृभाषा में करवाने की दिशा में तेज गति से प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में पढ़ाई हमारे बच्चों की प्रारम्भिक समझ को मजबूत बनाती है। आज जब बाजार की ताकतें भी भारतीय भाषाओं को मजबूत कर रही है। हमें अपनी भाषाओं के संवर्धन के लिए पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर सोचना होगा।

गृह मंत्रालय की नई पहल ई-जीरो एफआईआर से अपराधियों को पकड़ने में आएगी तेजी : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने अभूतपूर्व गति से अपराधियों को पकड़ने के लिए नई ई-जीरो एफआईआर पहल शुरू की है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया, यह नया सिस्टम, एनसीआरपी या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज साइबर वित्तीय अपराधों को स्वतः एफआईआर में परिवर्तित करेगा। शुरू में यह 10 लाख रुपए से ऊपर की सीमा के लिए होगा। नया सिस्टम जांच में तेजी लाएगा, जिससे साइबर अपराधियों पर सख्ती हो सकेगी, और जल्द ही इसका विस्तार पूरे देश में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार साइबर-सुरक्षित भारत बनाने के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को

मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'साइबर सुरक्षित भारत' के विजन को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्री ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की हाल की समीक्षा बैठक में साइबर वित्तीय अपराधों के पीड़ितों को गंवाए हुए धन को वापस हासिल करने में आने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए इस पहल को लागू करने के निर्देश दिए थे। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 ने साइबर वित्तीय अपराधों से संबंधित शिकायतों की आसान रिपोर्टिंग और त्वरित कार्रवाई को सक्षम बनाया है।

शुरू की गई नई प्रक्रिया में आई4सी के एनसीआरपी सिस्टम, दिल्ली पुलिस के ई-एफआईआर सिस्टम और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) का एकीकरण शामिल है। अब एनसीआरपी और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर 10 लाख रुपए से अधिक की वित्तीय हानि से संबंधित शिकायतें अपने-आप दिल्ली के ई-क्राइम पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर के रूप में दर्ज होंगी।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, कहा- 'सिंदूर' का सौदा होता रहा, लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक बार फिर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर केंद्र सरकार और विदेश मंत्री से सवाल किया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने खुद मीडिया एजेंसियों को बताया कि हमने हमला करने से पहले पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, युद्ध सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि राजनीति के रणनीतिकारों द्वारा भी लड़े जाते हैं। सेनाएं बहादुरी से सीमाओं पर अपना काम करती हैं, तो युद्ध में बहुत अहम भूमिका उन तो बूस्ट कर सकती है या सेना के पराक्रम को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा, हमारे नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने में मध्यस्थता की। ट्रंप ने एक बहुत खौफनाक बात यह भी बोली कि उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवाया यानी 'सिंदूर' का सौदा होता रहा, लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे। विदेश मंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा। हमें नहीं मालूम कि अमेरिका और चीन के पास पीएम मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर और भाजपा के नेताओं के ऐसे कौन से राज हैं, क्योंकि इनका कभी अमेरिका और चीन के आगे मुंह नहीं खुलता।

NAME CHANGE
for general information that I AJAY KUMAR SINGH S/O LAKSHMAN SINGH R/O 151, Motiwada, Choupal, Munirka, J, N, U, Vasant Vihar, South West Delhi, Delhi -110067 declare that name of my wife has been wrongly written as PUJA DEVI in my minor son RITIK RAJ aged 07 year in his School record Tha actual name of my wife is POOJA KUMARI respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, No-6494074K Rank-HAV Name-SHYAM BAHADUR SINGH Presently residing at VPO-PIPERSANDI, PS-BELGHAT, BLOCK-BELGHAT, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273404 have changed my mother's name from INDU SINGH to INDUMATI RAMABACHAN SINGH for all future purposes. Vide affidavit dated 19.05.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUMEDHA SURI alias SUMEDHA CHADHA Wife of Shri TARUN CHADHA residing at H NO-23/4, CHADHA BHAWAN, 3RD FLOOR, OPPOSITE SHAKTI MANDIR, SHAKTI NAGAR, MALKA GANJ, DELHI-110007 have changed my name and shall hereafter be known as SUMEDHA CHADHA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KARAN WANGNOO S/O LATE SH. HIRA LAL WANGNOO residing at House No. 1034, Ward No. 12, Gali No 3A, Dayanand Nagar, Bahadurgarh, Distt -Jhajjar, Haryana-124507, declare that my name wrongly written as RAHUL WANGNOO in my J&K migrant Identity Card. Registration No. 14135. My actual name is KARAN WANGNOO which amended accordingly

NAME CHANGE
I, hitherto known as ARCHANA SINGH alias ARCHANA SINGH PANWAR W/O RAJENDER KUMAR R/O FLAT NO-242, TOWER-2,, NAVAL TECHNICAL OFFICERS CGHS LTD, SECTOR-22, PLOT 3A, DWARKA SECTOR-22, RAJ NAGAR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 have changed my name and shall hereafter be known as ARCHANA SINGH PANWAR.

NAME CHANGE
I, No-6494074K Rank-HAV Name-SHYAM BAHADUR SINGH Presently residing at VPO-PIPERSANDI, PS-BELGHAT, BLOCK-BELGHAT, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273404,have changed my father's name from RAM BACHAN SINGH to RAMABACHAN VIJAYABAHADUR SINGH for all future purposes. Vide affidavit dated 19.05.2025 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, JC-674956H Rank-SUB Name-BINOD KUMAR Presently residing at VPO-SHANKARPUR, TEH+DIST-MUNGER, BIHAR-811202, have changed my father's name from RAMJI YADAV to RAMJI PRASAD YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 20/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MAHENDRI W/o Sh. Ramesh Chand R/o village Dadha, Kasna, Distt. Gautam Budhnagar, U.P. 201310, have changed my name from MEHENDRI DEVI to Mahendri for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SEEMA W/O SHESH NATH PRASAD resident of FLAT NO-O-101, 1ST FLOOR, AMARPALI SAPPHIRE-II, SECTOR-45, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name to SEEMA PRASAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHANKAR LAL S/O MAHESH LAL resident of A-91 THIRD FLOOR L CORNER FLAT NO-D-2 DUGGAL COLONY KHANPUR PUSHPA BHAWAN DELHI-110062 have changed my name to SHANKAR KUKREJA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KIRPAL KUMAR S/O HARI LAL resident of B 119 2ND FLOOR AHUJA APARTMENT DUGGAL COLONY KHANPUR PUSHPA BHAWAN DELHI-110062 have changed my name to KIRPAL KUKREJA for all future purpose.

NAME CHANGE
I , Pramod Kumar S/O: Ram Puri, R/O 3/30 3rd Floor, Balraj Khanna Marg, East Patel Nagar Main Market, East Patel Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi-110008,have changed the name of my minor daughter namely Ridhi 15 years and she shall hereafter be known as Shreya Saini.

NAME CHANGE
I, Tulsi alias Tulsi Goel D/o Ashok Kumar W/o Varun Mittal, Resident of H.N-Indergadhi Part-1, Police Station-Masoori (Part), Tahshil-Ghaziabad, District-Ghaziabad, Uttar Pradesh-245304, have changed my name and shall hereafter be known as Tulsi Goel.

सार्वजनिक सूचना
मैं, संगीता पत्नी JC–770868K, सूबेदार कौशल किशोर, निवासी –ग्राम –बल्थी , पोस्ट–बल्थी मुशहरी , तहसील –मुजफ्फरपुर , जिला –मुजफ्फरपुर , बिहार –843118, मैं अपना नाम संगीता से कुमारी संगीता करवाना चाहती हूँ जो मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में है। भविष्य में मुझे कुमारी संगीता के नाम से जाना जाये, मैं यह शपथपत्र दिनांक 13/02/2025 द्वारा एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट , मुजफ्फरपुर , बिहार से सत्यापित करती हूँ।

NAME CHANGE
I, KAJAL W/O RAHUL R/O HOUSE NO-349, NAVI KAREEM-1, HAPUR, UTTAR PRADESH-245101 have changed the name of my minor son PRTHI aged 09 years and he shall hereafter be known as AARAV.

NAME CHANGE
I, UBAIDULLAH S/O MOHD IRFAN residing at U.147 GALI NO-2, ARVIND NAGAR SEELAMPUR, NEAR KHADDEY WALI MASJID, North East Delhi, 110053 have changed my name to UBEDULLAH for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MANAN MAHTO S/o RAM IKBAL MAHTO, R/o RZ-460/407, Gali No. 15, Shiv Puri, West Sagarpur, Sagarpur, South West Delhi, Delhi-110046, declare that name of mine and my minor son have been wrongly written as MANAN MEHTO and DEEPAK MEHTO in my minor son namely DEEPAK MAHTO aged 17 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my minor son are MANAN MAHTO and DEEPAK MAHTO respectively, which may be amended accordingly.

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता/ नई दिल्ली के अंतर्गत वरिष्ठ खण्ड अभियंता/कार्य/नई दिल्ली स्टेशन के अनुभाग में सर्विस बिल्डिंग, स्टेशन भवन नई दिल्ली और अन्य संरचना यानी एमएसआरआर, टीटीआरएच, सीपीडी सिक लाइन शेड, लोको शेड आदि की मरम्मत के लिए 30.06.2026 को समाप्त अवधि के लिए वार्षिक जोन कार्य।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs. 98,99,180.34 (रुपये अट्ठानबे लाख निन्यानवे हजार एक सौ अस्सी और चौंतीस पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	Rs. 1,98,000/- (रुपये एक लाख अट्ठानबे हजार मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	13.06.2025 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04–410–32

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। सं.: 128–W/280/इ–निविदा सूचना/05–2025–26/W-3 दिनांक : 19.05.2025 1472/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद फरमान @ चांद मोहम्मद, पुत्रः मोहम्मद यामीन, निवासीः मकान नं. सी–45, कुम्हारों वाली गली, शहीद नगर, गाज़ियाबाद, उ.प्र.** ने **FIR No. 312/2020, U/s 356/379/411/34 IPC, पुलिस थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद फरमान @ चांद मोहम्मद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद फरमान @ चांद मोहम्मद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अभियुक्त **मोहम्मद फरमान @ चांद मोहम्मद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री संघमित्रा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
द्वितीय तल, कमरा नं. 54,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6163/SHD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कमल** पुत्र इंद्रपाल निवासी ए–31, गली नं. 9, गुर्जर चौक, कंचन पार्क, थाना लोनी, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) ने ई–प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 033408/2021 धारा 411/482/34 भा.द.स. थाना सिविल लाइंस, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कमल** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कमल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 BNSS की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि ई–प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 033408/2021 धारा 411/482/34 भा.द.स. थाना सिविल लाइंस, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **कमल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **27.06.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री गौरव गोयल,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06 (केन्द्रीय),
कमरा नं. 247,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6194/N/2025

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RADHIKA SHRIVASTAVA W/O VIJENDER SRIVASTAVA R/O WZ-542, BEECHKIAL, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI-110045 declare that name of mine has been wrongly written as RADHA KISHAN in my ration card No. 077004139380. The actual name of mine is RADHIKA SHRIVASTAVA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Smt. Sarla Goel** is the owner of Entire Ground floor & First Floor with entire roof of third floor with further roof right upto sky "said floors" built on property no. B-45 area measuring 200 sq. yds. situated in the layout plan of the Delhi State Govt. Employees' Cooperative House Building Society Ltd., colony known as "C.C. Colony", Delhi-110007 through Gift Deed dated 08.08.2012 as doc. No. 9446 executed by Smt. Saraswati Devi in favour of Smt. Sarla Goel in respect of the said floors. The above-said owner has misplaced the **(1) Original** Sale Deed dated 03.04.1963 as doc. No. 4206 executed by Delhi State Govt. Employees' Cooperative House Building Society Ltd. in favour of Sh. Mahinder Parshad Jain in respect of the said property., **(2) Original** Sale Deed dated 30.09.1965 as doc. No. 12105 executed by Sh. Mahinder Parshad Jain in favour of Smt. Phool Kaur in respect of plot no. 45 area measuring 200 sq. yds., **(3) Original** Sale Deed dated 14.05.1968 as doc. No. 3080 executed by Smt. Phool Kaur in favour of Smt. Saraswati Devi in respect of the said property. Application No.- **2851314/2025**, registered at P.S. Crime Branch, Delhi on 20.05.2025. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of ICICI Bank Ltd./ ICICI Home Finance Co. Ltd., Rohini. **Smt. Sarla Goel** is in the process of mortgaging the said floors with **ICICI Bank Ltd./ ICICI Home Finance Co. Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE
I, DEEPA SINGH Mother of No. 15750622W Rank-HAV Name-MAHENDRA SINGH residing at VILL-GARAKHET, PO-MATELA, TEHSIL-SALT, DISTT-ALMORA, UTTARAKHAND-263665, have changed my name from DEEPA SINGH to DEEPA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 20/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KAMLESH THAKUR Mother of JC-770868K, SUB KAUSHAL KISHOR residing at VILL-BALTHI, PO-BALTHI MUSHAHARI, TEHSIL-MUZAFFARPUR, DISTT-MUZAFFARPUR, BIHAR-843118, have changed my name from KAMLESH THAKUR to KAMLESH DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 20/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is general information that I, SHABINA W/o MOHAMMAD ARSHAD, R/o 3071-73, 4th Floor, Gali Pratap, Golcha Cinema Parking, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi-110002, declare that name of my husband has been wrongly written as MOHAMMED ARSHAD in my minor son SYED FARAZ ARSHAD aged 15 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of my husband is MOHAMMAD ARSHAD, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No-13628566F Rank-NK Name-M SARAVANAN S/o C MARIYAPPAN residing at W-33/5A/1, NEW COLONY STREET 2, VPO-BODINAYAKANUR, DISTT-THENI, TAMIL NADU-625513, have change my name from M SARAVANAN to SARAVANAN M for all future purposes vide Affidavit dated 20/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PROMILLA DEVI Wife of No. 2889653F Rank EX-NK Name-ANIL KUMAR Residing at VILL-DOHKI, PO-KITLANA, TEHSIL & DIST-CHARKHI DADRI, HARYANA-127309, have changed my name from PROMILLA DEVI to PARMILA DEVI for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 17/08/1982 instead of my correct date of birth as 26/10/1982 vide Affidavit dated 16/05/2025 before Notary Public, Delhi.

इनेलो ने गुरुग्राम जोन के 31 हलका अध्यक्ष और एक जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की

चंडीगढ। संगठन का विस्तार करते हुए इनेलो पार्टी ने गुरुग्राम जोन के 31 हलका अध्यक्ष और झज्जर का जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की।सतपाल पहलवान को झज्जर का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। हलका अध्यक्षों की सूची - रमेश शिलानी को बादली, बलराज खरड़ को बेरी, राजेंद्र उर्फ़ पप्पू कानोदा को बहादुरगढ़, निदेश कुमार को रोहतक, जयसिंह शिमली को कलानोर, वेदप्रकाश को महम, सतीश नांदल को किलोई, वरुण गांधी को रेवाड़ी, सुमेर सरपंच को बावल, कुलदीप यादव को कोसली, नरेंद्र सैनी को गुरुग्राम, अटलवीर कटारिया को बादशाहपुर, चरण सिंह डागर को सोहना, राजसिंह पपली सरपंच को पटौदी, प्रदीप दहिया को राई, बलवान दहिया नंबरदार को खरखोदा, बिट्टू मास्टर को सोनीपत, बिजेंद्र शेखपुरा को गन्नौर, गोपाल जाजी को गोहाना, सुरेंद्र सिरसाढ को बरोदा, इब्राहिम पहलवान को नुंह, असरु को पुनहाना, इक़बाल को फिरोजपुर झिरका, बलदेव देशवाल को पलवल, कमलजीत को होडल, वेद सहरावत पहलवान को हथीन, मुकेश सैनी को फरीदाबाद ओल्ड, सुरेश वर्मा को बल्लभगढ़, ओमदत्त तंवर को तिगांव, कुलदीप सिंह को एनआईटी, संजय तंवर को पिरथला का हलका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने नागरिकों की शिकायतें सुनकर दिया शीघ्र समाधान का भरोसा

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने सोमवार को कार्यालय में नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सीधे तौर पर सुनीं। विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने सडक, जल निकासी, सीवर जाम, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण जैसे मुद्दों को निगमायुक्त के समक्ष रखा। निगमायुक्त ने प्रत्येक नागरिक की बात को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए और भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं का समाधान निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम जनता की सेवा के लिए है। नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल करना हमारी जिम्मेदारी है। हर शिकायत को ट्रैक किया जाएगा और संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायत निवारण प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी बनाया जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतकर्ता को समाधान की सूचना भी दी जाए।

ड्रिंक एंड ड्राइव करने वाली 40 महिला सहित 1620 वाहन चालकों के किए चालान

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा व पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश मोहन के निर्देशानुसार यातायात पुलिस द्वारा एक अप्रैल से 19 मई तक विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रिंक एंड ड्राईव) वाले वाहन चालकों के नियमानुसार चालान किए गए। इस अभियान को सफल बनाने के लिए यातायात पुलिस उपायुक्त डॉ राजेश मोहन ढ्वक्कस् के द्वारा यातायात पुलिस की विभिन्न पुलिस टीमों का गठन करके उनको चिन्हित स्थानों पर विशेष आदेश/निर्देश देकर तैनात की गई जिसमें पुलिस टीमों द्वारा नाका लगाकर चैकिंग करते हुए 40 महिला वाहन चालक सहित कुल 1620 वाहन चालक ड्रिंक एंड ड्राईव करते हुए मिले और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उनके चालान किए गए, इस दौरान 2 वाहनों को इंपाउंड भी किया गया। यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का उद्देश्य ड्रिंक एंड ड्राईव करने वाले वाहन चालकों पर नकेल कसना तथा यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित कराते हुए यातायात का संचालन व्यवस्थित तथा सुरक्षित करना है। गुरुग्राम पुलिस आप सभी से अपील करती है कि यातायात के सभी नियमों की पालना करें व किसी भी प्रकार का नशा करके वाहन ना चलाए। गुरुग्राम पुलिस द्वारा समय-समय पर रात के समय विशेष नाके लगाकर वाहनों को चैक किया जाता है और शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालको/मालिकों के नियमानुसार चालान किए जाते है। गुरुग्राम पुलिस के द्वारा इस प्रकार के चालान अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

तावडू में पाकिस्तान का जासूस मिलने से क्षेत्र में खलबली, मामला दर्ज

तावडू। उपमंडल के गांव कांगरका में पाकिस्तानी जासूस मिलने से क्षेत्र में खलबली मच गई। बताया जा रहा है कि यह जासूस 3-4 बार पाकिस्तान अपने परिवार के साथ होकर आया। यह जासूस पाकिस्तान को भारत की सिम उपलब्ध कराता था। हरियाणा में इस नेटवर्क की यह 7 वीं गिरफ्तारी दो पाकिस्तानी दूतावास सहित 3 के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है। हरियाणा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में एक और गिरफ्तारी से हडक़ंप मच गया। दो दिन के अंदर यह दूसरी गिरफ्तारी है। पाकिस्तानी जासूसी की यह इस नेटवर्क में सातवीं गिरफ्तारी है। उपमंडल के गांव कांगरका से पाकिस्तान के दूतावास सहित 3 के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है। पकड़े गए आरोपी से एक फोन भी बरामद किया है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923 और देशद्रोह की धाराओं के तहत मोहम्मद तारीफ पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात पाकिस्तानी नागरिक आसिफ बलोच और जाफर के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

गुढ़ान गांव के कच्चे रास्ते को पक्का करने में अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध करें कार्रवाई : कृष्ण लाल पंवार

रास्ता पक्का करने वाले ठेकेदार पर लगाया जाए जुर्माना

● एजेंडे में शामिल 13 शिकायतों में से 11 शिकायतों का किया मौके पर निपटारा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के विकास एवं पंचायत, खनन एवं भूविज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि गुढान गांव में खेतों के कच्चे रास्ते को पक्का करने के कार्य में बरती गई अनियमितता के दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा संबंधित ठेकेदार पर जुर्माना लगाया जाए। उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार को इस कार्य को सही ढंग से पूर्ण करवाने को कहा। कृष्ण लाल पंवार स्थानीय जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए के सभागार में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक के एजेंडे में 13 शिकायतें शामिल थी, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर निपटारा कर दिया गया। विकास एवं पंचायत मंत्री ने गुढान गांव में खेतों के कच्चे रास्ते को पक्का करने में बरती गई अनियमितता से संबंधित शिकायत की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने ओमेक्स सिटी से संबंधित शिकायत की सुनवाई करते हुए निर्देश दिए कि ओमेक्स सिटी द्वारा एक माह की अवधि के दौरान बैंक गारंटी की 5 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि को जमा करवाया जाए ताकि आगामी कार्रवाई की जा सके। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि मासिक बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने

वाले विभागाध्यक्षों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाए। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष स्वयं इस बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित करें और यदि किसी कारणवश वे अनुपस्थित रहते है तो इसकी पूर्व सूचना दें। उन्होंने रिठाल नरवाल ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा दी गई शिकायत की सुनवाई करते हुए जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव की फिरनी पर अवैध रूप से बनाए गए शेष 14 मकानों को हटाए तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

फिरनी से 17 अवैध मकान हटाए जा चुके है। उन्होंने माडौधी रागड़ान निवासी होशियार सिंह की शिकायत की सुनवाई करते हुए कलानौर के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि वे प्रजापत चौपाल के पीछे गली पर किए गए सभी अवैध कब्जों को हटवाकर गली को खुलवाए। कृष्ण लाल पंवार ने गांव खेड़ी साध निवासी देवेंद्र सिंह की शिकायत की सुनवाई करते हुए कहा कि नागरिकों को शुद्ध व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद से कहा कि वे अपनी निगरानी में जनस्वास्थ्य विभाग के पेयजल पाइपलाइन की लीकेज को शीघ्र ठीक करवाए। उन्होंने स्थानीय कमल कॉलोनी निवासी छोटू राम शर्मा की प्रॉपर्टी आईडी में रकबा ठीक करवाने की शिकायत की सुनवाई करते हुए नगर निगम के अधिकारियों को शीघ्र रकबा दुरुस्त करवाने को कहा। खनन एवं भूविज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने हिसार जिला के गांव बड़छपर निवासी राजकुमार यादव की शिकायत के संदर्भ में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में उपमंडलाधीश, जिला नगर योजनाकार तथा नगर निगम के कार्यकारी अभियंता की चार सदस्यीय कमेटी गठित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने विशाल नगर निवासी महेंद्र सिंह की शिकायत की सुनवाई करते हुए तहसीलदार को छह माह में शिकायतकर्ता की तकसीम का कार्य पूर्ण करने को कहा। उन्होंने स्थानीय पारस मोहल्ला, बड़ा बाजार निवासीगण की गली से अतिक्रमण हटवाने की शिकायत के संदर्भ में नगर निगम के आयुक्त को एक सप्ताह में रिकॉर्ड अनुसार कार्रवाई करवाने को कहा।

आरएसएस में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी है : मंत्री अनिल विज

भारत ने जो सफलता प्राप्त की है वो सभी को हजम नहीं हो रही : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला।हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद से हरियाणा महिला यूट्यूबर व जासूसों के पकड़े जाने को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार अंदर बाहर सब जगह निगाह रखे हुए है, जो लोग देश में रह के पाकिस्तान की मदद कर रहे है वो बहुत घातक है, उनको पकड़कर उनके अंजाम तक पहुंचाना बहुत जरूरी है। हर मोर्चे पर सरकार काम कर रही है चाहे बॉर्डर हो या फिर देश के अंदर क्यों न हो।

आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इस वक्त हर सच्चे हिन्दुस्तानी का ये धर्म और कर्म बनता है कि इस सफलता के लिए जो देश की रक्षा के लिए गोलियों के आगे खड़े रहे हम उनका हौंसला बढ़ाए व उन्हें सम्मान दें। यदि कोई उसके विरुद्ध काम करता है तो वह देश का गद्दार है। गद्दारों के खिलाफ जो कार्रवाई होनी चाहिए वह हमारी सरकार कर रही है।

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी को पाकिस्तान में गोलियों से भून दिया गया है जिसे लेकर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि युद्ध के महानायक पीएम मोदी ने हर मोर्चे पर

कहा कि आतंकवादियों को घर में घुस कर मारेंगे। पाकिस्तान के जो नौ मुख्य अड्डे थे उन्हें खत्म किया गया है और बाकि को भी हिंदुस्तान छोड़ेगा नहीं। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अभी युद्ध खत्म नहीं हुआ, अभी सिर्फ सीजफायर हुआ है। युद्ध समाप्त करने के लिए जो होगा वो किया जाएगा, लेकिन पाकिस्तान में चल रही उग्रवाद एजेंसी को खत्म करके रहेंगे। वहीं, पाकिस्तान में अब आतंकी हाफिज सईद की रिहाई की मांग की जा रही है जिसे लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल विज बोले कि पाकिस्तान में जो उग्रवादी है वो वहां की सरकार और लोगों के चाहते है इस लिए उनकी रिहाई की मांग की जाएगी लेकिन भारत जो उनके साथ करेगा उसे छोड़ेंगे नहीं।

भारत का एक प्रतिनिधिमंडल विदेशों में जाकर पाकिस्तान में आतंकियों का खुलासा करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कैबिनेट मंत्री विज बोले कि ये बहुत अच्छा प्रयास है। बाहर के देशों में जाकर सारी स्थिति को बताना और हिन्दुस्तान के पराक्रम के बारे में बताना। उन्होंने कहा कि यह जो युद्ध हुआ है वो टेक्नोलॉजी का युद्ध है, हमारी इंटेलिजेंस एजेंसी ने ठीक निशाने को आइडेंटिफाई किया जिसके बाद सेनाओं ने सटीकता से वार किए।

आरएसएस में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी है - मंत्री अनिल विज

सांसद असदुद्दीन ओवैसी के बयान कि आरएसएस और मुसलमान समुंदर के दो किनारे है जो कभी नहीं मिल सकते पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ओवैसी का उन्हें मालूम नहीं, मगर आरएसएस को वह जानते हैं। आरएसएस में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी है। जब कोई आरएसएस शाखा में जाता है तो वहां केवल देशभक्ति के गीत गाय जाते हैं। लोगों में देशभक्ति की भावना सर्वोपरि रहे इसकी कोशिश की जाती है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश के बयान कि ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण किया जा रहा है के प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत ने जो सफलता प्राप्त की है यह सभी को हजम नहीं हो रही है। इसीलिए इस प्रकार की बातें कर रहे हैं।

कहीं पर भी इसका राजनीतिकरण नहीं किया जा रहा। कल हमने अम्बाला छावनी में तिरंगा यात्रा निकाली और कहीं पर भाजपा का नाम इस्तेमाल नहीं किया गया। यात्रा में विधायक की तरफ से सभी को उन्होंने निमंत्रण दिया। हर वर्ग के लोग यात्रा में आए, स्कूल-कॉलेज के बच्चे व अध्यापक आए। सभी के दिलों में केवल राष्ट्रभक्ति का जज्बा था। जयराम रमेश को हर समय राजनीति ही नजर आती है।

नारनौंद में फास्ट फूड रेस्टोरेंट में मर्डर, 22 वर्षीय युवक पर ताबड़तोड़ सुओं से वार

● अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा

एजेंसी

हिसार। जिले के नारनौंद शहर में एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट पर हुए झगड़े में एक युवक की मौत हो गई। रविवार रात साढ़े दस बजे नए बस स्टैंड के सामने स्थित रॉयल होटल पर कुछ युवकों ने राजपुरा निवासी 22 वर्षीय अंकित पर सुओं से हमला कर दिया। नारनौंद थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुछ देर बाद पुलिस परिजनों के बयान दर्ज करेगी। उसके बाद युवक के शव का हिसार के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। गंभीर रूप से घायल अंकित को हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हांसी रोड पर जगह-जगह खून के धब्बे मिले हैं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि पीड़ित ने आरोपियों से बचने का प्रयास किया।घटना की सूचना मिलते ही नारनौंद पुलिस मौके पर पहुंची। सीन ऑफ क्राइम की टीम ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मामले की गहन जांच जारी है।

समाधान शिविर में आने वाली हर शिकायत की जांच कर अधिकारी मौके पर ही करें समाधानः डीसी

एजेंसी

नारनौल। समाधान शिविर में आने वाली हर शिकायत की गहनता से जांच कर अधिकारी मौके पर ही समाधान करें। यह निर्देश उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते हुए अधिकारियों को दिए। समाधान शिविर में कुल 88 शिकायतें आई।

डीसी ने कहा कि यह समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार तथा वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक सभी उपमंडल तथा जिला स्तर पर लगाए जा रहे हैं। कोई भी नागरिक इन समाधान शिविरों में अपनी समस्याएं रख सकता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार को समीक्षा बैठक भी की जाती है जिसमें हर सप्ताह मिली शिकायतों के निपटान के बारे में जानकारी ली जाती है। शिविर में अब तक बिजली, पानी, पेंशन, भूमि रिकॉर्ड, सामाजिक सुरक्षा और अन्य विभागों से जुड़ी अनेक समस्याओं का समाधान किया जा चुका है।

जनता की बुनियादी समस्याओं से मुंह मोड़ रही है भाजपा सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा लोकसभा क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास के नाम पर केवल भाषणबाजी और जुमलेबाजी कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा शहर की कई कलोनियों में बीते बीस दिनों से सीवरेज ओवरफ्लो की स्थिति बनी हुई है। सड़को पर गंदा पानी भरा हुआ है और लगभग बीस हजार नागरिक गंदगी, बदबू और बीमारियों के बीच जीवन जीने को मजबूर हैं। प्रशासन की निष्क्रियता ने आम जन जीवन को नरकीय बना दिया है।उन्होंने यह भी कहा कि सिरसा नागरिक अस्पताल में एक्स-रे मशीनें खराब पड़ी हैं, जिससे रोजाना सैकड़ों मरीजों को निजी और महंगी जांच सेवाओं का सहारा लेना पड़ रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं की इस बदहाली ने सरकार के स्वास्थ्य का अधिकार जैसे दावों की सच्चाई सामने ला दी है। कैनाल कॉलोनी की गलियों में नाले का पानी महीनों से जमा है, क्योंकि गली का स्तर नीचे है। इस कारण पूरे क्षेत्र में मच्छर जनित बीमारियां फैल चुकी हैं और हर घर इसकी चपेट में है। यह स्थिति स्वच्छ भारत अभियान की हकीकत उजागर करती है। इसके अतिरिक्त डबवाली के चौटाला गांव में छह महीने पहले सड़क खुदी थी जो अब तक पूरी नहीं की गई। धूल, कीचड़ और असुविधा से परेशान लोग और व्यापारी प्रशासनिक उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की कि इन सभी समस्याओं का त्वरित और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि जनता को राहत मिल सके। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई।

रक्तदान जीवनदायी कार्य के साथ-साथ देश सेवा का भी माध्यम : मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली सोनीपत के फ़रमाना और क़वाली गांव में आयोजित आर्मी ब्लड डोनेशन कैम्प और फ्री स्वास्थ्य जांच शिविर में पहुंचे। यहां उन्होंने युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान न केवल एक जीवनदायी कार्य है, बल्कि यह देश सेवा का भी एक माध्यम है, विशेषकर तब जब यह हमारी सेना के लिए किया जाए। इस अवसर पर विधायक पवन खरखोदा, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर गुरु माँ अंजनी देवा नंदगिरी महाराज एवं गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह के कैम्प में हिस्सा लें और स्वेच्छा से रक्तदान कर अपने कर्तव्य का परिचय दे। श्री बड़ौली ने युवाओं को नशे से दूर रहकर सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्यक्रमों में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। श्री बड़ौली ने कहा कि ''ऑपरेशन सिंदूर'' की ऐतिहासिक सफलता से देश और प्रदेश में उत्साह है। भारतीय सेनाओं के अदम्य साहस

और पराक्रम के सम्मान में प्रदेशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है। प्रदेश का आम नागरिक, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं। उन्होंने भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया है। हमारी सेना की जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने बता दिया है कि देश की आन-बान-शान से खिलवाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना होगा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारत पहले किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन अगर कोई भारत की संप्रभुता में हस्तक्षेप करता है तो उसको करारा जवाब भी देता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की ताकत का प्रतीक बताते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेना ने आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया और आतंकियों का खात्मा किया।

21 जून को एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर मनाया जाएगा 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

एजेंसी

नारनौल। आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने आज 21 जून को एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर मनाए जाने वाले 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में राज्य के उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंस कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वीडियो कांफ्रेंस के बाद डीसी ने अधिकारियों की बैठक लेते हुए आयुष अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के लिए योग प्रशिक्षण की ड्यूटी लगाएं। इस अवसर पर नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी हरिप्रकाश बंसल, आयुष विभाग से डा. सतीश कुमार, डा. शशिबाला, आईटीआई प्राचार्य विनोद खनगवाल के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

समाधान शिविर में 34 शिकायतें प्राप्त, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता नगर परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जगनिवास ने की। उन्होंने उपस्थित नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समाधान प्राथमिकता के आधार पर और समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। जगनिवास ने कहा कि जन सेवा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाधान शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को बल मिलता है। शिविर के दौरान कुल 34 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड आदि से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। अधिकांश

मामलों में संबंधित विभागों द्वारा मौके पर ही समाधान की दिशा में कार्रवाई की गई। यह समाधान शिविर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देश में संचालित राज्यव्यापी अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आमजन को सुगम, पारदर्शी और त्वरित प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में आदिति सिंघानिया एसीयूटी, एसीपी सुशीला, हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) की संयुक्त निदेशक ज्योति नागपाल, संयुक्त आयुक्त अखिलेश के साथ-साथ जिले के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नूंह की जेल में बंद कुख्यात बदमाश के लिए फेंकी बॉल, फोन,एक ग्राम स्मैक व अन्य सामान बरामद

एजेंसी

नूंह। नूंह जिला कारागार में बंद एक कैदी के लिए दीवार के बाहर से गेंद में फेंका गया मोबाइल फोन और नशीला पदार्थ जेल स्टाफ ने बरामद किया है। उक्त मोबाइल चारदीवारी के अंदर लाल रंग की बॉल में पैक करके फेंका गया था। पुलिस ने इस संबंध में जेल में बंद कैदी सहित 6 लोगों को नामजद करते हुए एफआईआर दर्ज की है। जेल में बंद आरोपी सोनीपत का कुख्यात बदमाश है। जिसके खिलाफ अलग-अलग थानों में करीब 12 मुकदमे दर्ज है। जानकारी के मुताबिक जेल में बंद कैदी कुनाल पुत्र विजय निवासी शिव कॉलोनी,गली 3 देवरू रोड सोनीपत द्वारा 14 मई को अपने पीआईसीएस (स्त्रञ्जष्ठ) पर अपने दोस्तों सोमबीर, सौरभ, हिमांशु, गोलू और मोनू से बात की गई थी। जिसकी रिकॉर्डिंग 16 मई को जेल प्रशासन द्वारा सुनी गई। रिकॉर्डिंग में कुनाल द्वारा अपने दोस्तों से कहा गया था कि जेल के अंदर बॉलिंग कराई गई है। इसके अलावा मोबाईल फोन का भी जिक्र किया गया। जिसके बाद जेल में लगे हुए सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। जिसमें पता चला की बाहर से फेंकी गई वस्तु जेल की बाहरी दिवार के अंदर ही रह गई। यह बॉल जांच के दौरान शनिवार 16 मई को बरामद की गई। इसकी जानकारी तब मिली जब जेल स्टाफ ने बुर्जी नंबर 8 के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग खंगाली। जेल प्रशासन के मुताबिक 14 मई को नूंह-पलवल रोड पर जेल की बाहरी दीवार के पास सफेद रंग की गाडी से समय करीब एक बजे बाहरी व्यक्ति द्वारा गाडी से उतरकर बॉलिंग की गई। इस लाल रंग की बॉल को टेप लगाकर पैक किया गया था। जांच के दौरान इसमें एक कीपैड वाला छोटा मोबाइल,बैटरी, चार्जर केबल व एक ग्राम स्मैक भी मिली। जेल स्टाफ ने इस सामान को अपने कब्जे में ले लिया।

रुपये 18 पैसे चढ़ा

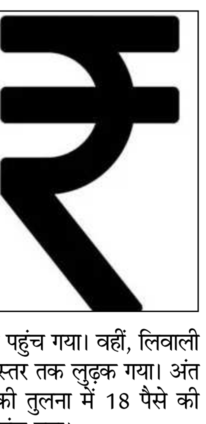

मुंबई। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज के अमेरिकी सरकार की रेटिंग घटाने से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.39 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.57 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 12 रुपये की तेजी के साथ 85.45 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से 85.35 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 85.62 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 85.57 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.39 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

अब दिल्ली मेट्रो की टिकट उबर ऐप से होगी बुक

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी उबर के ऐप से अब दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) की टिकटें बुक की जा सकेंगी।इसके लिए उबर ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के साथ करार किया है। यह सुविधा यात्रियों को क्यूआर कोड और एपीआई-सक्षम भुगतान के माध्यम से टिकट बुक करने में सक्षम बनाएगी, जिससे उन्हें मेट्रो सफर के लिए अलग ऐप या लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा। उबर के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (मोबिलिटी और डिलीवरी) प्रवीण नेपल्ली नागा ने कहा, भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में गहराई से शामिल होना हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है। ओएनडीसी की मदद से हम मेट्रो सेवाओं को सीधे उबर प्लेटफॉर्म पर ला पाए हैं। उबर की योजना है कि जल्द ही तीन और शहरों में भी मेट्रो टिकटिंग सुविधा शुरू की जाए। उबर ने सिर्फ सार्वजनिक परिवहन तक ही खुद को सीमित नहीं रखा है। कंपनी ने ओएनडीसी के साथ नए लॉजिस्टिक्स मॉडल वी2बी उबर के तहत डिलीवरी सेवाओं के विस्तार की भी घोषणा की है। यह कदम 14 लाख डिलीवरी साझेदार के नेटवर्क को और मजबूत बनाएगा।उल्लेखनीय है कि ओएनडीसी प्लेटफ़ॉर्म का नो-कमीशन मॉडल डिलीवरी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और किफायती बना रहा है। उबर ने फरवरी में इस मॉडल को ऑटोरिक्शा सेवाओं में अपनाया, जहां चालक और सवारी के बीच सीधे किराए की बातचीत होती है और भुगतान आमतौर पर यूपीआई या नकद से किया जाता है।

अमेरिकी सीनेट से स्टेबलक्वाइन को नियंत्रित करने वाले कानून को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका की सीनेट ने स्टेबलक्वाइन नाम की क्रिप्टोकरेंसी को नियंत्रित करने वाले कानून को आगे बढ़ाने के लिए मंजूरी दे दी है। सोमवार को हुए इस प्रक्रियात्मक मतदान में 66 सीनेटरों ने पक्ष में और 32 ने विरोध में वोट दिया। दो हफ्ते पहले डेमोक्रेट्स ने इसे रोक दिया था, लेकिन अब कुछ बदलावों के बाद उन्होंने समर्थन दिया। स्टेबलक्वाइन एक प्रकार की क्रिप्टोकरेंसी है, जिसकी कीमत अमेरिकी डॉलर या सोने जैसी असली संपत्तियों से जुड़ी होती है। इसका मूल्य आमतौर पर 1 डॉलर के बराबर रहता है, जिससे यह अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तुलना में स्थिर और व्यापार में उपयोगी होती है। इस उद्योग की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और जोखिमों को देखते हुए, इसे एक सुसंगत केंद्रीय कानून के तहत लाना जरूरी माना जा रहा है। इस कानून को लेकर विवाद इसलिए भी हुआ क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार की कई क्रिप्टो परियोजनाओं से सीधा संबंध है। ट्रंप ने हाल ही में एक 'मेम क्वाइन' लॉन्च किया है जिससे 32 करोड़ डॉलर से ज्यादा की कमाई हुई है। उनकी एक पारिवारिक कंपनी 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' ने भी SDv नाम से एक स्टेबलक्वाइन शुरू किया है, जिसे अब अरब देशों से बड़ा निवेश मिल रहा है।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने छुआ नया शिखर, एयूएम 65.74 लाख करोड़ और एसआईपी निवेश में 45फीसदी की छलांग

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्तियों (एयूएम) का आकार 2024-25 में सालाना आधार पर 23 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 65.74 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2023-24 में एयूएम 53.40 लाख करोड़ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इक्विटी एवं डेट बाजारों में तेजी के बीच शुद्ध 8.15 लाख करोड़ के मजबूत प्रवाह और निवेश के बाजार मूल्य (एमटीएम) में वृद्धि से होने वाले लाभ के कारण एयूएम बढ़ा है।संपत्ति आधार में तेज उछाल निवेशकों और म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती संख्या में भी देखने को मिला है। इस अवधि में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या रिकॉर्ड 23.45 करोड़ पहुंच गई और निवेशक आधार भी करीब 5.67 करोड़ हो गया।? सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश 2024-25 में सालाना आधार पर 45.24 फीसदी बढ़कर 2.89 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एमटीएम लाभ के साथ इस पर्याप्त वृद्धि ने एसआईपी परिसंपत्तियों को 24.6 फीसदी बढ़ाकर 13.35 लाख करोड़ रुपये कर दिया।

इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स की स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री, मामूली मुनाफे में निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। बिल्डिंग्स, सड़क और पुल बनाने वाली कंपनी इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स लिमिटेड की फीकी एंट्री ने आज कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री महज 0.80 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 100.80 रुपये के स्तर पर हुई। फीकी लिस्टिंग के बाद भी इस शेयर के कारोबार में कोई खास जोश नजर नहीं आ रहा है। सुबह 10.30 बजे तक कंपनी के शेयर लिस्टिंग प्राइस से 1 रुपये बढ़ कर 101.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक सिर्फ 1.80 प्रतिशत का मुनाफा हासिल कर सके हैं। इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवेलपर्स का 12 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 15 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को

निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 12 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 29 लाख रुपये हो गया। हालांकि 2023-24 में कंपनी ने अच्छी ग्रोथ दर्ज की, जिसके कारण शुद्ध लाभ बढ़ कर 95 लाख रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2021-22 में में कंपनी को 33.48 करोड़ रुपये, 2022-23 में 43.48 करोड़ रुपये और 2023-24 में 64.63 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। अगर पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 1.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 98.97 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल कर चुकी है।

रसना ने 350 करोड़ में 'जंपिन' ब्रांड का अधिग्रहण कर रेडी-टू-ड्रिंक बाजार में रखा कदम

एजेंसी

मुंबई। देश की अग्रणी इंस्टेंट बेवरेज निर्माता कंपनी रसना प्राइवेट लिमिटेड ने 350 करोड़ रुपये में प्रतिष्ठित ब्रांड 'जंपिन' का अधिग्रहण कर देश के तेजी से बढ़ते रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) सेगमेंट में आधिकारिक रूप से प्रवेश कर लिया है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि 350 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर स्वतंत्र रूप से किया गया यह अधिग्रहण रसना की गैर-कार्बोनेटेड पेय श्रेणी को और मजबूती देगा। यह कंपनी के दीर्घकालिक पोर्टफोलियो विविधीकरण तथा ब्रांड समेकन रणनीति का हिस्सा है।पूर्व में गोदरेज समूह द्वारा लॉन्च किया गया 'जंपिन' 1980 के दशक में भारत का पहला टेट्रापैक ब्रांड था, जिसे उसकी स्वादिष्ट पेशकशों और यादगार विज्ञापनों के लिए उपभोक्ताओं का भरपूर प्यार मिला। अब रसना द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद जंपिन को भारतीय फलों के रस से बने एक प्रीमियम, पौष्टिक और स्वादिष्ट पेय के रूप में पुनः लॉन्च किया जा रहा है। यह उत्पाद आधुनिक खुदरा चैनलों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और रसना के व्यापक ग्रामीण वितरण नेटवर्क के जरिए भारत भर में उपलब्ध होगा। रसना ग्रुप के अध्यक्ष पिरुज खंबाटा ने कहा, जंपिन का अधिग्रहण हमारे विकास पथ में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो को समृद्ध करेगा बल्कि 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने वाली हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। नए जमाने के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए जंपिन को 250 मिलीलीटर (मिली), 600 मिली और 1.2 लीटर पीईटी बोतलों में तथा 125 मिली, 200 मिली और एक लीटर के टेट्रा पैक में लॉन्च किया जाएगा। मैंगो, लेमन, लीची और अमरूद जैसे लोकप्रिय फ्लेवर्स के साथ शुरुआत करते हुए ब्रांड का लक्ष्य प्रमुख शहरी और क्षेत्रीय बाजारों में मजबूत उपस्थिति बनाना है, जिसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया जाएगा।

आर्थिक मामलों के विभाग ने ब्रोकरों के लिए कारोबार में आसानी बढ़ाने के लिए नियमों में किया संशोधन

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने ब्रोकरों के लिए कारोबार करने में आसानी बढ़ाने के लिए विनियामक स्पष्टता प्रदान करते हुए नियमों में संशोधन किया है। आर्थिक मामलों के विभाग ने प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम-8 में यह संशोधन किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने राजपत्र अधिसूचना जीएसआर 318 (ई) के जरिए प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियमावली (एससीआरआर), 1957 के नियम 8 में संशोधन किया है। इस संशोधन से ब्रोकरों को व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने के लिए विनियामक स्पष्टता प्राप्त होती है। मंत्रालय के मुताबिक उक्त नियमों में कुछ प्रावधानों पर विभिन्न हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर ध्यान देने के बाद डीईए ने सितंबर, 2024 में हितधारकों की टिप्पणियों को आमंत्रित करते हुए एक परामर्श पत्र (नियम 8 एससीआरआर (1957) पीडीएफ) सार्वजनिक टिप्पणियों के

लिए परामर्श पत्र) जारी किया था। वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के परिमाण और परस्पर अंतर्संबंधों में वृद्धि तथा समय के साथ ब्रोकरों के व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए, डीईए ने नियमों में सन्निहित सुरक्षा उपायों की उपयुक्तता की समीक्षा करना आवश्यक समझा, जिससे कि हितधारकों के कार्यकलापों को बाधित किए बिना नियमों का आशय पूरा हो सके। मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन हितधारकों से प्राप्त फीडबैक पर उचित विचार-विमर्श के बाद किया गया है तथा यह वित्तीय क्षेत्र में नियामक स्पष्टता प्रदान करने और व्यवसाय करने में सुगमता बढ़ाने पर सरकार द्वारा दिए जा रहे बल का हिस्सा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि बाजार से जुड़ी मध्यवर्ती संस्थाएं एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से भारत के पूंजी बाजारों के विकास में सहायता करना जारी रखें।

जीईएम पोर्टल पर जल्द ही दर अनुबंध, वैश्विक निविदा सुविधाएं जुड़ेंगी : सीईओ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर जल्द ही दर अनुबंध और वैश्विक निविदा कार्यक्षमताओं को भी शामिल किया जायेगा, ताकि इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके। फिलहाल, ये सुविधाएं जीईएम पोर्टल पर नहीं हैं। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने जीईएम के 8वें निगमन दिवस पर कहा कि जीईएम में हम सरलीकरण और परिवर्तन को सशक्त बनाने के लिए नवाचार कर रहे हैं। वैश्विक निविदा कार्यक्षमता से अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं या विदेशी विक्रेताओं से लेनदेन संभव हो सकेगा। यह प्लेटफॉर्म 2025-26 में 7 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन की सुविधा प्रदान करने पर विचार कर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 5.42 लाख करोड़ रुपये था। वर्तमान में वार्षिक खरीद का 40-50 फीसदी हिस्सा इस पोर्टल के माध्यम से हो रहा है। मिहिर कुमार ने कहा कि हम इन सुविधाओं को बनाने के तरीकों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीईएम ने सार्वजनिक क्षेत्र में भारत का पहला जीईएनएआई चैटबॉट लॉन्च किया है। कुमार ने बताया कि 10 लाख से

जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह दर अनुबंध के तहत सरकारी खरीदार एक तय अवधि में पूर्व निश्चित कीमतों पर सामान और सेवाएं खरीद सकेंगे। ऐसे में बार-बार बोली लगाने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जीईएम के दायरे को और व्यापक अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई), 1.3 लाख कारीगर और बुनकर, 1.84 लाख महिला उद्यमी और 31,000 स्टार्टअप अब जीईएम इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक हाल के वर्षों में जीईएम के उपयोगकर्ता आधार में तीन गुना वृद्धि देखी गई है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये से लेकर 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,560 रुपये से लेकर 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 98,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोने की कीमत 87,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडसइंड बैंक ने एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट से किया करार

एजेंसी

मुंबई। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए इंडसइंड बैंक ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के एआईसी एसटीपीआईनेक्स्ट के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह साझेदारी शुरुआती चरण के स्टार्टअप और एमएसएमई को वित्तीय समाधान, विशेषज्ञ सलाह और संरचनात्मक सहयोग प्रदान करने पर केंद्रित है। इस सहयोग के तहत इंडसइंड बैंक एसटीपीआईनेक्स्ट से जुड़े स्टार्टअप को बिना न्यूनतम शेष राशि की शर्त वाले विशेष चालू खाता सुविधा, मुफ्त पेरोल और उपस्थिति प्रबंधन सेवाएं, और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी कार्यशालाओं के माध्यम से मजबूत सहयोग देगा।इन कार्यशालाओं में बैंकिंग मूल बातें, इक्विटी निवेश, ईएसओपी और विभिन्न सेगमेंट-आधारित फंडिंग मॉडलों पर मार्गदर्शन शामिल होगा। यह पहल देश में नवाचार को प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप को आत्मनिर्भर एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। दोनों संस्थाएं मिलकर ऐसा सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने की दिशा में अग्रसर हैं, जहां नए विचार फले-फूलें और भारत की आर्थिक प्रगति में सक्रिय योगदान दें।

आयात पर रोक से बांग्लादेश को 770 मिलियन डॉलर का झटका : जीटीआरआई

एजेंसी

कोलकाता। भारत द्वारा बांग्लादेश से आयातित कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के फैसले से पड़ोसी देश को लगभग 770 मिलियन डॉलर का झटका लगने वाला है, जो कि दोनों देशों के बीच कुल आयात का करीब 42 प्रतिशत है। यह जानकारी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के ताजा विश्लेषण में सामने आई है।

बांग्लादेश से वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य और प्लास्टिक उत्पादों जैसे प्रमुख आयातित सामान अब केवल कुछ सीमित समुद्री बंदरगाहों से ही भारत में आ सकेंगे या फिर पूरी तरह भूमि सीमा से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से 17 मई को जारी आदेश के अनुसार यह कदम भारत की व्यापार नीति में एक अहम मोड़ का संकेत है, जिसमें स्पष्ट रूप से राजनीतिक

संदेश छिपा है। जीटीआरआई ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया है, बल्कि यह बांग्लादेश द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों और चीन की ओर उसके कूटनीतिक झुकाव का जवाब प्रतीत होता है। बांग्लादेश से आयातित वस्त्र, जिसकी वार्षिक लागत करीब 618 मिलियन डॉलर है, अब केवल कोलकाता और न्हावा शेवा बंदरगाहों के माध्यम से ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे। इससे बांग्लादेश की मुख्य भूमि व्यापार गलियारों तक पहुंच लगभग बंद हो जाएगी। यह निर्णय विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की सिफारिश पर लिया गया है और इसे भारत की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया माना जा रहा है। दिसंबर 2024 से बांग्लादेश ने भारतीय वस्तुओं पर कई व्यापारिक प्रतिबंध लगाए हैं। अप्रैल में उसने पांच प्रमुख स्थल सीमा बंदरगाहों से भारतीय सूती धागे के आयात पर रोक लगाई । चावल के निर्यात पर कड़े नियंत्रण किए और तंबाकू, मछली और दूध पाउडर समेत दर्जनों भारतीय वस्तुओं पर रोक लगा दी। इसके अलावा, बांग्लादेश ने भारतीय कार्गो पर 1.8 टका प्रति टन प्रति किलोमीटर का ट्रांजिट शुल्क भी लगा दिया, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत और अधिक बढ़ गई।

एलआईसी के नामित निदेशक राज कुमार आईडीबीआई बैंक के बोर्ड से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के नामित निदेशक राज कुमार 18 मई से भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं। आईडीबीआई बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि राज कुमार 18 मई को अपना कार्यकाल पूरा होने पर आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं, जिससे वे एलआईसी में नामित निदेशक नहीं रहेंगे।

सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) आईडीबीआई बैंक के प्रवर्तक हैं, जिनकी हिस्सेदारी 94.71 फीसदी है। एलआईसी के पास 49 फीसदी से थोड़ा अधिक हिस्सेदारी है, जिसमें सरकार की हिस्सेदारी 45.48 फीसदी है। आईडीबीआई बैंक भारत

के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है। यह देश का चौथा सबसे बड़ा बैंक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस बैंक को 'अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक' की श्रेणी में रखा है। आईडीबीआई बैंक के शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर पिछले बंद भाव से 3.45 अंक यानी 4.01 फीसदी बढ़कर 89.46 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

सप्ताह के पहले दिन कंसोलिडेशन के मूड में दिखा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन ही कंसोलिडेशन होता हुआ नजर आया। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली जुली शुरुआत हुई। पूरे दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। इस खींचतान में अंततः बिकवालों का पलड़ा भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। आईटी, टेक, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 443.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 74 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,273 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,524 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,571 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 178 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,625 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,654 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 971 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 24.33 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,354.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद 93.51 अंक की मजबूती के साथ 82,424.10 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाल हावी हो गए। इस बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 366.02 अंक टूट कर 81,964.57 अंक तक गिर गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 90 अंक से अधिक की रिकवरी करके 271.17 अंक की कमजोरी के साथ 82,059.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 14.45 अंक की गिरावट के साथ 25,005.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 43.15 अंक की मजबूती के साथ 25,062.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 103.15 अंक टूट कर 24,916.65 अंक तक गोता भी लगाया।

भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक,अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति में बदलावों से लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। वैश्विक व्यापार नीति में बदलावों से भारत को लंबे समय में लाभ होगा। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया ने सोमवार को एक अध्ययन में कहा, अर्थव्यवस्थाओं के खुद को बदलते व्यापार के हिसाब से ढालने एवं शुल्क चुनौतियों के अनुकूल होने के साथ भारत विनिर्माण बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति शृंखला एकीकरण के लिए इस मौके का लाभ उठा सकता है। स्थानीय स्तर पर काम कराने, बाजारों से निकटता और क्षेत्रीय एकीकरण से इस क्षेत्र में अतिरिक्त निवेश आएगा।?इससे भारत की तकनीकी उन्नति और विनिर्माण प्रतिस्पर्धा में तेजी आएगी।? अध्ययन में कहा गया है कि आगे चलकर वैश्विक व्यापार नीति में बदलाव से आपूर्ति शृंखला में विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत के लिए काफी लाभकारी साबित होगा। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर तैयार होंगे। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, 2024-25 में वास्तविक जीडीपी की धीमी वृद्धि के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हालांकि, वृद्धि के लिहाज से भारत की बाहरी व्यापार पर कम निर्भरता है।

बच्चों के लिए घर पर लीची से बनाएं ये टेस्टी ड्रिंक्स, जानें आसान रेसिपी

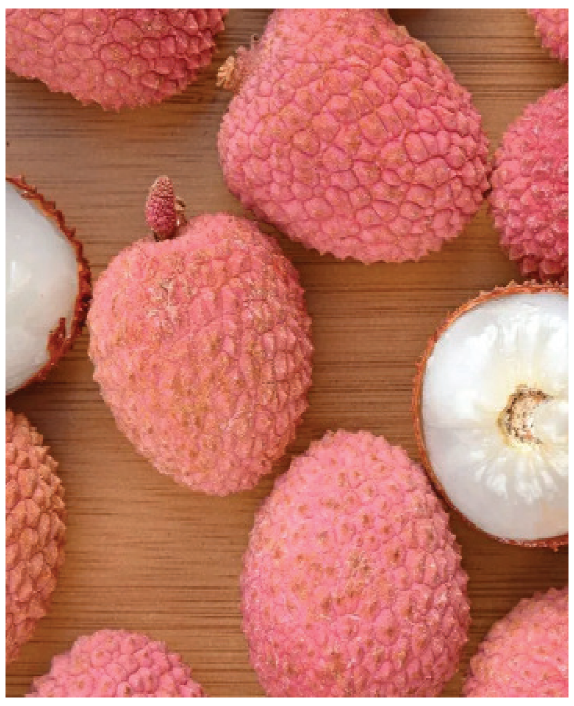

लीची का जूस पीना बच्चों को काफी पसंद होता है. ऐसे में आप बाजार की जगह पर लीची का जूस या फिर इससे कुछ हेल्दी ड्रिंक्स बना सकते हैं. आज हम आपको लीची से बनाई जाने वाली कुछ ड्रिंक्स की रेसिपी बताएंगे, जो हर उम्र के व्यक्ति को पसंद आएगी. इस गर्मी में इन रेसिपीज को ट्राई कर सकते हैं.

गर्मी में तरबूज और आम के अलावा लीची खाना भी बहुत पसंद किया जाता है. लीची में पोटेशियम, कॉपर, मैंगनीज, फाइबर, विटामिन सी और बी जैसे न्यूट्रिएंट्स इसमें पाए जाते हैं. इसलिए अगर इसे सही तरीके और सीमित मात्रा में खाया जाए, तो यह सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होती है. इसके अलावा लीची का जूस भी लोकप्रिय है, खासकर बच्चे इसे पीना बहुत पसंद करते हैं. बाजार में लीची के कई जूस उपलब्ध है. लेकिन आप इसे घर पर भी बना सकते हैं.

आप घर पर लीची लाकर इससे कई तरह की ड्रिंक्स बना सकते हैं. यह बच्चे के साथ बड़ों को भी काफी पसंद आएगी. अगर आपको भी लीची बहुत पसंद है, तो आप ये हेल्दी ड्रिंक्स उससे बना सकते हैं. लेकिन ध्यान रखें हर चीज का सेवन एक सीमित मात्रा में ही किया जाना चाहिए, इसी तरह इन जूस को भी सीमित मात्रा में ही पिएं.

लीची शरबत

इसे बनाने के लिए लीची को छीलकर उसका एक कप गूदा निकाल लें. इसके बाद इसमें 2 टेबलस्पून चीनी, स्वादानुसार नींबू का रस, काला नमक और ठंडा पानी डालें. इसे अच्छे से ब्लेंड कर लें और छलनी से छान लें. सर्विंग गिलास में बर्फ डालकर उसमें लीची के शरबत को भरे और पुदीने की पत्तियों से सजाकर ठंडा-ठंडा शरबत पिएं.

लीची स्मूदी

आम और केले की तरह आप इससे लीची भी बना सकते हैं. इसे बनाने के लिए लीची को छीलकर इसके बीज अलग कर लें. इसके बाद इसे 1 कप लीची, 1 केला, ङ्ग कप गाढ़ा दही और 1 टेबलस्पून शहद को ब्लेंडर में डालकर स्मूथ टेक्सचर आने तक चलाएं. इसके साथ ही उसमें बर्फ भी डालें. ग्लास में डालें और तुरंत परोसें. यह ड्रिंक पोषण से भरपूर है और बच्चों के लिए भी बहुत फायदेमंद हो सकती है.

लीची मोजिटो

आपने कई तरह के मोजिटो पिएं होंगे, लेकिन आप लीची का मोजिटो भी घर पर आसानी से बना सकते हैं. इसे बनाने के लिए एक ग्लास में पुदीने की पत्तियां, नींबू का रस और शुगर सिरप डालें और इसे हल्का सा मसलें. अब इसमें लीची का रस और बर्फ डालें, ऊपर से सोडा या स्प्राइट डालें. हल्क का मिक्स करें और पुदीने की पत्तियों को गार्निश के लिए उपयोग करें.

आ रहे हैं घर सभी जद में

इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से %अनेकता में एकता% हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की ज़रूरत होती है।

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान-पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा। उस इमारत के अधिकांश रहवासी गुजराती हैं और वे नहीं चाहते थे कि कोई गैर गुजराती वहां आये। ऐसा ही मामला हाल में फिर हुआ जब मुंबई के ही एक और उपनगर में एक गुजराती शख्स ने अपने मराठी पड़ोसी के खान-पान को लेकर पूरे महाराष्ट्रीय समुदाय को गंदा कह दिया। इस पर अच्छा-खासा विवाद खड़ा हो गया, जो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ।

मुंबई में मराठी में ही बात करने, दुकानों-कंपनियों के बोर्ड मराठी में ही लगाने पर इस कदर ज़ोर दिया जा रहा है कि हिन्दी या किसी और भाषा में बात करने वालों के साथ बहस और मारपीट तक होने लगी है। पिछले महीने डोम्बिवली इलाके में एक्स्क्यूज़ मी कहने पर दो महिलाओं को पीट दिया गया। अपने आपको मराठियों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताने वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की कि रेस्तरां और खाने-पीने के ठियों पर पर मेन्यू कार्ड मराठी भाषा में हों तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने बैंकों में सभी डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगवाने और कर्मचारियों से सिर्फ मराठी बोलने के लिए दबाव बनाया और ऐसा न करने पर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां दीं। एक-दो जगह तो उन पर हमले भी किये गये। इससे परेशान बैंक कर्मचारियों के संगठन ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को चिट्ठी लिखकर सुरक्षा देने की मांग की।महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने पवई इलाके में एक चौकीदार को भी इसलिए मारा क्योंकि उसे मराठी नहीं आती। इसी तरह एक सुपर बाज़ार में एक ग्राहक ने वहां के कर्मचारी से मराठी में बात करने के लिए कहा। कर्मचारी के यह कहने पर कि वह केवल हिन्दी में बात कर सकता है, तो ग्राहक ने मनसे से शिकायत कर दी। इसके बाद मनसे के एक नेता ने अपने समर्थकों के साथ सुपर बाज़ार पहुंचकर कर्मचारी की पिटाई कर दी। मुंबई जैसे बहुभाषी महानगर में मराठी ही बोलने के दुराग्रह का एक और उदाहरण सामने आया है। भांडुप इलाके में एक दंपति ने पिज़्ज़ा का ऑनलाइन ऑर्डर दिया और जब डिलीवरी ब्वॉय उनके पास पहुंचा तो उन्होंने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया, कि उसे मराठी बोलना नहीं आता। डिलीवरी ब्वॉय से दंपति ने कहा कि पैसे चाहिये तो मराठी बोलनी पड़ेगी। हमारे यहां ऐसा ही है।ऐसा नहीं है कि मराठी बनाम अन्य भाषा विवाद केवल मुंबई तक सीमित है। इसी साल फरवरी में बेलगावी में लोगों ने मराठी में बात न करने पर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टर की पिटाई कर दी थी। इस घटना का असर महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच संचालित बस सेवा पर भी हुआ और आम यात्रियों को तकलीफ़ उठानी पड़ी। बेलगावी को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र का झगड़ा कोई 6 दशक पुराना है और यह घटना जिस जगह हुई, वह महाराष्ट्र का सीमावर्ती इलाका है। इसी बेलगावी जिले के जांबोटी में मराठी न बोलने पर कर्नाटक रक्षणा वेदिके के एक नेता की भी पिटाई की गई। दूसरी तरफ कन्नड़ कट्टरपंथी भी कुछ कम नहीं निकले। बीते महीने उन्होंने बेंगलुरु में कन्नड़ न बोलने के कारण भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।

बेंगलुरु के ही एक वायरल वीडियो में कोई उत्तर भारतीय शख्स एक ऑटो रिक्शा वाले से यह कहते हुए दिखता है, कि %अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिन्दी में बात करें। इस पर ऑटो चालक ने जवाब दिया कि आप बेंगलुरु में हैं, कन्नड़ में बात करें। मैं हिन्दी में बात नहीं करूंगा। इस विवाद से कन्नड़ भाषियों में आक्रोश भड़का तो उस शख्स ने सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांग ली। इस महीने की शुरुआत में मालदा के 40 प्रवासी मजदूर ओडिशा से काम छोड़कर वापस आ गये। उन्होंने बताया कि संबलपुर के कुछ स्थानीय निवासियों ने उन्हें धमकाया, उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। मज़दूरों ने आरोप लगाया कि उन पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि वे बंगाल से थे। गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही मामलों को लेकर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी को फोन कर कड़ा ऐतराज़ जताया था।प. बंगाल के निवासियों की पीड़ा यह भी है कि दूसरे प्रांतों के लोग वहां आकर उनकी संस्कृति और परंपराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इस प्रदेश में दुर्गा पूजा ही प्रमुख त्योहार रही है, लेकिन बीते एक दशक से रामनवमी का ज़ोर बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं। द हिन्दू की एक ख़बर के अनुसार, शिक्षाविदों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने राज्य में हिन्दू त्योहारों को हथियार बनाने पर सवाल उठाये हैं और चिंता जताई है। पश्चिम बंगाल में संघर्ष और सह-अस्तित्व के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन-आमरा एक सचेतन प्रयास ने 2016 से 2023 की अवधि में प्रदेश में रामनवमी के दौरान पनपे सांप्रदायिक तनाव पर एक रिपोर्ट तैयार की है जिसमें आसनसोल-रानीगंज, हावड़ा और रिशरा में परस्पर टकराव की कई घटनाओं का ज़िक्र किया गया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि तृणमूल कांग्रेस ऐसे जुलूस आयोजित करने या उन्हें सहायता देने और में भाजपा और उसके हिन्दूवादी सहयोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है।महीने भर पहले दिल्ली के चितरंजन पार्क में कुछ लोगों ने एक मंदिर के बगल में मछली की बिक्री पर यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इससे उनकी भावनाएं आहत हो रही हैं। इस इलाके में बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी लोगों की रिहाइश है, वहां मछली बाज़ार होना अस्वाभाविक तो नहीं हो सकता। दूसरी बात यह कि यह बाज़ार कोई निजी नहीं, बल्कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया गया है। फिर वह मंदिर भी उसी बाज़ार के दुकानदारों का बनवाया हुआ है। साल 2023 में अहमदाबाद में पूर्वोत्तर की खाद्य सामग्री बेचने वाली एक दुकान के दो कर्मचारियों पर एक भीड़ द्वारा हमला कर दिया गया था। भीड़ का मानना था कि उस दुकान से मांसाहारी पदार्थ बेचे जाते हैं, जबकि कर्मचारियों का कहना था कि वे पूर्वोत्तर की कुछ खास किस्म की सब्जियां और चावल वगैरह ही बेचते हैं। दोनों कर्मचारी नागालैंड के मूल निवासी थे तो वहां के भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री तेमजेन इमना अलोंग ने इस घटना की निंदा की थी और निराशा भी व्यक्त की थी।फ़िलहाल, राहत की बात है कि भारी विरोध के चलते मनसे ने अपना आंदोलन रोक दिया है। हालांकि गैर मराठीभाषी लोगों के प्रति अवमानना का उसका भाव तो खत्म होने से रहा। उधर शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी कहा है कि वह गैर महाराष्ट्रीय लोगों को प्यार से मराठी सिखायेगी। देखना होगा कि मनसे कब तक इस मुद्दे पर शांत रहती है, मराठी सिखाने के क्या इंतज़ाम शिवसेना करती है और कितने लोग उसके प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं। याद रहे कि हाल ही में %संघ% के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा था कि मुंबई में रहने के लिए मराठी आना ज़रूरी नहीं है। इस बयान पर हुए विवाद के बाद उन्हें माफ़ी मांगनी पड़ी थी। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि नफ़रत और हिंसा की जो आग अल्पसंख्यकों के खिलाफ़ भड़काई गई थी, वह अब बिना भेदभाव सबको अपनी चपेट में लेने लगी है।और इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से अनेकता में एकता हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की ज़रूरत होती है। किसी प्रांत में जाकर कुछ देर के लिये वहां की वेशभूषा धारण कर लेना, लोकनर्तकों के साथ कदमताल कर लेना, भाषण में दो-चार वाक्य वहां की भाषा में बोल देना पर्याप्त नहीं है और न ही एक भारत-श्रेष्ठ भारतबटेंगे तो कटेंगे या एक हैं तो सेफ़ हैं% जैसे सियासी नारों से कुछ होना जाना है। धर्म, भाषा, खानपान और पहनावे के नाम पर अगर एकरूपता का बुलडोज़र चलाया जायेगा, तो यह देश ही नहीं बचेगा।

संपादकीय

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात

ऑपरेशन सिंदूर सेना के पराक्रम की एक और बड़ी मिसाल और देश की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, तुर्किए, कतर, अजरबैजान, चीन इन तमाम देशों का जो रुख रहा, वह भारत के लिए सुखद नहीं है, लेकिन कम से कम अब हमें यह पता चल गया है कि जिन्हें हम अपना दोस्त या शुभचिंतक देश मानते थे, वे असल में पाकिस्तान के करीबी निकले। भविष्य में विदेश नीति के तहत फैसले लेने में इस सबक को याद रखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान का आतंकवाद समर्थित चेहरा भी सामने आया और यह भी पता चल गया कि कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करवाने के लिए वह किस तरह मौके तलाशता है। इधर घरेलू मोर्चे पर भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ कड़वी हकीकतें सामने आई हैं, जिन्हें अब नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनका सामना कर अपनी गलती समझना चाहिए।देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है,

जिसमें सेना के पराक्रम के साथ-साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। इधर विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग बुलाता रह गया, लेकिन मोदी सरकार ने उसका जवाब नहीं दिया और अब सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर बताएंगे कि चरमपंथ पर भारत का क्या रुख है और ऑपरेशन सिंदूर क्यों सही था। संक्षेप में मोदी सरकार का पक्ष रखने सभी दलों के लोग जाएंगे, विपक्ष के भी। पिछले कार्यकाल तक नरेन्द्र मोदी विपक्षमुक्त भारत की बात कहते थे, सरकार से सवाल पूछने पर सौ से ज्यादा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन दुनिया को बताना है कि भारत में कितना मजबूत लोकतंत्र है, तो अब विपक्ष के सांसदों को भी दल का हिस्सा बनाया गया है। भाजपा ने इसमें कांग्रेस से शशि थरूर को शामिल कर एक सियासी चाल भी चली है। कांग्रेस से जब प्रतिनिधिमंडल के लिए नाम मांगे गए थे, तो उसने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम थे, लेकिन इनकी जगह शशि थरूर को भाजपा ने रखा। अभी 2 मई को केरल में श्री थरूर ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था, तब श्री मोदी ने कहा था कि आज बहुतों की नींद हराम होगी। उस वाक्य के आगे कहानी और कितनी बाकी थी, यह अब दिख रहा है। खैर अब यह शशि थरूर के विवेक पर निर्भर है कि वे अपने दल के साथ संकट के वक्त यह खिलवाड़ होने देते हैं या फिर उस शख्स के साथ खड़े होते हैं, जिसने उनकी पत्नी के लिए 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसा अभद्र बयान दिया था। वैसे इस प्रतिनिधिमंडल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इतने बरसों में श्री मोदी जनता के पैसों पर कई देशों की यात्रा करते रहे, मोदी-मोदी के नारे लगते रहे, लेकिन जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान के सिवा कोई देश भारत के साथ खुलकर नहीं खड़ा नहीं हुआ। अब उसी जनता के पैसों पर सांसद विदेशों में जाएंगे, लेकिन क्या इससे भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की वाहवाही तो ह रही है, लेकिन इसकी जानकारी देने के लिए कर्न सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह क सामने आना भी चर्चा का एक अलग ही मुद्दा बन गया। देश में अधिकतर लोगों ने इसकी तारीफ ही की औ लड़कियों की सेना में बढ़ती धमक पर खुशी जाहिर की लेकिन मध्यप्रदेश में केबिनेट मंत्री विजय शाह औ उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अप्रिय बयानों ने ब दिया कि निम्न स्तर की राजनीति के लिए भी सेना क भी नहीं बख्शा जा रहा है।विजय शाह का मामला त अदालत में है, लेकिन अब तक भाजपा का रवैया उन बचाने वाला दिख रहा है। वहीं अशोका विश्वविद्यालय शिक्षक अली खान महमूदाबाद ने अपनी फेसबुक पोस में ऑपरेशन सिंदूर पर महिला अफसरों कर्नल सोफिय कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के द्वारा मीडिय ब्रीफिंग को अहम बताया था लेकिन यह भी लिखा थ कि अगर यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला तो य पाखंड होगा।

विदेश जाएं मोदी का जयगान करें थरूर मगर कांग्रेस छोड़कर

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं।कांग्रेस मुक्त भारत भी चाहिए और विदेशों में कांग्रेस का ऐसा सांसद भी जो वहां मोदी मोदी कर सके! कभी ऐसा ही कश्मीर में गुलाम नबी आजाद ने किया था। वहां भारत की बात करने के बदले मोदी मोदी का राग अलापा था। नहीं चल पाया। और भाजपा को फिर उनकी कोई और उपयोगिता नहीं दिखी। खतम कर दिया ऐसा कि आज जम्मू-कश्मीर में उनका कोई नाम लेने वाला भी नहीं है।

ऐसे ही इस समय शशि थरूर केरल में उपयोगी दिख रहे हैं जहां अगले साल विधानसभा चुनाव है। जहां असली लोकप्रिय मेट्रो मेन ई श्रीधरन को पिछले चुनाव में बीजेपी एक्सपोज कर चुकी है विधानसभा हरवा कर। इस बार हवा हवाई लोकप्रिय शशि थरूर की असलियत सामने ला दी जाएगी। मगर उससे पहले उनके नाम पर कांग्रेस को विचलित करने की राजनीति शुरू कर दी। कांग्रेस जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से सरकार को पूरा सहयोग देती आ रही थी। कोई राजनीतिक सवाल नहीं कर रही थी उसे आरोप प्रत्यारोप की राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा ने विदेशों में जाने वाले भारतीय सांसदों के प्रतिनिधि मंडल में अपनी तरफ से शामिल कर लिया। यह वैसा ही है जैसे एनडीए सरकार में नीतीश या चन्द्रबाबू नायडु द्वारा बनवाए गए मंत्रियों को हटाकर बीजेपी अपनी मर्जी से उनकी पार्टी के किसी को बुलाकर शपथ दिलवा दे।

घर में परिवार के मुखिया के नाम निमंत्रण जाता है। अगर एक का है तो वह डिसाइड करता है कि परिवार से कौन जाएगा। ऐसा तो आज तक नहीं सुना कि बुलाने वाला परिवार के किसी एक खास सदस्य को बुला ले। मगर मोदी अपनी इमेज बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने अपनी पार्टी में योग्य और प्रभावशाली लोगों को खतम कर दिया। जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी, आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और ऐसे ही तमाम राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मामलों के जानकार लोगों को किनारे कर दिया। जाहिर है कि इस समय जब मोदी को विदेशों में अपनी इमेज बनाने की जरूरत है तब रमेश विधुड़ी, कपिल मिश्रा या निशिकांत दुबे और इन जैसे बहुत सारे लोग जो 11 सालों में बनाए हैं काम नहीं आएंगे।उन्हें पढ़े-लिखे लोग ही चाहिए जो उन्होंने अपनी पार्टी से खतम कर दिए। प्रधानमंत्री मोदी को शायद अहसास हो गया होगा कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे लोगों का प्रभाव पड़ता है। वे खुद 11 सालों में 72 देश हो आए हैं। कई देशों में कई कई बार। इसे वे खुद भी और गोदी मीडिया भी बड़ी शान से बताते थे कि फलानी जगह पहली बार फलानी जगह इतनी बार। बहुत पहले हर शहर में यह चलता था कि फलाने बाम्बे रिटर्न हैं। और वे बाम्बे अब मुम्बई की फिल्मी दुनिया से असफल वापस लौटने वाले बड़ी शान से वहां के किस्से सुनाते थे।

मगर अभी पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बाद मोदी के सारे विदेशी दौरों, संबंधों, गले मिलने, माई डियर फ्रेंड ट्रंप कहने की कलई खुल गई। एक देश भी भारत के साथ नहीं आया। क्या विदेश संबंध बनाए इन दौरों ने?हमारे स्वाभाविक मित्र पड़ोसी राज्य नेपाल और भूटान भी साथ खड़े नहीं हुए। जनता इन सब चीजों को समझ रही है। थोड़ा-थोड़ा बोल भी रही है। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी की इमेज में जबर्दस्त गिरावट आई है और फिर जब हमारी सेनाएं पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखा रही थी तब अचानक किए संघर्षविराम से मोदी की छवि और गिर गई।

अब जो विदेशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे जा रहे हैं तो उनका मुख्य उद्देश्य मोदी की छवि को वापस चमकाना है। और यह काम अगर कांग्रेस का एक सांसद शशि थरूर करेगा तो मोदी को लगता है कि उसका ज्यादा प्रभाव पड़ेगा।यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणाकरते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं।

पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं। पहलगाम में निर्दोष 26 पर्यटक मारे गए। किसी भी हालत में भारत और पाकिस्तान को समान नहीं कहा जा सकता। दुनिया को यह बताने की जरूरत है।कांग्रेस ने इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा मांगे गए नामों को यह देखते हुए दिया कि कौन भारत के पक्ष को ज्यादा मजबूती के साथ रख सकता है। चार नाम मांगे थे। वह चार नाम दिए आनंद शर्मा जो विदेश राज्य मंत्री रहे। राज्य सभा के उपनेता रहे। अनुभवी। गौरव गगोई अभी लोकसभा में विपक्ष के उपनेता हैं। मुस्लिम किस तरह पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए सांसद नासिर हुसैन और इसी तरह सिख किस तरह आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए पंजाब से लोकसभा सांसद अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग के नाम दिए।

लेकिन मोदी को वहां अपना नाम चमकाने वाला चाहिए था। अच्छी अंग्रेजी में। नहीं तो वे मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को विदेश भेज देते जो कह रहे हैं कि पूरा देश, पूरी सेना प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक है। मगर उन्हें यही बात थोड़ा इस तरीके से चाहिए कि विदेशों में यह मैसेज जाए कि भारत में एक ही नेता है मोदी और देश में यह आए कि विदेशों में तो मोदी की धूम मची हुई है यहां कौन मोदी के नेतृत्व पर सवाल खड़ा कर रहा है।थरूर से उन्हें उम्मीदें हैं और थरूर इसे जरूर पूरा करेंगे। वहां वे मोदी के नेतृत्व के कसीदे काढ़ेंगे। थरूर को कभी भी अपने मातृ संस्थान की चिन्ता नहीं। कांग्रेस में जब आम राय से मल्लिकार्जुन खरगे को कांग्रेस उम्मीदवार के लिए खड़ा किया गया था तो शशि थरूर ने खुद को ज्यादा योग्य बताते हुए उनकी उम्मीदवारी को चैलेंज किया था। पूरा चुनाव कैमरों के सामने पूरी पारदर्शिता से हुआ। मगर फिर भी हारने के बाद थरूर ने चुनाव प्रक्रिया पर आरोप लगाए।उसके बाद भी कांग्रेस ने उन्हें 2024 में तिरुवनन्तपुरम से फिर टिकट दिया। जिताया। मगर उसके बाद भी लगातार वे कांग्रेस के खिलाफ बोलते रहे। कई बार चेतावनियां दीं। मगर उनका मोदी प्रेम (जो वास्तव में सत्ता प्रेम है) कम नहीं हुआ और अब तो वे खुले रूप से कांग्रेस से विद्रोह करके विदेश जाने को तैयार हैं। 2009 से कांग्रेस उन्हें लगातार सांसद बना रही है। मंत्री भी बनाया। कहना तो उन्हें यह चाहिए था कि पार्टी अगर मुझे नामिनेट करेगी तब ही मैं जाऊंगा। मगर वे अपनी पार्टी जिसने उन्हें पहचान दी, उस समय मजबूती से साथ खड़ी रही जब पत्नी सुनंदा पुष्कर की मृत्यु के समय भाजपा उन पर तरह-तरह के आरोप लगा रही थी। मोदी ने 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड कहा। हर समय साथ दिया मगर इस समय जब मोदी अपनी छवि सुधारने के लिए कांग्रेस में असंतोष बताने की कोशिश कर रहे हैं थरुर का उनके साथ जाना बहुत बड़ा विश्वासघात कहलाएगा।

हालांकि इसके लक्षण तो तभी दिख गए थे जब ये यूपीए सरकार में मंत्री थे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने सभी मंत्रियों से जहाज में बिजनेस क्लास के बदले समान्य क्षेणी में यात्रा करने के लिए बोला था। थरूर ने इसे मानने के बदले सामान्य श्रेणी को कैटल क्लास (जानवरों का बाड़ा) कहा था। आम आदमी जिसकी बात कांग्रेस करती थी उसका सबसे बड़ा मजाक, अपमान।

हमने तो उस समय भी लिखा, बाद में भी लिखते रहे कांग्रेस को अपने अंदर के ऐसे लोगों ने ही ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। मगर अब कांग्रेस बुरी स्थिति में फंस गई है। दल बदल कानून के अन्तर्गत कांग्रेस अगर उन्हें निकालती है तो उनकी संसद सदस्यता बनी रहेगी। और थरूर यही चाहते हैं।उनमें इतनी नैतिकता नहीं है कि खुद कांग्रेस से त्यागपत्र दें (उसमें उनकी संसद सदस्यता खत्म हो जाएगी) और फिर भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ें। लोकसभा या विधानसभा जो चाहें। करना तो उन्हें यह चाहिए। बातें तो बड़ी-बड़ी कर रहे हैं। मिसाल भी रखना चाहिए। इस्तीफा देने का साहस दिखाना चाहिए। कांग्रेस और लोकसभा सदस्यता दोनों से।

रहस्यमयी कमरुनाग झील

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज। हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आईं थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आईं थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिऑन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नही आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।

इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गई। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नही होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

नींद और थकावट

आने पर ध्यान दें

- गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट दूर हो जाएगी
- जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान जरूर दें

पर्याप्त नींद लेना सेहत के लिए जरूरी है। पर्याप्त न सो पाने या रात भर पार्टी में व्यस्त रहने पर शायद आपको थकावट और नींद आने पर कुछ उपायों की आवश्यकता पड़े। जब आपके शरीर को आराम करने की सख्त जरूरत हो तो अपने आप को जगाए रखना गलत बात है। लेकिन कई बार हमें बहुत आवश्यक कार्य करने होते हैं तो हमें जागना ही पड़ता है चाहे जो भी हो। नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए सुझाए गए इन उपाय करने पर नींद से उभरा जा सकता है।

पानी ज्यादा पीएं : अगर आपके शरीर में पानी की कमी होगी तो आप ज्यादा थकान महसूस करेंगे। वैसे भी हर दिन पर्याप्त पानी पीना चाहिए लेकिन नींद आने और थकान लगने पर जागते रहने के लिए थोड़ा ज्यादा पानी पीना चाहिए। गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट में ज्यादा चौकन्ने रहेंगे।

सूर्य का प्रकाश : सूर्य का प्रकाश तुरंत और प्रभावशाली रूप से मूड को ठीक करता है। यह विटामिन-डी के उत्पादन को प्रेरित करता है और मौसम के कारण होने वाले मूड में बदलाव से बचाता है। जब आपको नींद आ रही हो तो सूर्यप्रकाश जागते रहने में सहायक है। अपने पदरे को खोलें और सूर्य के प्रकाश को अंदर आने दें।

गहरी-गहरी सांसें लें : सांस लेने की यह विधा जागते रहने में सहायक है। अपनी नाक से सांसों को अंदर-बाहर छोड़ें तथा अपने पेट को डायफ्राम की तरफ खींचें। बेहतर परिणाम के लिए इसे शीघ्रता से करने का प्रयास करें। इसे आप भोजनावकाश में भी कर सकते हैं।

हर 30 मिनट में क्रियाशील हो जाएं : पूरा दिन कंप्यूटर या टीवी के सामने रहने से आप और भी थकान और नींद महसूस करेंगे। जागते रहने के लिए आपके शरीर को क्रियाशील रहने की आवश्यकता होती है। दिन भर कहीं ज्यादा तरोताजा रहने के लिए हर तीस मिनट पर उठकर अपने पैरों को खींचें।

थोड़ी झपकी ले लें : नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए झपकी लेना सबके लिए नहीं है, लेकिन यह कारगर है। चाहे यह केवल 10 से 15 मिनट की ही हो लेकिन यह चमत्कारी होता है। हलांकि कुछ लोगों को झपकी के बाद और नींद आती है। झपकी के बाद नींद का अहसास दूर होने में 35 मिनट तक का समय लग सकता है।

ताजी हवा : जब आपको नींद आ रही हो तो जागते रहने के लिए ताजी हवा की गहरी सांस की शायद कहीं ज्यादा फायदेमंद होगी। अगर आप काम पर हैं तो खिड़कियों को खोलें या फिर ब्रेक में या भोजनावकाश में बाहर निकलें। अगर आप कार में हैं तो खिड़कियों को खोल कर अंदर की हवा को तरोताजा करें।

थोड़ा टहलें : बैठे रहने से नींद नहीं जाती है। जब आपको नींद आए तो आपके चाहे कितने ही काम पड़े हों थोड़ा टहल कर आएं। यह नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने में बहुत कारगर है। अगर आप काम पर हैं और बहुत दूर जाना मुमकिन न हो तो कुछ पेय बनाएं या फिर अपने सहकर्मी के पास तक जाएं।

सही भोजन चुनें : जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। नाश्ते को न छोड़े और दोपहर के भोजन में वसा युक्त भोजन न लें। दिन भर प्रोटीन से भरपूर कुछ हल्का-फुल्का अवश्य लेते रहें और कॉफी तथा अन्य पेय पदार्थो से परहेज करें।

दिल को बल देता है पीपल

पीपल में काफी तकत होती है। ये ऑकसीजन के साथ-साथ किडनी व दिल के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। पीपल के 15 पत्ते लें जो कोमल गुलाबी कोंपलें न हों, बल्कि पत्ते हरे, कोमल व भली प्रकार विकसित हों। प्रत्येक का ऊपर व नीचे का कुछ भाग कैंची से काटकर अलग कर दें। पत्ते का बीच का भाग पानी से साफ कर लें। इन्हें एक गिलास पानी में धीमी आंच पर पकने दें। जब पानी उबलकर एक तिहाई रह जाए तब ठंडा होने पर साफ कपड़े से छान लें और उसे ठंडे स्थान पर रख दें, दवा तैयार। इस काढ़े की तीन खुराकें बनाकर प्रत्येक तीन घंटे बाद प्रात- लें। हार्ट अटैक के बाद कुछ समय हो जाने के पश्चात लगातार पंद्रह दिन तक इसे लेने से हृदय पुन- स्वस्थ हो जाता है और फिर दिल का दौरा पड़ने की संभावना नहीं रहती। दिल के रोगी इस नुस्खे का एक बार प्रयोग अवश्य करें।

> प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें
>
> मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें
>
> नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें

1. दिल को ताकत देते हैं ये पत्ते : पीपल के पत्ते में दिल को बल और शांति देने की अद्भुत क्षमता है।

2. किसी समय लेना चाहिए : इस पीपल के काढ़े की तीन खुराकें सवेरे आठ बजे, ग्यारह बजे व दो बजे ली जा सकती हैं।

3. नाश्ता करने के बाद लें खुराक : पीपल खुराक लेने से पहले पेट एक दम खाली नहीं होना चाहिए, बल्कि सुपाच्य व हल्का नाश्ता करने के बाद ही लें।

4. ये चीजें न लें : प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें। मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें। नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें।

5. कौन सी चीजें लें : अनार, पपीता, आंवला, बथुआ, लहसुन, मैथी दाना, सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ आदि लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यो में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

काकुरो पहेली - 4060

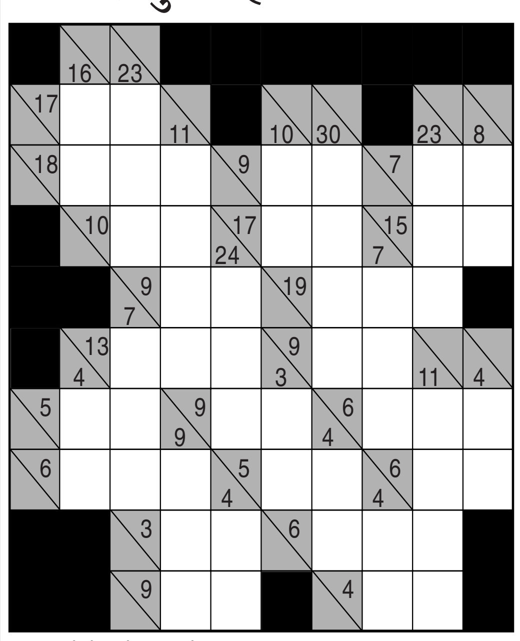

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

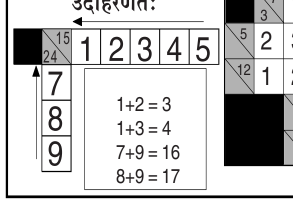

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4060 का हल

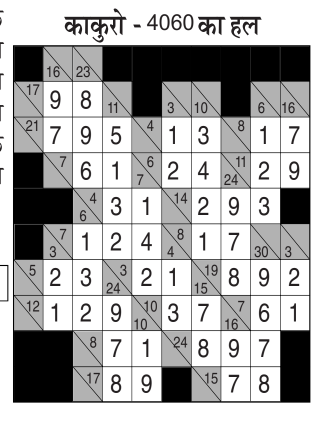

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

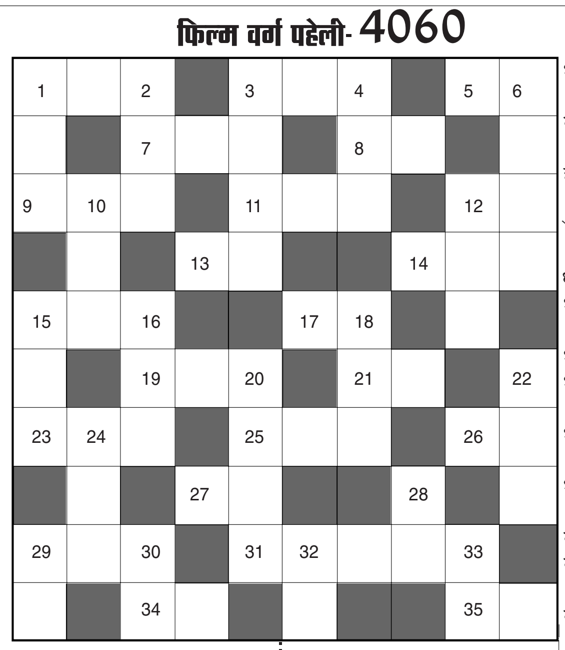

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

सूडोकु -4060

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -696 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	4058		4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली -4060

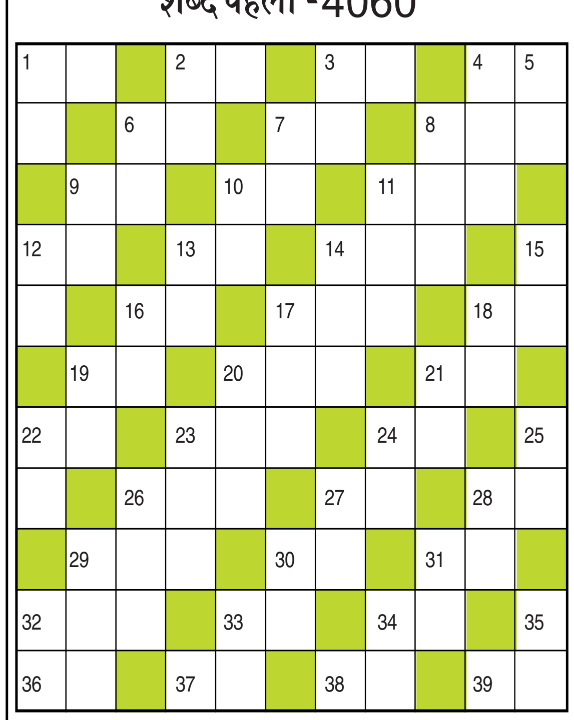

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4060 का हल

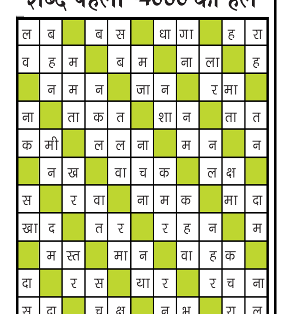

अपर्णा यादव ने अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को सराहा, ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस को घेरा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भाजपा की वरिष्ठ नेता अपर्णा यादव ने राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और योगदान पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, 'अहिल्याबाई होल्कर के बारे में हर किसी को जानना चाहिए, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में समाज के लिए आदर्श स्थापित किए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) पिछले एक साल से लोकमाता अहिल्याबाई पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस मंच के माध्यम से हमें आज अपने विचार साझा करने का अवसर मिला है। राजमाता अहिल्याबाई होल्कर ने न केवल मालवा साम्राज्य को समृद्ध किया, बल्कि काशी विश्वनाथ मंदिर सहित कई मंदिरों का पुनर्निर्माण कर सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया। उनकी बुद्धिमत्ता, शक्ति और ज्ञान आज भी प्रेरणा देती है। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने चाहिए।' इसके साथ ही, अपर्णा यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) की मीडिया सेल द्वारा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के खिलाफ की गई व्यक्तिगत टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, किसी भी पार्टी या व्यक्ति के खिलाफ इस तरह की निजी टिप्पणी करना पूरी तरह गलत है। राजनीति में शालीनता और मर्यादा का पालन होना चाहिए।

स्वर्ण मंदिर पर हमले की कोशिश पाकिस्तान की आतंकी सोच की पराकाष्ठा : तरुण चुघ

अमृतसर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि 8 मई को पाकिस्तान की तरफ से अमृतसर स्थित पवित्र स्वर्ण मंदिर (श्री हरिमंदिर साहिब) को निशाना बनाने की कोशिश उसके नैतिक दिवालियापन और धार्मिक कट्टरता से प्रेरित आतंकी सोच की पराकाष्ठा है। यह भारत की आत्मा पर हमला है। तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वीर सेना ने पाकिस्तान की इस नीच हरकत को समय रहते असफल कर श्री हरिमंदिर साहिब की सुरक्षा की है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। उसने जानबूझ कर हमारे धार्मिक पवित्र मंदिर को निशाना बनाने की कोशिश कर अपने आतंक के चेहरे को उजागर किया। यह उसकी घटिया मानसिकता को दिखाता है। हमारी सेना ने पाकिस्तान के आम जनमानस को टार्गेट नहीं किया था, बल्कि वहां चल रहे और पल रहे आतंकी ठिकानों को नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से की गई कायराना हरकत को सरकार और सेना की ओर से त्वरित कार्रवाई ने न केवल विफल किया बल्कि अमृतसर को एक बड़े खतरे से बचाया। भारत की सरकार और सेना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब आतंकवाद और कट्टरता के विरुद्ध पूरी ताकत से खड़ा है।

आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करना बहुत जरूरी : प्यारे जिया खान

नागपुर। महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे जिया खान ने सात प्रतिनिधिमंडलों में 40 सांसदों को विदेश भेजे जाने पर कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बहुत अच्छा फैसला है। आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करना बहुत ही जरूरी है। प्यारे जिया खान ने कहा कि भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया है। हमें पूरी दुनिया में पाकिस्तान का असली चेहरा दिखाना चाहिए। उन्होंने समाचार एजेंसी से कहा कि नागपुर के स्कूल में बच्चों को दाखिला नहीं देने के मामले में स्कूल के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज हो गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास' पर काम करती है। यहां सभी समाज का विकास होना चाहिए। जो भी गलत करेगा, उसे जेल में डाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूरे महाराष्ट्र में अल्पसंख्यकों के शिक्षण संस्थानों में भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी की मांग की है। नागपुर में एसआईटी गठित कर दी गई है।

सरकारी शिष्टमंडल के चयन में सरकार ने तोड़ी संसदीय परंपराएं : पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने सरकार की ओर से भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे संसदीय परंपराओं और शिष्टाचार का अपमान करार देते हुए कहा कि सरकार ने पहले विपक्षी दलों से नाम मांगे और फिर उनकी सिफारिशों की अनदेखी कर मनमाना रवैया अपनाया। चव्हाण ने कहा, देखिए इस डेलिगेशन का उद्देश्य क्या था? उद्देश्य यह था कि देश के सभी राजनीतिक दल इस मुद्दे पर एक हैं और सभी मिलकर विदेशों में जाकर सारी दुनिया के सामने आपकी बात रखेंगे। अगर यह उद्देश्य सफल नहीं होता तो मैं समझता हूं की गलती किसकी है, यह तो सोचना पड़ेगा। देखिए दो परंपराएं हैं। संसदीय शिष्टमंडल की अलग परंपरा होती है लेकिन ये संसदीय शिष्टमंडल नहीं है, ये सरकारी शिष्टमंडल है।

योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं नागरिक : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत जिले के समालखा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र परिसर में ऋषिकुलम् वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस केंद्र की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने दैनिक जीवन में योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर की गई थी, आज वे साकार होते प्रतीत हो रहे हैं। यह केंद्र न केवल ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि हमारी सनातन परंपराओं और संस्कारों को और प्रगाढ़ कर रहा है। उन्होंने इस अवसर पर संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज

देश को दो चीजों की आवश्यकता है, पहली हमारी सीमाएं सुरक्षित हों और दूसरा हमारा शरीर स्वस्थ हो और यह केंद्र वेलनेस सेंटर के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित और जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक कीटनाशकों के अत्याधिक उपयोग से बचें और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्किल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जहां लगभग 450 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और यह केंद्र उन्हें उस दिशा में मार्गदर्शन और साधन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह संस्था को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना सक्रिय योगदान दें। इस मौके पर माधव जन सेवा न्यास के अध्यक्ष पवन जिंदल ने कहा कि यह वेलनेस सेंटर उन लोगों के लिए नींव का पत्थर होगा जो तनाव मुक्त रहना चाहते हैं। उन्होंने वेलनेस सेंटर का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया।

केंद्र सरकार को साफ करना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई तीसरा व्यक्ति नहीं चाहिए : अशोक गहलोत

एजेंसी

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता की पेशकश को स्पष्ट रूप से खारिज करना चाहिए था। उन्होंने सरकार पर डैमेज कंट्रोल के लिए तिरंगा यात्रा निकालने का आरोप लगाया।अशोक गहलोत ने कहा, सरकार यह मानने को तैयार नहीं कि उससे गलती हुई। ट्रंप होते कौन हैं बीच में बोलने वाले? सरकार को कहना चाहिए था कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई तीसरा व्यक्ति नहीं चाहिए। अब ट्रंप कह रहे हैं कि उन्होंने मध्यस्थता कराई,ऐसे में कौन सच बोल रहा है? सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। यह मामला देश की संप्रभुता से जुड़ा है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसके अलावा, गहलोत ने विदेश में पाकिस्तान को बेनकाब करने और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने जा रहे संसदों के प्रतिनिधिमंडल के लिए सांसदों के चयन को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश की। गहलोत ने कहा, कांग्रेस ने चार सांसदों के नाम भेजे थे, लेकिन सरकार ने दावा किया कि उसने नाम मांगे ही नहीं। फिर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन क्यों किया? यह साफ दिखाता है कि भाजपा ने शरारत की और चार नए नाम चुन लिए।

अंतिम छोर तक किसान के खेत तक पानी पहुंचे, इस लक्ष्य के साथ काम करें अधिकारीः ओम बिरला

एजेंसी

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा के केडीए सभागार में आयोजित एकीकृत पीकेसी-ईआरसीपी (राम जल सेतु लिंक परियोजना) की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना से कोटा-बून्दी सहित राजस्थान के अनेक जिलों में जल संकट का समाधान होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना से जुड़े सभी निर्माण कार्यों को तेज़ी से और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए जल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। बिरला ने कहा कि यह परियोजना न केवल हाड़ौती संभाग बल्कि राज्य के कई जिलों के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि कोटा बैराज की दायीं व बायीं मुख्य नहरों और माइनरों को पक्का करने पर 2300 करोड़ रूपये खर्च होंगे, जिससे टेल तक पानी पहुँच सकेगा। सांगोद, लाडपुरा, करवर और रामगंजमंडी जैसे क्षेत्र जो अब तक सिंचाई से वंचित थे, उन्हें भी इस परियोजना में शामिल किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा एवं बूंदी जिले में बनने वाले बैराज, बांध, फीडर और कृत्रिम जलाशयों के निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और इन कार्यों में गति लाने के

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल से वंचित गांवों को परियोजना से जोड़कर वहां तक पानी पहुंचाया जाए और परियोजना से जुड़े सभी कार्य समयसीमा में पूरे हों। ईआरसीपी कॉर्पोरेशन के मुख्य अभियंता रवि सोलंकी ने परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि संशोधित पीकेसी लिंक योजना से जयपुर, कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, सवाई माधोपुर, टोंक, अजमेर, अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, दौसा सहित 16 जिलों को लाभ मिलेगा। परियोजना में कूल, पार्वती, कालीसिंध, मेज और बनास नदियों पर रामगढ़, महलपुर, नवनेरा, मेज और नीमोद राठौड़ बैराज का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा ईसरदा और डंगरी में बांध तथा अजमेर और अलवर में कृत्रिम जलाशय बनेंगे। बीसलपुर बांध की जल क्षमता भी 0.50 मीटर बढ़ाई जाएगी। कोटा जिले में कालीसिंध नदी पर नवनेरा बैराज का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसकी क्षमता 196.22 एमसीएम है। यहां से जल उपयोग हेतु नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना के तीन चरणों में कार्य किया जा रहा है।

पैकेज-1 में रामगढ़, महलपुर बैराज और नवनेरा पंप हाउस; पैकेज-2 में डिलीवरी सिस्टम से मेज एनीकट तक फीडर एवं चंबल नदी पार करने हेतु एक्वाडक्ट का निर्माण और पैकेज-3 में मेज एनीकट पर इंटेक, पंप हाउस और फीडर तंत्र का कार्य शामिल है। परियोजना के अंतर्गत 2.21 लाख हैक्टेयर नए सिंचित क्षेत्र का विकास और 1.52 लाख हैक्टेयर मौजूदा सिंचित क्षेत्र का पुनर्स्थापन होगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे सुविधाओं का हो रहा निरंतर सुदृढ़ीकरण : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा (22 मई) के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक चौबन्द करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी तय जिम्मेदारियों के अनुसार काम करें तथा आपस में समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। शर्मा ने कहा कि तेज गर्मी के मद्देनजर आयोजन स्थल पर आमजन के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, आवागमन सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का उचित संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनता को किसी भी तरह की असुविधा ना हो। उन्होंने बीकानेर कलक्टर को एयरपोर्ट, हेलीपैड तथा सभा स्थल पर सभी व्यवस्थाओं को समयानुसार पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गृह विभाग आगंतुकों के लिए सुरक्षा पास, यातायात प्रबंधन जैसी समुचित व्यवस्थाएं करें।

संबंधित विभाग नोडल अधिकारी करें नियुक्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए अपने-अपने

विभाग का नोडल अधिकारी नियुक्त करें। साथ ही, शर्मा ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री कार्यालय एवं रेलवे विभाग से आवश्यकतानुसार समन्वय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं संचार विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को भी प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बिहार में अपराधियों को खुली छूट मिली हुई है : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना । बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आपराधिक घटनाओं को लेकर नीतीश सरकार को घेरते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'अचेत अवस्था' में हैं और सरकार ने अपराधियों को खुली छूट दे रखी है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में ऐसा कोई दिन नहीं है, जब हर जिले में जघन्य अपराध न हो रहे हों। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की हालत भयावह हो चली है। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं और उनके कार्यों से यह स्पष्ट है कि वे अब बिहार पर शासन करने के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों ने बिहार में हड़कंप मचा रखा है, लेकिन कोई समीक्षा नहीं हो रही है। सभी को चुनाव का टेंशन है कि कैसे होगा। सिर्फ वे कुर्सी के चक्कर में पड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, 'हाल के दिनों में एक समीक्षा बैठक हुई हो तो बताइए। लगातार अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। अपराधियों को खुली छूट मिली हुई है। कल भी व्यवसायी की हत्या हुई है। हर जिले

में व्यवसायियों की हत्या हो रही है। बच्चियों पर अत्याचार हो रहा है। कई जगहों पर तो मैं खुद गया हूं, लेकिन सरकार का कोई व्यक्ति बता दीजिए जो पीड़ितों से मिला हो? ये बहुत ही भयावह स्थिति है।' तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि शासन में भाजपा हो या जदयू, इन्हें बिहार और बिहारियों से कोई मतलब नहीं है। बिहार में इन्हें पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई से कोई मतलब नहीं है। इन्हें गरीबी और पलायन से भी कोई मतलब नहीं है।

पीएम मोदी 31 मई को मध्य प्रदेश प्रवास पर जाएंगे, तैयारी में जुटी सरकार

एजेंसी

भोपाल। होलकर राजवंश की अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर मध्य प्रदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भोपाल में महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम और महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिस्सा लेने वाले हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मुख्यमंत्री आवास के समत्व भवन में अधिकारियों की एक बैठक में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित मध्य प्रदेश प्रवास की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को सभी आवश्यक तैयारियां और व्यवस्थाएं समयबद्ध और समुचित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम और महिला सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। पीएम मोदी के इसी प्रवास को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती समारोह के आयोजन को लेकर गठित समिति की बैठक संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई का धर्मनिष्ठ जीवन, जनसेवा, सुशासन और राजधर्म की मर्यादा, हमारे शासन की पथप्रदर्शक है। हमारी सरकार ने इस ऐतिहासिक वर्ष को प्रदेशभर में जनभागीदारी से व्यापक स्तर पर मनाते हुए, उनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया है। मध्य प्रदेश सरकार 20 मई को अहिल्या माता के 300वें जयंती वर्ष के समापन अवसर पर उनके जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को समर्पित राजवाड़ा इंदौर में कैबिनेट बैठक का आयोजन करने जा रही है, जहां प्रदेश के विकास एवं लोककल्याण से संबंधित विभिन्न निर्णय लिए जाएंगे। राज्य में देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित कार्यक्रमों के आयोजन पर सरकार का जोर है।

सीडीएस अनिल चौहान ने किया सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन और नलिया एयरबेस का दौरा, बढ़ाया जवानों का हौसला

एजेंसी

सूरतगढ। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों का मनोबल बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन और नलिया एयरबेस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सैनिकों के साथ बातचीत करते हुए उभरती सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर परिचालन तत्परता और लचीलेपन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सैनिकों की परिचालन तैयारियों और उच्च मनोबल की सराहना की और भविष्य के खतरों का प्रभावी ढंग से जवाब देने की उनकी क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। सीडीएस अनिल चौहान के साथ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर साउथ वेस्टर्न कमांड और एयर मार्शल

नागेश कपूर, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, साउथ वेस्टर्न एयर कमांड भी मौजूद रहे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों के अनुकरणीय साहस की सराहना भी की। उन्हें ऑपरेशन में इस्तेमाल की गई नवीनतम और मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों से अवगत कराया गया। जनरल चौहान ने इस दौरान वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के साथ रणनीतिक चर्चा भी की। जनरल चौहान ने ऑपरेशन के सक्रिय चरण के दौरान सैनिकों की असाधारण वीरता और क्षमता की सराहना की। शत्रु द्वारा सुरक्षा भंग करने के कई प्रयासों को बेअसर करने में भारतीय सैनिकों के समर्पण, दृढ़ साहस और दृढ़ प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ये सैनिक व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हैं। सीडीएस ने सैनिकों को पूरी क्षमता के साथ किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने संबोधन के दौरान सीडीएस ने अंतर-सेवा तालमेल की प्रशंसा की। जनरल चौहान ने स्थानीय नागरिक प्रशासन को भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और ऐसी गंभीर स्थिति में सैन्य-नागरिक तालमेल के महत्व को रेखांकित किया।

सीएम योगी ने मेरठ के इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लान की समीक्षा की, दिए विकास को गति देने के निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। मेरठ को स्मार्ट, स्वच्छ और सस्टेनेबल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लान' की गहन समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस योजना के अंतर्गत कुल 93 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 15 हजार करोड़ रुपये है। इनमें से 6 परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। सीएम योगी ने निर्देश दिए कि मेरठ की ऐतिहासिक, औद्योगिक और शैक्षणिक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए सभी योजनाएं पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप क्रियान्वित की जाएं। उन्होंने कहा कि मेरठ स्वतंत्रता संग्राम

से लेकर औद्योगिक विकास तक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। खेल उद्योग, शैक्षणिक संस्थान और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से निकटता के कारण यह शहर विशेष पहचान रखता है। इसे खेल, शिक्षा, संस्कृति और व्यापार की प्रेरणादायी नगरी के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर की भीड़-भाड़ और यातायात कंजेशन को दूर करने के लिए स्थानीय जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और नगर निगम को समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने स्मार्ट मेरठ नगर में केवल डिजिटल होर्डिंग लगाए जाने, पूरे नगर को सीसीटीवी कवरेज में लाने तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों और आम नागरिकों के सहयोग से निगरानी तंत्र को सशक्त बनाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कैमरों की फुटेज आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को सुलभ होनी चाहिए। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और सिटी बस सेवा में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरठ को पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकरणीय शहर के रूप में ढालना है। उन्होंने स्वच्छ नगर की परिकल्पना को साकार करने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण को सुनिश्चित करने और नदियों के पुनर्जीवन के लिए ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए।

ममता बनर्जी राष्ट्रहित के मुद्दों पर कर रहीं राजनीति, यह विश्वासघाती कदम ~ अग्निमित्रा पॉल

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता और विधायक अग्निमित्रा पॉल ने विदेश जाने वाले सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से सांसद यूसुफ पठान का नाम वापस लेने की निंदा करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगाया। अग्निमित्रा पॉल ने कहा, 'पिछली बार की तरह इस बार भी सीएम ममता बनर्जी राजनीति से ऊपर नहीं उठ पाई। देश में कई गैर-भाजपाई दल हैं, जो अपने प्रतिनिधियों को इस महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल में भेज रहे हैं। यह गर्व का विषय है। कांग्रेस के शशि थरूर जैसे नेता भी इस मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्हें भी शायद मना किया गया होगा, लेकिन उन्होंने देशहित को प्राथमिकता दी। यह प्रतिनिधिमंडल देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है, न कि किसी पार्टी विशेष का। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की आतंकवाद के खिलाफ मजबूत नीति को वैश्विक मंच पर रखने के लिए यह मिशन महत्वपूर्ण है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस का यह कदम उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है।' अग्निमित्रा पॉल ने तृणमूल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'यह स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस आतंकवाद के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके साथ खड़ी है। पाकिस्तान के कृत्यों का समर्थन करते हुए उन्होंने अपने प्रतिनिधि को इस मिशन से रोक दिया।

राजस्थान में सबसे ज्यादा अवैध बांग्लादेशी नागरिक सीकर में हुए चिन्हित, 148 को वापस भेजा गया

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देश के बाद से राजस्थान में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की धरपकड़ जारी है । राजस्थान के गृह विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक 15 मई 2025 तक 17 जिलों में कुल 1001 अवैध बांग्लादेशी चिन्हित किए जा चुके है, जिसमें से 14 मई को 148 अवैध बांग्लादेशियों को जोधपुर एयरपोर्ट से हवाई जहाज के जरिये प्रत्यावर्तित किया जा चुका है। गृह विभाग के मुताबिक जयपुर पूर्व में 109, जयपुर उत्तर में 37, जयपुर पश्चिम में 43, जयपुर ग्रामीण में 29, अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को चिन्हित किया जा चुका है, जबकि

सीकर में 394 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को चिन्हित किया गया है । वहीं कोटपूतली-बहरोड़ नीमराणा में कुल 114, अलवर में 117 अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए है । जबकि भिवाड़ी में 67, सलूम्बर में 27, झुंझुनूं में 35, दौसा में 5, करौली में 3, अजमेर में 12, बीकानेर में 2, कोटा ग्रामीण में 2, डीडवाना-कुचामन में 4 और पाली में एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया है । कुल 1001 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों में से 376 पुरुष है, जबकि 284 महिलाएं है, वहीं 341 बच्चों की संख्या है । इनमे से 973 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों का डाटा एफआईपी पोर्टल पर डाटा अपलोड किया जा चुका है । इन सभी को डिटेन सेंटर में रखा गया है ।

हिरण्यकशिपु का शासन इतना कठोर था कि देव-दानव सभी उसके भय से उसके चरणों की वंदना करते रहते थे। भगवान की पूजा करने वालों को हिरण्यकशिपु कठोर दंड देता था। उसके शासन से सब लोक और लोकपाल घबरा गए। जब उन्हें और कोई सहारा न मिला तब वे भगवान की प्रार्थना करने लगे। देवताओं की स्तुति से प्रसन्न होकर नारायण ने हिरण्यकशिपु के वध का आश्वासन दिया।

शक्ति और पराक्रम के देव नृसिंह

नृसिंहावतार

नृसिंह अवतार भगवान विष्णु के प्रमुख अवतारों में से एक हैं। नृसिंह अवतार में भगवान विष्णु ने आधा मनुष्य व आधा शेर का शरीर धारण करके दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध किया था।

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को नृसिंह जयंती के रूप में मनाया जाता है। भगवान श्री नृसिंह शक्ति तथा पराक्रम के प्रमुख देवता हैं, पौराणिक मान्यता एवं धार्मिक ग्रंथों के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार लेकर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध किया था। नृसिंह जयंती का व्रत वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को किया जाता है। इसी पावन दिवस पर भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए भगवान विष्णु ने नृसिंह रूप में अवतार लिया तथा दैत्यों का अंत कर धर्म की रक्षा की। अतः इस कारणवश यह दिन भगवान नृसिंह की जयंती रूप में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपूर्ण भारत वर्ष में मनाया जाता है।

कथा

नृसिंह अवतार भगवान विष्णु के प्रमुख अवतारों में से एक है। नृसिंह अवतार में भगवान विष्णु ने आधा मनुष्य व आधा शेर का शरीर धारण करके दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध किया था। प्राचीन काल में कश्यप नामक ऋषि हुए, उनकी पत्नी का नाम दिति था। उनके दो पुत्र हुए, जिनमें से एक का नाम हिरण्याक्ष तथा दूसरे का हिरण्यकशिपु था। हिरण्याक्ष को भगवान श्री विष्णु ने पृथ्वी की रक्षा हेतु वाराह रूप में मार दिया था। अपने भाई की मृत्यु का प्रतिशोध लेने के लिए हिरण्यकशिपु ने सहस्त्रों वर्षों तक कठोर तप किया, ब्रह्माजी ने उसे अजेय होने का वरदान दिया। वरदान प्राप्त करके उसने स्वर्ग पर अधिकार कर लिया और स्वतः संपूर्ण लोकों का अधिपति हो गया। अहंकार से युक्त वह प्रजा पर अत्याचार करने लगा। इसी दौरान हिरण्यकशिपु की पत्नी कयाधु ने एक पुत्र को जन्म दिया, जिसका नाम प्रह्लाद रखा गया। प्रह्लाद भगवान नारायण का भक्त था। भगवान भक्ति से प्रह्लाद का मन हटाने के लिए हिरण्यकशिपु ने बहुत प्रयास किए, किंतु प्रह्लाद अपने मार्ग से विचलित न हुआ। इन बातों से क्षुब्ध हिरण्यकशिपु ने उसे अपनी बहन होलिका की गोद में बैठाकर जिंदा ही जलाने का प्रयास किया। होलिका को वरदान था कि अग्नि उसे नही जला सकती, परंतु जब प्रह्लाद को होलिका की गोद में बिठा कर अग्नि में डाला गया, तो उसमें होलिका तो जलकर राख हो गई, किंतु प्रह्लाद का बाल भी बांका नहीं हुआ। इस घटना को देखकर हिरण्यकशिपु क्रोध से भर गया, तब एक दिन हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से पूछा- बता, तेरा भगवान कहां है? इस पर प्रह्लाद ने विनम्र भाव से कहा कि प्रभु तो सर्वत्र हैं, हर जगह व्याप्त हैं। क्रोधित हिरण्यकशिपु ने कहा कि क्या तेरा भगवान इस स्तंभ (खंभे) में भी है? प्रह्लाद ने हां में उत्तर दिया। यह सुनकर क्रोधांध हिरण्यकशिपु ने खंभे पर प्रहार कर दिया, तभी खंभे को चीरकर श्री नृसिंह भगवान प्रकट हो गए और हिरण्यकशिपु को पकड़कर अपनी जांघों पर रखकर उसकी छाती को नखों से फाड़ डाला और उसका वध कर दिया। श्री नृसिंह ने प्रह्लाद की भक्ति से प्रसन्न होकर उसे वरदान दिया कि आज के दिन जो भी मेरा व्रत करेगा, वह समस्त सुखों का भागी होगा एवं पापों से मुक्त होकर परमधाम को प्राप्त होगा। अतः इस कारण से इस दिन को नृसिंह जयंती उत्सव के रूप में मनाई जाती है।

भगवान नृसिंह जयंती पूजा

नृसिंह जयंती के दिन व्रत-उपवास एवं पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करें। भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करनी चाहिए। तत्पश्चात वेदमंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोड्शोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह जी की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम केसर, नारियल, अक्षत व पीतांबर रखें। गंगाजल, काले तिल, पञ्चगव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। पूजा पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से इस नृसिंह भगवान जी के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दुःखों से मुक्त हो जाता है। भगवान नृसिंह अपने भक्त की रक्षा करते हैं व उसकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

नृसिंह मंत्र : ॐ उग्र वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम् ।
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहमं।।
ॐ नृम नृम नृम नर सिंहाय नमः।

इन मंत्रों का जाप करने से समस्त दुखों का निवारण होता है तथा भगवान नृसिंह की कृपा प्राप्त होती है।

भगवान श्री राम चंद्र जी का कार्य पूरा करने के लिए हुआ था

हनुमान जी का जन्म

राक्षसों के राजा रावण की राजधानी लंका चारों ओर समुद्र से घिरी हुई थी। वहां का दुर्ग (किला) भी बहुत विशाल और सुदृढ़ था। उसके चारों ओर हर समय बलवान राक्षसों का पहरा लगा रहता था। इस किले के चारों ओर बनाई हुई अत्यंत गहरी खाई अभेद्य कवच की तरह इसकी सुरक्षा करती थी, जिसे पार करना अत्यंत दुष्कर था। इसी किले के भीतर एक वाटिका थी, जिसे 'अशोकवाटिका' कहते थे। रावण ने माता सीता जी का हरण करके उन्हें इसी वाटिका में बन्दिनी बना रखा था तथा उनके आसपास चारों ओर भयानक राक्षसियों को पहरे पर बिठा रखा था। ऐसी स्थिति में किसी का भी सीता जी के पास पहुंच सकना एकदम असंभव-जैसा था। सबसे बड़ी समस्या समुद्र को पार करने की थी। इसकी चौड़ाई सौ योजन (800 मील) थी। बिना इसको पार किए किसी के लिए भी लंका पहुंचना असंभव था। सब लोग इस समस्या को लेकर बहुत ही चिंतित थे। अंगद ने सभी मुख्य-मुख्य सेनापतियों से समुद्र पार करने के विषय में अपनी-अपनी शक्ति तथा बल का परिचय देने को कहा। अंगद की बातें सुनकर वानरवीर गज ने कहा, ''मैं दस योजना की छलांग लगा सकता हूं।''

गवाक्ष ने बीस योजन तक जाने की बात कही। शरभ ने अपनी क्षमता तीस योजन तक बताई। वानर श्रेष्ठ ऋषभ ने कहा, ''मैं चालीस योजन की छलांग लगा सकता हूं।''

गन्धमादन नामक परम तेजस्वी वानर ने एक छलांग में पचास योजन तक चले जाने की बात बताई। मैन्द ने बताया कि वह एक छलांग में साठ योजन तक जा सकते हैं। परम बलशाली वानर राज द्विविद ने कहा, ''मैं एक छलांग में सत्तर योजन तक की दूरी पार कर सकता हूं।'' वानर श्रेष्ठ सुषेण ने एक छलांग में अस्सी योजन लांघ जाने की बात कही।

सब की बातें सुनकर भालुओं के सेनापति जाम्बवान् ने कहा, ''अब मैं बहुत बूढ़ा हो चला हूं। मुझमें पहले-जैसा बल नहीं रह गया है लेकिन मैं एक छलांग में नब्बे योजन तक चला जाऊंगा। इसमें संदेह नहीं है।''

अंगद ने कहा, ''मैं एक छलांग में इस सौ योजन चौड़े समुद्र को पार कर जाऊंगा। लेकिन लौटते समय भी मुझमें इतनी ही शक्ति रह पाएगी। इस बात को लेकर मेरे मन में संदेह है।'' अंगद की बातें सुनकर जाम्बवान् ने कहा, ''बालिपुत्र अंगद! तुम युवराज और सबके स्वामी हो। तुम्हें किसी प्रकार भी कहीं भेजा नहीं जा सकता।''

अंत में वृद्ध जाम्बवान् ने हनुमान जी को देखा। वह उस समय चुपचाप एक किनारे शान्त बैठे हुए थे। जाम्बवान् ने कहा, ''वीरवर हनुमान! तुम इस तरह चुप्पी साधकर क्यों बैठे हो? तुम पवन देवता के पुत्र हो। उन्हीं के समान बलवान हो। तुम बल, बुद्धि, विवेकशील में सर्वश्रेष्ठ हो। तुम्हारी समता करने वाला तीनों लोकों में कोई दूसरा नहीं है। बालपन में ही तुमने ऐसे-ऐसे अद्भुत कार्य किए हैं, जो दूसरों के लिए असंभव हैं। लंका जाकर भगवान श्री राम चंद्र जी का संदेश माता सीता जी तक पहुंचाने के लिए मैं तुमसे अधिक योग्य किसी को नहीं समझता हूं। इस सौ योजन चौड़े समुद्र को लांघ जाना तुम्हारे लिए कौन-सी बड़ी बात है? तुम्हारा तो जन्म ही भगवान श्री राम चंद्र जी का कार्य पूरा करने के लिए हुआ है?''

वास्तु

रसोई में रखें वास्तु का ध्यान परिवार पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव

अगर रसोईघर अनुकूल दिशा में न हो या उसके अंदर कोई वास्तुदोष लग गया हो तो निम्न सुझावों के द्वारा वास्तु दोषों को दूर किया जा सकता है-

- अगर घर की रसोई सही दिशा में न हो तो गैस-चूल्हा अग्नि दिशा में स्थापित करें।
- खाना पकाते समय गृहिणी अपना मुंह पूर्व दिशा में रखे तथा रसोई के अंदर तुलसी का पौधा स्थापित करें। वाश बेसिन चूल्हे के पास न बनाएं।
- अगर वाश बेसिन चूल्हे के पास है तो रसोई के बर्तन रसोई की अग्नि ठंडी होने के बाद साफ करें।
- गैस सिलैंडर हमेशा दक्षिण दिशा में स्थापित करें। अगर दक्षिण में स्थान नहीं तो उसे पश्चिम दिशा में स्थापित किया जा सकता है।
- अगर रसोई दक्षिण दिशा में है तो गृहिणी जहां खड़े होकर खाना तैयार करती है उसके ऊपर पिरामिड लगाना उत्तम माना जाता है।
- घर के अंदर तैयार खाने व पकवान को उत्तर या पूर्व दिशा में रखें।
- रसोईघर के अंदर भूल कर भी पूजा का स्थल या देव स्थान या पितृ स्थान आदि न बनाएं। ऐसा करने से घर के प्रत्येक कार्य में बाधा आती है तथा सफलता कम मिलती है।
- खाना तैयार होने के बाद या खाना पकाने के समय घर के भोजन पाने वाले लोगों को रसोईघर के अंदर बैठ कर भोजन नहीं करना चाहिए।
- घर की रसोई अनुकूल न होने पर उसके अंदर दक्षिण दिशा की ओर एक बल्ब स्थापित करें तथा उसको निरंतर रात्रि तथा भोजन तैयार करने के बाद जलने दें। लगाया गया बल्ब 50 वाट से अधिक बड़ा नहीं होना चाहिए।
- खाना तैयार करते समय गृहिणी को काले या लाल रंग के चप्पल, जूते आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि काले रंग को अग्नि का कुचालक माना जाता है तथा लाल रंग को अग्नि का स्रोत माना जाता है जिससे स्वास्थ्य खराब होने की पूर्ण संभावनाएं बढ़ जाती हैं।
- रसोई के अंदर पूर्व में स्थापित खिड़की व रोशनदान आदि को खाना तैयार करते समय खोल कर रखना चाहिए।
- गृहिणी को रसोई तैयार करते समय प्रसन्न रहना अति आवश्यक है। तनाव या मानसिक दुविधा की स्थिति में खाना तैयार करने से परिवार के लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा तथा सभी चिंतित रहेंगे।

भीतर के अंधेरे से कैसे लड़ें?

ध्यान की कुदाली से अज्ञान की पर्त को काटें। सत्य समझ में आने लगेगा।

भारतीय धर्म-दर्शन कहता है कि अगर आप सत्य का दीदार करना चाहते हैं, तो अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ें। भीतर के 'ज्ञानदीप' को जलाकर मीरा ने सत्य का दीदार किया था। यह विलक्षण दीप है, जिसमें कभी न घटने वाला प्रेम का तेल है और कभी न बुझने वाली दिव्य मन की बाती।

भीतर वासना की काली बदली छाई हुई है। ज्ञान की ज्योति उसके नीचे सिमटकर रह गई है। थोड़ा ध्यान जगे-प्रेम जगे तो यह बदली छंटने लगेगी, ज्ञान की रश्मियां अन्तर्मन को प्रकाशित कर देगी और सत्य जगमगाने लगेगा। भीतर-बाहर शुद्धि के लिए गोस्वामी तुलसीदास ने 'ज्ञानदीप' की महिमा का बखान किया है। आचार्य शंकर कहते हैं कि देह के भीतर तीन तस्कर- काम, क्रोध और लोभ- ज्ञानरूपी मणि का अपहरण करने के लिए घात लगाए बैठे हैं। ज्ञान का दीप बुझाते ही वे सद्गुणों का अपहरण कर लेते हैं और मनुष्य पतन के गर्त में गिर जाता है।

भगवान बुद्ध की देशना है- 'अप्प दीपो भव'। यानी अपना दीया स्वयं बनो और भव-बंधन से मुक्त हो जाओ। जैसे सूर्यास्त कभी नहीं होता वैसे ज्ञानदीप कभी नही बुझता। अज्ञान का पर्दा उठाएं, ज्ञान का सूर्य चमकने लगेगा। प्रकृति ने जुगनू के पंखों में रोशनी का उपहार दिया है। फिर भी वह अमावस के अंधेरे में अपनी मंजिल को लेकर चिंतित है। उसे बोध नहीं है कि यदि वह पंख खोलेगा, तो उसकी रोशनी तिमिर को चीरकर रख देगी। साहस के साथ उड़ान भरें और तम से लडने का संकल्प लें। मनुष्य को 'विस्मृति-रोग' हो गया है। वह जानता ही नहीं कि वह साक्षात 'ज्ञानदीप' है।

ध्यान की कुदाली से अज्ञान की पर्त को काटें। सत्य समझ में आने लगेगा। आज हमारा मानसिक संघर्ष बाहरी अंधेरे से जूझने का नहीं है। उससे तो सूर्य और दीपक सभी लड़ रहे हैं। भीतर के अंधेरे से कैसे लड़ें? एक नन्हा दीपक अपने निर्माता इंसान को आश्वस्त करता है कि यदि आप अंधेरे से लडना चाहते हैं तो अंधेरे से यारी निभाना छोड़ दें। सभ्यता की दुनिया की चकाचौंध में अंधेरा हमारा साथ छोड़ता ही नही। रोशनी बाहर से लानी पड़ती है, अंधेरा भीतर बना रहता है। कोई धर्म या अध्यात्म के नाम पर तो कोई राजनीति या समाजसेवा के नाम पर पसरे अंधकार को रोशनी बता रहा है। ये छली लोग हैं, जो रोशनी के नाम पर अंधकार का खेल खेल रहे हैं। यदि हम ऐसे खेल में शिरकत नही करते तो अंधेरा कम जरूर होगा।

खेलो इंडिया बीच गेम्स की शुरुआत दीव के घोघला बीच पर बीच सॉकर ग्रुप मैचों के साथ हुई

एजेंसी

दीव। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 (केआईबीजी) के पहले संस्करण की शुरुआत दीव के घोघला बीच पर हुई। इस दिन बीच सॉकर मुख्य आकर्षण रहा। अरब सागर की चमकती लहरों के बीच गोवा और राजस्थान ने लड़कों के दिन का पहला मैच खेला। हालांकि, परिणाम एकतरफा रहा। बीच गेम्स में माहिर गोवा ने 13-9 से जीत के साथ अपना विजयी अभियान शुरू किया।गोवा में समुद्र तटों की भरमार है, जबकि राजस्थान में कोई समुद्र तट नहीं है। इसका मतलब है कि गोवा के लोग घर जैसा माहौल महसूस कर रहे थे और राजस्थान के खिलाड़ी संघर्ष करते नजर आ रहे थे। इससे यह सवाल उठता है- क्या गैर-तटीय टीमों के लिए केआईबीजी 2025 में मुश्किलें आने वाली हैं? इसका जवाब यह है कि कि यह कोई जरूरी नहीं, क्योंकि पिछले साल दीव बीच गेम्स में मध्य प्रदेश (जो एक गैर-तटीय राज्य है) ने सबसे ज्यादा पदक जीते। हालांकि यह कहना गलत नहीं होगा कि गैर तटीय राज्यों के लिए निश्चित रूप से चुनौतियां होंगी। राजस्थान टीम के मैनेजर हरिओम ने केआईबीजी की अगुवाई में अपनी टीम के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात करी। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए आसान नहीं है। एक गैर-तटीय राज्य के लिए तट पर खेलना हमेशा से मुश्किल रहा है। मेरा मतलब है कि हम राजस्थान में खेल के कृत्रिम मैदान पर अभ्यास करते हैं।

केकेआर ने शिवम शुक्ला और आरसीबी ने मुजरबानी को किया शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बाकी बचे मुकाबलों के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर)और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपनी-अपनी टीमों में बदलाव किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पावेल की जगह शिवम शुक्ला को टीम में शामिल किया है। इसी तरह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी की जगह जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़रबानी को टीम में शामिल किया है। पावेल टॉन्सिल की सर्जरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर शामिल किए गए शिवम शुक्ला लेग स्पिनर हैं, जो घरेलू क्रिकेट में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें 30 लाख रुपये में साइन किया गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी की जगह जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़रबानी को टीम में शामिल किया है। एनगिडी 26 मई, 2025 से दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए आईपीएल छोड़ेंगे। ऐसे में आरसीबी ने मुज़रबानी को 75 लाख रुपये में टीम का हिस्सा बनाया है। ब्लेसिंग मुज़रबानी अब तक 70 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 78 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टेस्ट और 55 वनडे मुकाबलों में भी जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व किया है। उनके अनुभव को देखते हुए आरसीबी को उम्मीद है कि वह गेंदबाजी विभाग को मजबूती देंगे।

आदिल राशिद ने इंग्लैंड के नए कप्तान के रूप में ब्रूक का किया समर्थन

लंदन। इंग्लैंड के वरिष्ठ स्पिनर आदिल राशिद ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी पहली सीरीज से पहले नए कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन किया है। इंग्लैंड के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट में एक नया युग शुरू हो रहा है, हैरी ब्रूक 29 मई से वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पहली बार कप्तानी संभालेंगे। इंग्लैंड की टीम हाल के वर्षों में एक बदलाव के दौर से गुजर रही है। 2019 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप की जीत और 2022 टी20 विश्व कप की जीत के बाद, हाल ही में सफलता उनके हाथ नहीं लगी है। आईसीसी टूर्नामेंटों में उनके प्रदर्शन में उल्लेखनीय गिरावट आई है, 2023 क्रिकेट विश्व कप में वे सातवें स्थान पर रहे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में वे जीत दर्ज नहीं कर पाए। जोस बटलर के पद छोड़ने के फैसले के बाद, 26 वर्षीय हैरी ब्रूक को इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीनियर खिलाड़ी पूरी तरह से उनके साथ हैं, आदिल राशिद को पूरा भरोसा है कि ब्रूक टीम को आगे ले जाने के लिए सही व्यक्ति हैं।

ड्रीम स्पोर्टस पे अल्टीमेट टेबल टेनिस के साथ की साझेदारी

अहमदाबाद। जमीनी स्तर पर टेबल टेनिस के प्रोत्साहन देने की कवायद के तहत ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (डीएसएफ) ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के साथ एक विशेष साझेदारी की घोषणा की। यूथ डेवलपमेंट पार्टनर के रूप में, डीएसएफ ड्रीम यूटीटी जूनियर्स का उद्घाटन करेगा। यह एक अंडर-15 टेबल टेनिस टूर्नामेंट है, जिसे उभरती हुई टेबल टेनिस प्रतिभाओं को पेशेवर लीग का अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। ड्रीम यूटीटी जूनियर्स का उद्घाटन 29 मई से 8 जून तक अहमदाबाद में अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग के छठे संस्करण के साथ आयोजित किया जाएगा और इसे फैनकोड पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। साझेदारी पर बात करते हुए ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ और सह-संस्थापक हर्ष जैन ने कहा, ड्रीम स्पोर्ट्स में, हम 'खेलों को बेहतर बनाने' के अपने दृष्टिकोण से प्रेरित हैं।

आईपीएल 2025: सम्मान के लिए भिड़ेंगे सीएसके और राजस्थान रॉयल्स

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स की प्लेऑफ की उम्मीदें कब की खत्म हो चुकी हैं। दोनों ही टीमें अब केवल सम्मान के लिए इस मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेलने के उतरेंगी। इस मुकाबले में सबसे बड़ा सवाल यही होगा—कौन बच पाएगा इस सीजन की सबसे निचली पायदान यानी 'वुडन स्पून' से? सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के सीजन की कहानी एक जैसी खत्म हुई, लेकिन रास्ते काफी अलग रहे। राजस्थान रॉयल्स ने चार ऐसे मुकाबले गंवाए जो उनकी मुट्ठी में थे, वहीं चेन्नई की टीम अपने गौरवशाली इतिहास की परछाई बनकर रह गई। यह फ्रेंचाइज़ी का शायद अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा है।

जहां टीम के स्तर पर अब कोई बड़ी प्रेरणा नहीं बची है, वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज़ से यह मुकाबला कई खिलाड़ियों के लिए अहम साबित हो सकता है। युवा खिलाड़ियों और बाहर बैठे सितारों को खुद को साबित करने का एक और मौका मिलेगा, जो इस 'डेड-रबर'मुकाबले को देखने लायक बना सकता है। पिछले मुकाबले में इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस ने आसानी से 200 का लक्ष्य हासिल किया था।

हालांकि पिच में बदलाव संभव है, लेकिन आमतौर पर यहां आक्रामक बल्लेबाज़ी को मदद मिलती है। हेड टू हेड की बात करें तो सीएसके का राजस्थान पर अब तक 16-14 का बढ़त है, लेकिन साल 2020 के बाद से राजस्थान ने चेन्नई के खिलाफ 9 में से 7 मैच जीते हैं। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन, चेन्नई के स्पिन जोड़ी अश्विन-जडेजा के खिलाफ ज्यादा स्ट्राइक रेट से नहीं खेल पाए हैं। छोटे मैदान के बावजूद यह जोड़ी उन्हें परेशान कर सकती है।

ब्राजील के पूर्व मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने फ्लुमिनेंस क्लब को कहा अलविदा

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने रियो डी जेनेरियो स्थित फुटबॉल क्लब फ्लुमिनेंस से आपसी सहमति के आधार पर अपना नाता तोड़ लिया है। क्लब ने एक संक्षिप्त सोशल मीडिया बयान में यह जानकारी दी। फ्लुमिनेंस क्लब ने 37 वर्षीय खिलाड़ी के जाने के पीछे किसी कारण का उल्लेख नहीं किया। क्लब ने अपने बयान में कहा, फ्लुमिनेंस खिलाड़ी द्वारा दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। रेनेटो ऑगस्टो ने जनवरी 2024 में कोरिंथियंस से फ्लुमिनेंस में शामिल होकर सभी प्रतियोगिताओं में कुल 36 मैच खेले। उनका अनुबंध दिसंबर 2024 तक था, लेकिन उन्होंने समय से पहले ही क्लब को छोड़ दिया। 20 साल के अपने पेशेवर करियर में रेनेटो ने फ्लेमेंगो, जर्मन क्लब बायर लेवरकुसेन और चीनी क्लब बीजिंग

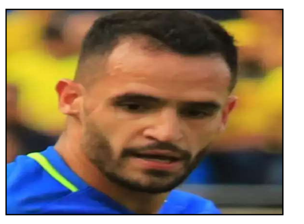

गुओआन के लिए भी खेला है। वे ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए 33 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और 2018 फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील की उस टीम का हिस्सा रहे जो क्वार्टरफाइनल तक पहुँची थी। रेनेटो के इस फैसले के बाद फुटबॉल जगत में उनके अगले कदम को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं।

आईपीएल 2025 से बाहर होने पर, एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत बोले- ख्रकई गैप थे जिन्हें भरना मुश्किल हो गया'

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का सफर आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया जब सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने उन्हें हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। मुकाबले के बाद कप्तान ऋषभ पंत ने टीम के प्रदर्शन पर खुलकर बात की और बताया कि चोटिल खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी ने टीम को काफी नुकसान पहुँचाया। पंत ने कहा, यह हमारे लिए सबसे अच्छा सीजन नहीं रहा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही हमें अंदाज़ा था कि चोटों के कारण कई गैप हैं। हमने सोचा कि इस बारे में बात नहीं करेंगे, लेकिन इन गैप्स को भरना मुश्किल होता चला गया। एलएसजी के लिए तेज़ गेंदबाज़ी विभाग सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ। मोहसिन खान पूरे सीजन से बाहर रहे, जबकि तेज़ गेंदबाज़ मयंक यादव, जिन पर टीम ने काफी भरोसा जताया था, ज्यादातर समय चोटिल रहे। मयंक की वापसी भी लंबी नहीं चल सकी और वह दोबारा कमर की चोट से जूझते नज़र आए। इसके अलावा अवेश खान और आकाश दीप भी फिटनेस समस्याओं से जूझते रहे और सीजन के बीच में ही टीम से जुड़ सके।ऋषभ पंत ने आगे कहा, हमने जिस तरह से नीलामी की

योजना बनाई थी, अगर वही गेंदबाज़ी अटैक होता तो शायद कहानी अलग होती। लेकिन यही क्रिकेट है, कभी चीजें आपके पक्ष में जाती हैं, तो कभी नहीं। हमें उन सकारात्मक बातों पर फोकस करना चाहिए जो हमें आगे बढ़ा सकती हैं। एलएसजी की बल्लेबाज़ी में इस सीजन दम ज़रूर दिखा। मिशेल मार्श और एडेन मार्करम की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम ने 205 रन बनाए, हालांकि पंत के मुताबिक यह स्कोर कम से कम 10 रन कम था। एसआरएच ने यह लक्ष्य सिर्फ 10 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। बावजूद इसके, कुछ सकारात्मक पहलू भी एलएसजी के लिए रहे। युवा लेग स्पिनर दिग्वेश राठी ने अपने डेब्यू सीजन में शानदार प्रदर्शन किया। 25 वर्षीय गेंदबाज़ ने 12 मैचों में 14 विकेट झटके और उनकी इकॉनमी 8.08 रही। भी उन्होंने 2 विकेट लिए और सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ रहे। पंत ने कहा, राठी ने जिस तरह से गेंदबाज़ी की, वह देखने में बहुत अच्छा रहा। वह हमारे लिए इस सीजन की सबसे बड़ी सकारात्मक चीज़ों में से एक रहे। सीजन के दो हिस्सों का अंतर बताते हुए पंत ने कहा, शुरुआत में हमने चीजों को संभाला, खिलाड़ी अच्छा खेल रहे थे, लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा, अच्छे प्रदर्शन कर रही टीमों के खिलाफ पकड़ बनाना मुश्किल होता गया। एलएसजी भले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई हो, लेकिन कुछ व्यक्तिगत प्रदर्शन और खिलाड़ियों की वापसी भविष्य के लिए टीम को उम्मीद जरूर देंगे।

आईपीएल 2025: प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई एलएसजी, चौथे स्थान के लिए मुंबई और दिल्ली में मुकाबला

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से एक और टीम बाहर हो गई है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। वह टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बन गई है। अब तीन टीमों - गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स - ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। चौथे और अंतिम स्थान के लिए अब मुकाबला सिर्फ दो टीमों के बीच - मुंबई इंडियंस (एमआई) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच है।

21 मई को होगा निर्णायक मुकाबला

आईपीएल के फिर से शुरू होने के बाद मुंबई इंडियंस का यह पहला मुकाबला होगा, जो 21 मई को वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच प्लेऑफ की तस्वीर काफी हद तक साफ कर सकता है। अगर मुंबई यह मैच जीतती है, तो उसके 16 अंक हो जाएंगे और वह सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी, भले ही उसका आखिरी लीग मैच पंजाब किंग्स के

खिलाफ बाकी हो। वहीं, दिल्ली अधिकतम 15 अंक तक ही पहुंच सकती है, इसलिए वह बाहर हो जाएगी।

अगर दिल्ली ने मुंबई को हराया तो समीकरण बदलेंगे

अगर दिल्ली कैपिटल्स यह मैच जीत जाती है, तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और मुंबई 14 पर ही रह जाएगी। ऐसे में दोनों टीमों के पास प्लेऑफ में पहुंचने का एक और मौका होगा, जो उनके अंतिम लीग मुकाबलों पर निर्भर करेगा। दिल्ली अगर अपने दोनों मैच जीतती है (मुंबई और पंजाब के खिलाफ), तो उसके 17 अंक हो जाएंगे और वह सीधे प्लेऑफ में पहुंचेगी। मुंबई अगर दिल्ली से हारने के बाद पंजाब को हराती है, तो उसके 16 अंक होंगे। यदि दिल्ली पंजाब से हार जाती है, तो वह 15 अंक पर रह जाएगी और बाहर हो जाएगी।

21 मई या 26 मई तक हो सकता है फैसला

चौथे प्लेऑफ स्पॉट की तस्वीर 21 मई को ही साफ हो सकती है, अगर मुंबई जीत जाती है। लेकिन अगर दिल्ली जीतती है, तो यह फैसला 26 मई तक खिंच सकता है, जब मुंबई और पंजाब के बीच आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। हालांकि प्लेऑफ में पहुंचने की रेस जल्द खत्म हो सकती है, लेकिन शीर्ष दो स्थानों की लड़ाई, जिससे फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलते हैं, वह लीग के अंतिम चरण तक जारी रहने की संभावना है।

आईपीएल 2025: हैदराबाद ने लखनऊ को 6 विकेट से हराया, प्लेऑफ से बाहर हुई लखनऊ सुपर जायंट्स

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अहम मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया और उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस तरह ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बन गई। खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 205 रन बनाए। लखनऊ की ओर से ओपनर मिशेल मार्श और एडन मारक्रम के बीच 115 रन की साझेदारी हुई। मार्श 65 रन और मारक्रम 61 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद निकोलस पूरन ने 45

की पारी खेली। इनके अलावा कोई बल्लेबाजी दहाई का आंकड़ पार नहीं कर सका। हैदराबाद के लिए ईशान मलिंगा ने दो विकेट चटकाए, जबकि हर्ष दुबे, हर्षल पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी को एक-एक सफलता मिली। 206 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत झटके के साथ हुई। सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे 13 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद अभिषेक शर्मा ने ईशान किशन के साथ पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 82 रनों की साझेदारी हुई। अभिषेक 20 गेंदों में 59 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें दिग्वेश राठी ने शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच कराया। इसके बाद ईशान किशन को हेनरिक क्लासेन का साथ मिला। दोनों ने कुछ अच्छे शॉट्स खेले और 41 रन जोड़े। किशन 28 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि क्लासेन 47 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे।

वहीं, कामिंदु मेंडिस 32 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें हैमस्ट्रिंग से जूझते देखा गया। अनिकेत वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी पांच-पांच रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ के लिए दिग्वेश राठी ने दो विकेट लिए जबकि विलियम ओरुर्के और शार्दुल ठाकुर को एक-एक सफलता मिली।

अंडर-19 क्रिकेट टीम में देश का प्रतिनिधित्व करेगा कनिष्क चौहान

एजेंसी

सिरसा। सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल ने बताया कि सिरसा का युवा क्रिकेटर कनिष्क चौहान अंडर-19 क्रिकेट टीम में इंग्लेंड में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। डा. वेद बैनीवाल सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले शाह सतनाम जी क्रिकेट अकादमी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिरसा का यह उभरता सितारा क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण और सामर्थ्य से भारत की अंडर-19 क्रिकेट का हिस्सा बना है जो न केवल सिरसा बल्कि समूचे हरियाणा के लिए गौरव का विषय है। डॉ. बेनीवाल ने इस मौके पर हाल ही में अंडर-19 की विजेता बनी सिरसा की टीम और अंडर-23 की फाइनल तक पहुंची क्रिकेट टीम को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि वे हर खिलाड़ी को एक बड़ा मंच देने के लिए तत्पर हैं, बशर्ते वह मैदान पर परफॉरमेंस दे। उनके जीवन में सिफारिश नाम के शब्द की कोई जगह नहीं है। इसका ज्वलंत उदाहरण भारत की टीम में हरियाणा के ख्यातिप्राप्त स्पिनर युजवेंद्र चहल है। डॉ. वेद बेनीवाल ने कहा कि वे अनुभव से कहते हैं कि कनिष्क चौहान में क्रिकेट की जो भूख है, उसी के चलते वह एक दिन सीनियर भारतीय क्रिकेट में भी अपना स्थान बनाएंगे। इससे पूर्व चयनकर्ता हितेश ने अपने संबोधन में खिलाडिों को प्रेरित करते हुए कहा कि क्रिकेटर्स को उनका असली मंच वे खुद अपनी प्रतिभा से दे सकते हैं।

हीरो हॉकी इंडिया लीग 2026 के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आज बहुप्रतीक्षित हीरो हॉकी इंडिया लीग (हीरो एचआईएल) 2026 के लिए खिलाड़ी पंजीकरण प्रक्रिया की शुरुआत की घोषणा की। पंजीकरण प्रक्रिया 19 मई 2025 को शाम 5 बजे से शुरू होकर 20 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे तक चलेगी। 2024–25 के पुनः आरंभ सत्र की शानदार सफलता के बाद आगामी संस्करण और भी भव्य और प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है। पिछली बार 8 पुरुष और 4 महिला फ्रेंचाइज़ियों ने इसमें भाग लिया था।

इसके तहत पुरुष खिलाड़ी के तौर पर पंजिकरण के लिए भारत के अलावा, नीदरलैंड्स, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, अर्जेंटीना, आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, मलेशिया और दक्षिण कोरिया के देश पात्र हैं। जबकि महिला खिलाड़ियों के लिए भारत के

साथ नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, चिली, जापान, अमेरिका और स्कॉटलैंड देश पात्र हैं। हॉकी इंडिया की ओर से भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए शुरू किए गए पंजिकरण लिंक जारी किया गया, जो https://forms.gle/xrVoZdRXoozf~SHS{ है। पिछले सीज़न में 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था, जो लीग की वैश्विक लोकप्रियता और नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए मंच की भूमिका को दर्शाता है। हॉकी इंडिया एवं हीरो एचआईएल संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग भारतीय हॉकी के लिए एक गेम चेंजर साबित हुई है। खिलाड़ियों और दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया ने हमें प्रेरित किया है कि हम 2026 संस्करण को और अधिक भव्य बनाएं। यह लीग न केवल भारत में हॉकी का स्तर ऊंचा कर रही है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी सशक्त बना रही है। हॉकी इंडिया के महासचिव एवं संचालन समिति सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, पुरुष और महिला दोनों लीगों की सफलता से खेल में नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिल रहा है। हम भारत और विदेश के सभी योग्य खिलाड़ियों को आमंत्रित करते हैं कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और आगामी ऐतिहासिक सत्र का हिस्सा बनें।

जेकब फर्नले जिनेवा ओपन के दूसरे दौर में

जिनेवा। ब्रिटेन के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जैकब फर्नले ने डुसन लाजोविक को हराकर जिनेवा ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया23 वर्षीय खिलाड़ी ने सर्बिया के वाइल्डकार्ड लाजोविक को 6-4, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट में मैच जीतने वाले पहले ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए।

स्कॉटिश खिलाड़ी का अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से होगा।फर्नले ने अप्रैल में मैड्रिड ओपन के तीसरे दौर में पहुंचने के बाद विश्व में अपने करियर की सर्वोच्च 54वीं रैंकिंग हासिल की, उन्होंने उसी महीने की शुरुआत में बार्सिलोना में क्ले पर अपना पहला पेशेवर मैच खेला था। फ्रेंच ओपन (वर्ष का दूसरा ग्रैंड स्लैम) रविवार से शुरू हो रहा है।

प्लेऑफ में पंजाब किंग्स: कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम भावना और परस्पर सहयोग को दिया सफलता का श्रेय

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर आखिरकार 11 वर्षों बाद आईपीएल प्लेऑफ में जगह बना ली। इस ऐतिहासिक क्षण के बाद, कप्तान श्रेयस अय्यर ने ड्रेसिंग रूम में टीम के सामूहिक प्रयास और एक-दूसरे के लिए चिंता करने की भावना को जीत का मूल मंत्र बताया। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने कहा, हम सभी जानते हैं कि जब किसी को खेलने का मौका नहीं मिलता, तब यह कितना मुश्किल होता है। लेकिन आज हमने देखा कि जो खिलाड़ी बाहर बैठे थे, उन्होंने भी मैदान पर जाकर बाकी साथियों की मदद की। यह दर्शाता है कि हर कोई टीम के लिए कितना समर्पित है। अय्यर ने हेड कोच रिकी पोंटिंग का उल्लेख करते हुए कहा, रिकी ने टीम के भीतर 'एक-दूसरे की परवाह' की बात की थी, और आज मैं वह भावना हर खिलाड़ी में देख सका। यही असली टीम भावना है। श्रेयस ने जीत के बाद सभी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा, प्लेऑफ में पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, और इसके लिए टीम के हर सदस्य को बधाई। चाहे मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ी हों या बेंच पर बैठे साथी, हर किसी ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने टीम से आग्रह किया कि इस ऊर्जा और जोश को आगामी मुकाबलों में भी बनाए रखें, ताकि पंजाब किंग्स इस बार खिताब की दौड़ में और आगे बढ़ सके। पंजाब किंग्स की 11 साल

के बाद प्लेऑफ में वापसी 2014 के बाद की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है। लंबे समय से टीम पर प्रदर्शन को लेकर सवाल उठते रहे, लेकिन इस सीजन में खिलाड़ियों की एकजुटता, नेतृत्व और मेहनत ने टीम को नई दिशा दी।

खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रतीक बना खेलो इंडिया बीच गेम्स: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

दीव। भारत के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। देश के पहले खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) का भव्य शुभारंभ दीव के घोघला बीच पर हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत के खेल कैलेंडर में उत्साह की नई लहर पैदा करेगा और तटीय क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच देगा।

प्रधानमंत्री ने आयोजन स्थल दीव को उचित चुनाव बताते हुए कहा, सूरज, रेत और समुद्र का संगम इन खेलों को न केवल रोमांचक बनाता है, बल्कि यह हमारी समुद्री विरासत का भी उत्सव है। जैसे-जैसे लहरें तटों से टकरा रही हैं, भारत खेलों के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिख रहा है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि खेल संस्कृति राष्ट्रीय गौरव, एकता और युवाओं की आकांक्षाओं को पोषित करती है। खेलो इंडिया बीच गेम्स इसी शक्ति के प्रतीक बनकर उभरे हैं। इस आयोजन का उद्घाटन केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने किया। उन्होंने कहा, खेलो इंडिया बीच गेम्स न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि भारत की पहली बीच स्पोर्ट्स क्रांति का आरंभ है। इस आयोजन में 1350 से अधिक एथलीट अपनी प्रतिभा का मंचन करेंगे। जबकि

30 से अधिक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागी इसमें प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। इस दौरान छह प्रमुख प्रतिस्पर्धी खेल- बीच सॉकर, वॉलीबॉल, सेपक टकरॉ, कबड्डी, पेन्चक सिलाट और ओपन वॉटर स्विमिंग के मुकाबले होंगे। जबकि दो डेमो खेल मल्लखंभ और रस्साकशी को भी इसमें शामिल किया गया है। इस खेल समारोह का समापन 24 मई को होगा। डॉ मांडविया ने कहा कि जहां लहरें हों वहां जुनून और जहां रेत हो वहां उत्साह की चिंगारी होनी चाहिए। खेलो इंडिया बीच गेम्स ने यह चिंगारी जलाई है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मोदी सरकार खेलों को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि रोजगार, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के अवसर के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि खेल अब नया सामान्य बन चुके हैं, और भारत एक फिटनेस-सजग राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इस उद्घाटन समारोह में देश की सांस्कृतिक विविधता की झलक देने वाले पारंपरिक नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां भी हुईं। आयोजन में शामिल गणमान्य अतिथियों में दादरा नगर हवेली, दमन और दीव व लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी. के. जोशी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पहले पहना 1300 करोड़ का ताज, अब फटी हुई ड्रेस में कान्स के रेड कार्पेट पर दिखीं

उर्वशी रौतेला

कान फिल्म फेस्टिवल में कई सारे सितारे शामिल हुए हैं, जिनको लेकर काफी चर्चा की जा रही है. हालांकि, कुछ वक्त पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने लुक को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही थीं. हालांकि, इक बार फिर एक्ट्रेस अपनी कान फिल्म फेस्टिवल की ड्रेस को लेकर खबरों में बन गई हैं, ये इसलिए क्योंकि एक्ट्रेस के साथ उप्स मोमेंट हो गया है. दरअसल, उर्वशी ने रेड कार्पेट पर ब्लैक कलर की ड्रेस पहनी हुई थी, जो कि साइड से फटी दिख रही है.

कान फिल्म फेस्टिवल में उर्वशी पहले पैरेट लुक में दिखी थीं, उन्होंने साथ में तोते जैसा ही एक क्लच भी लिया हुआ था. हालांकि, उनके पहले लुक को लेकर लोगों ने उन पर तरह-तरह की टिप्पणियां की. लेकिन, जब एक्ट्रेस दोबारा रेड कार्पेट पर नजर आईं, तो इस दौरान उन्होंने ब्लैक कलर का प्लेन सा गाउन पहना हुआ था पर दोबारा से लोगों ने उन्हें ट्रोल कर दिया है. दरअसल, एक्ट्रेस ने जो ड्रेस पहनी है वो फटी हुई है.

जानबूझकर किया है

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उर्वशी का वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में उनकी ड्रेस के छेड को आराम से देखा जा सकता है. हालांकि, लोगों ने इसको लेकर भी उर्वशी का मजाक ही बनाया है. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है कि लग रहा है कि जानबूझकर किया है, ताकि हेडलाइन्स में आ सके. तो वहीं दूसरे ने लिखा है कि वॉर्डरोब मैलफंक्शन है या ड्रेस का फिट इतना खराब था कि ड्रेस ही फट गई.

कॉन्फिडेंस की तारीफ

हालांकि, अगर केवल लुक की बाच करें, तो एक्ट्रेस ब्लैक कलर की इस ड्रेस में काफी एलिगेंट लग रही हैं. फटी ड्रेस में पोज देने के लिए कुछ लोगों ने उनके कॉन्फिडेंस की भी तारीफ की है.हालांकि, उर्वशी ऐसे विवादित बयान देती हैं, कि लोग इसे पब्लिसिटी स्टंट कह रहे हैं. ड्रेस की बात करें, तो एक्ट्रेस के ब्लैक गाउन को फेमस डिजाइनर नाजा सादे ने बनाया है. एक्ट्रेस ने इस ड्रेस में फोटो भी शेयर किया है.

माधुरी के साथ जब ऋषि कपूर को पहनना पड़ा था बुर्का, एक गलती से पड़ गए लेने के देने

हिंदी सिनेमा में बड़े पर्दे पर कई जोड़ियों ने दर्शकों का दिल हर बार जीता. 90 के दशक में ऋषि कपूर और माधुरी दीक्षित की जोड़ी भी काफी पॉपुलर थी. माधुरी और ऋषि ने साथ में स्क्रीन शेयर किया और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया था. साथ काम करने के दौरान माधुरी और ऋषि का एक दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड बन गया था. एक बार तो जब दोनों हैदराबाद किसी फिल्म की शूटिंग के लिए जा रहे थे तो फैंस से बचने के लिए माधुरी के साथ ही ऋषि कपूर ने भी बुर्का पहन लिया था. लेकिन ये दांव दोनों कलाकारों पर उल्टा पड़ गया था और पुणे रेलवे स्टेशन पर दोनों पकड़े गए थे.

ऋषि ने शेयर किया था किस्सा

ऋषि कपूर ने साल 2018 में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ये किस्सा खुद शेयर किया था. पहले उन्हें माधुरी दीक्षित ने बर्थडे विश किया था. जिस पर ऋषि ने जवाब देते हुए मजेदार किस्सा सुना दिया था. माधुरी ने ऋषि को विश करते हुए लिखा था, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, आपका दिन अच्छा हो और आने वाला साल भी.

ऋषि कपूर ने माधुरी से मिली शुभकामनाओं पर लिखा था, धन्यवाद माधुरी. मुझे एक मजेदार घटना याद आ रही है हम दोनों ने हैदराबाद (याराना की शूटिंग) में 'बुर्का' पहना था (ताकि कोई हमें पहचान न सके) और भीड़ भरे पुणे स्टेशन पर मेरा 'बुर्का उतर गया. उसके बाद सफर नर्क जैसा हो गया. सीक्रेट रखने के लिए इतना कुछ करना पड़ा.

माधुरी-ऋषि ने इन फिल्मों में साथ किया काम

ऋषि कपूर ने साल 1973 में आई सुपरहिट फिल्म 'बॉबी' से अपने करियर की बतौर लीड एक्टर शुरुआत की थी. वहीं माधुरी ने हिंदी सिनेमा में अपना आगाज साल 1984 की फिल्म 'अबोध' से किया था.

माधुरी और ऋषि दोनों ही फिल्मी दुनिया में बड़ी और खास पहचान बनाने में कामयाब रहे. एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले दोनों दिग्गजों ने साथ में भी काम किया. ऋषि और माधुरी बड़े पर्दे पर 'साहिबान', 'याराना' और 'प्रेम ग्रंथ' जैसी फल्मों में नजर आए. बता दें कि ऋषि अब इस दुनिया में नहीं हैं. उनका साल 2020 में कैंसर से निधन हो गया था.

21 की उम्र में 2 बेटियों की मां बनीं रवीना टंडन को मिलते थे ताने, शादी से पहले पति के सामने रख दी थी ये शर्त

बॉलीवुड की मशहूर अदाकाराओं में शामिल रवीना टंडन ने अपनी फिल्मों के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से भी सुर्खियां बटोरी. रवीना टंडन का अफेयर अजय देवगन और अक्षय कुमार जैसे एक्टर्स संग सुर्खियों में रहा. लेकिन किसी के साथ भी उनका रिश्ता टिक नहीं पाया. इसके बाद उन्होंने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की. हालांकि शादी से पहले रवीना ने अनिल के सामने एक शर्त रख दी थी. आइए जानते हैं कि आखिर किस शर्त पर एक्ट्रेस अनिल थडानी की दुल्हन बनी थीं ?

शादी से पहले ही बन गईं थीं दो बेटियों की मां

रवीना टंडन का जन्म दिवंगत प्रोड्यूसर रवि टंडन के घर 26 अक्टूबर 1972 को मुंबई में हुआ था. पिता के प्रोड्यूसर होने के चलते रवीना ने भी फिल्म इंडस्ट्री में ही करियर बनाया. उन्होंने अपनी शुरुआत फिल्म 'पत्थर के फूल' के जरिए की थी. वहीं करियर के शुरुआती दिनों में ही रवीना बिना शादी के दो बेटियों की मां बन गईं थीं. रवीना ने महज 21 साल की उम्र में दो बेटियों छाया और पूजा को गोद लिया था. इसके बाद अनिल थडानी से शादी रचाई थी, लेकिन साथ ही एक शर्त भी रख दी.

इस शर्त पर अनिल की दुल्हन बनी थीं रवीना

रवीना ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि शदी से पहले कम उम्र में ही मां बनने पर लोग उन्हें ताने सुनाते थे. एक्ट्रेस की शर्त थी कि जो भी उनकी लाइफ में आएगा और उनसे शादी करेगा उसे उनके साथ ही उनकी दोनों बेटियों को भी अपनाना होगा. उन्होंने कहा था मैं पैकेज के साथ आऊंगी. मेरे साथ मेरी बेटियों, डॉगी, मेरी फैमिली को भी एक्सेप्ट करना होगा. ये शर्त रवीना ने अनिल के सामने भी रखी थी, जिसे अनिल ने स्वीकार किया था. इसके बाद साल 2004 में अनिल और रवीना ने धूमधाम से शादी रचा ली. अब दोनों की शादी को 2 दशक से ज्यादा समय हो चुका है.

दो बच्चों के पैरेंट्स हैं अनिल-रवीना

अनिल थडानी और रवीना टंडन शादी के बाद दो बच्चो के पैरेंट्स बने. कपल का एक बेटा और एक बेटी हैं. बेटे का नाम रणबीर थडानी जबकि बेटी का नाम राशा थडानी हैं. राशा भी मां की राह पर चलते हुए एक्ट्रेस बन चुकी हैं. उन्होंने इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया है.

दुबई के होटल में

मोनालिसा

ने दिखाई अदाएं, दिए एक से बढ़कर एक पोज, वीडियो दिल जीत लेगा

सोलो ट्रिप करने का क्रेज अब आम लोगों से सेलिब्रिटीज के अंदर भी आ गया है. इसलिए तो मोनालिसा बिना किसी दोस्त या अपने पति विक्रांत सिंह राजपूत के ही दुबई पहुंच गईं. वहां से मोनालिसा अपने पल-पल की अपडेट्स फैंस के लिए शेयर कर रही हैं और इस बार तो उन्होंने दुबई के होटल रूम से कुछ तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया है.लगभग 3 दिन पहले मोनालिसा दुबई आई हैं और उन्होंने घर से दुबई और दुबई से घर तक की चीजों को शेयर करने के बारे में अपने एक पोस्ट में बताया था. फिलहाल वो दुबई में ही हैं और अकेले ही होटल में एन्जॉय करने के पोस्ट फैंस के लिए शेयर किए हैं.

मोनालिसा ने दुबई के होटल रूम में किया डांस

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो आज ही यानी 19 मई को शेयर किया. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, उफ्फ्फ्फ ये गाना.' इसके साथ उन्होंने 90'ह्य रील और लव दिस सॉन्ग हैशटैग लिखते हुए हार्ट इमोजी शेयर किया है.मोनालिसा ने इस वीडियो में जो गाना लगाया है वो 1995 में आई फिल्म टक्कर का है, जिसका नाम 'आंखों में बसे हो तुम' है. इस गाने को अलका यागनिक और अभिजीत भट्टाचार्य ने गाया था, जबकि इसे सुनील शेट्टी और सोनाली बेंद्रे पर फिल्माया गया था. मोनालिसा के इस वीडियो पर ज्यादातर फैंस ने हार्ट इमोजी शेयर किया है.

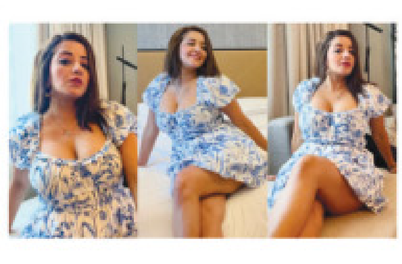

तस्वीरों में भी कमाल लग रही हैं मोनालिसा

इस वीडियो से पहले यानी 18 मई को मोनालिसा ने कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयरे की थीं, जो उनके होटल रूम की ही थीं. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'अगर किसेस स्टार्स होते, तो मैं तुम्हें आसमान दे देती.' इस पोस्ट के साथ भी उन्होंने हार्ट इमोजी शेयर की है.

वीडियो और फोटोज में मोनालिसा ने एक ही वन पीस ड्रेस पहनी है जो व्हाइट और स्काई ब्लू कलर की है. इन तस्वीरों में मोनालिसा ने अलग-अलग पोज दिए हैं और इनमें मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में भोजपुरी सिनेमा के जाने-माने प्रोड्यूसर प्रशांत निशांत ने तीन हार्ट इमोजी कमेंट की है.

वहीं फॉलोवर्स भी इस तस्वीर को हार्ट इमोजी के साथ बता रहे हैं कि उन्हें मोनालिसा के पोस्ट पसंद आ रहे हैं.